राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 235
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 08 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 2 यूक्रेन में फंसे छात्रों को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र पर बोला हमला, कहा- मोदी सरकार का मतलब सिर्फ पीआर है

पेज 3 साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने व साइबर अपराधों की विवेचना करने के लिए किया गया साइबर

पेज 5 गाजीपुर में सपा-भाजपा समर्थकों में भिड़ंत, पथराव, पुलिस ने खदेड़ा

यूपीः अंतिम फेज में 56.32 प्रतिशत वोटिंग

जौनपुर में धनंजय सिंह समर्थकों की फायरिंग में युवक को लगी गोली

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में सोमवार को 9 जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर वोटिंग खत्म हो चुकी है। शाम 6 बजे तक 56.32 प्रतिशत वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा चंदौली में 61.99 प्रतिशत वोटिंग हुई। जबकि आजमगढ़ में सबसे कम 53.79 प्रतिशत वोटिंग हुई है। उधर, मल्हनी सीट पर प्रत्याशी धनंजय सिंह के समर्थकों और यादव गुट के बीच फायरिंग हुई। इस दौरान यादव गुट के संदीप यादव नाम के युवक को गोली लगी है। इसी तरह आजमगढ़ में फर्जी वोटिंग को लेकर सपा-भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प हुई है। इस दौरान पथराव कर गाड़ियों को तोड़ा गया। भाजपा प्रत्याशी ने सपा कैंडिडेट पर जान-माल की धमकी देने का आरोप लगाया है। फोर्स ने लाठीचार्ज कर स्थिति संभाली है।

यह पूरा मामला सदर विधानसभा में सिधारी थाना क्षेत्र के सरफुद्दीनपुर है। पुलिस मौके पर पहुंची है। यहां सपा से दुर्गा प्रसाद यादव और भाजपा से अखिलेश मिश्रा गुड्डू चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी अखिलेश मिश्रा ने सपा प्रत्याशी दुर्गा प्रसाद यादव पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

यूपी चुनाव में गुजरात पुलिस की एंट्री

उधर, यूपी चुनाव में आज अचानक गुजरात पुलिस की भी एंट्री हुई। किसान नेता योगेंद्र यादव ने एक वीडियो ट्वीट किया। इसमें गुजरात पुलिस का एक जवान कह रहा है कि योगी ही आएगा। उन्होंने इस वीडियो के साथ चुनाव आयोग को टैग किया है। साथ ही लिखा- देखिए! गुजरात पुलिस यूपी में चुनाव कराने आई थी। वीडियो वायरल होने के बाद योगी ही आएंगे...कहने वाले गुजरात पुलिस के जवान को ड्यूटी से हटा दिया गया है। मिर्जापुर पुलिस ने इसकी जानकारी दी। हालांकि इससे पहले वाराणसी के छ्रूने कहा था कि वाराणसी में कहीं पर भी गुजरात पुलिस की ड्यूटी नहीं लगी है। बता दें कि चंदौली और मिर्जापुर में चुनाव कराने में गुजरात पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है।

सातवें फेज में 7 मंत्रियों समेत 613 प्रत्याशी मैदान में

इस चरण में वाराणसी और आसपास के जिलों में मोदी मैजिक की परीक्षा है। वहीं, भाजपा सरकार के बुलडोजर और कानून व्यवस्था के दावों के बीच मऊ में मुख्तार अंसारी के बेटे, भदोही में विजय मिश्र और जौनपुर में धनंजय सिंह जैसे बाहुबलियों का भी इम्तिहान है।

इतना ही नहीं.. क्या यूपी की सियासत जातियों के अभेद चक्रव्यूह से बाहर आ पाई है? इन सवालों का जवाब भी 10 मार्च को काउंटिंग के साथ मिल पाएगा। सातवें फेज के सियासी दंगल में योगी सरकार के 7 मंत्रियों समेत 613 प्रत्याशी हैं। इनमें 75 महिला प्रत्याशी हैं। 2.05 करोड़ वोटर्स इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। इससे पहले यूपी में 6 चरणों में अब तक 349 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है।

2012 में सपा ने 34 तो 2007 में बसपा ने 31 सीटें जीती थी

2017 में इन 54 सीटों में भाजपा ने 29, सपा ने 11, बसपा को 6, सुभासपा को 3, अपना दल(एस) को 4 और निषाद पार्टी को एक सीट मिली थी। कांग्रेस का पिछली बार खाता भी नहीं खुला था। वहीं, अगर 2012 की बात करें तो सपा को 34, बसपा को 7, भाजपा को 4, कांग्रेस को 3, कौमी एकता दल को 2 और अपना दल को 1 सीट मिली थी। इसके साथ ही 3 निर्दल प्रत्याशी जीते थे। इसके पहले 2007 में परिसीमन से पहले इन 9 जिलों में 52 विधानसभा सीट थीं। इनमें बसपा को 31, सपा को 14, भाजपा को 5 और जद(यू) को 1 सीट के साथ ही 1 निर्दलीय प्रत्याशी जीता था।

जिला	मतदान प्रतिशत
आजमगढ़	53.79 प्रतिशत
भदोही	54.26 प्रतिशत
चंदौली	61.99 प्रतिशत
गाजीपुर	56.54 प्रतिशत
जौनपुर	54.43 प्रतिशत
मऊ	57.02 प्रतिशत
मिर्जापुर	54.93 प्रतिशत
सोनभद्र	58.69 प्रतिशत
वाराणसी	58.69 प्रतिशत

प्रत्याशियों का लेखा-जोखा

217 करोड़पति प्रत्याशी मैदान में : 217 प्रत्याशी करोड़पति हैं। सबसे अमीर प्रत्याशी आजमगढ़ जिले की मुबारकपुर से एआईएमआईएम के गुड्डू जमाली हैं। उनकी संपत्ति 195 करोड़ रुपए है। वाराणसी की पिंडरा से बसपा प्रत्याशी बाबूलाल के पास 44 करोड़ रुपए की संपत्ति है। तीसरे नंबर पर आजमगढ़ की निजामाबाद से बसपा प्रत्याशी पीयूष कुमार सिंह की संपत्ति 34 करोड़ रुपए है।

170 के खिलाफ क्रिमिनल केस :170 प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। इनमें से 131 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मुकदमे हैं। इनमें भाजपा के 26, सपा के 26, बसपा के 20, कांग्रेस के 20 और आम आदमी पार्टी के 8 प्रत्याशी हैं। सर्वाधिक 24 मुकदमे ज्ञानपुर विधानसभा से विधायक विजय मिश्रा पर है। वाराणसी की पिंडरा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय पर 17 मुकदमे और गाजीपुर सदर विधानसभा से बसपा प्रत्याशी राजकुमार सिंह पर 11 मुकदमे दर्ज हैं।

214 प्रत्याशी 5वीं से 12वीं तक पढ :शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो 4 उम्मीदवार निरक्षर और 214 प्रत्याशी 5वीं से 12वीं तक की पढ़ाई किए हैं। 346 प्रत्याशी स्नातक या फिर इससे ज्यादा पढ़ाई किए हुए हैं।

दाऊद से जुड़ा मनी लॉन्ड्रिंग केस

14 दिन की न्यायिक हिरासत में आर्थर रोड जेल पहुंचे नवाब मलिक

मुंबई। नवाब मलिक को 23 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था, इसके बाद से वे ईडी की कस्टडी में कैद थे। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के परिवार से जमीन खरीदने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जिसके बाद सोमवार शाम को उन्हें ईडी की कस्टडी से मुंबई की आर्थर रोड जेल में शिफ्ट कर दिया गया। महाराष्ट्र के मंत्री उस जेल में रहेंगे, जिसमें पहले से कई खूंखार अपराधी कैद हैं। 23 फरवरी को गिरफ्तार मलिक की ईडी कस्टडी को 7 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया गया था।

कुछ देर पहले मेडिकल करवाने के बाद उन्हें अदालत में फिर से पेश किया गया था। अदालत में मलिक की आगे की कस्टडी को लेकर तकरीबन 20 मिनट तक बहस हुई। ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने पक्ष रखा, जबकि मलिक की ओर से अमित देसाई और तारक सैय्यद ने पैरवी की है।

ईडी ने नहीं की कस्टडी बढ़ाने की मांग

अदालत में सुनवाई के दौरान एडिशनल सोसलिस्टर जनरल अनिल सिंह ने अदालत से उनकी कस्टडी बढ़ाने की मांग नहीं करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आग्रह किया, जिसे जज ने मान लिया। हालांकि, इसके बावजूद मलिक के वकील तारक सैय्यद ने उनकी कस्टडी का विरोध करते हुए एक एप्लीकेशन मूव किया था। इससे पहले की सुनवाई में सरकारी वकील ने 1993 बम धमाकों से जुड़ा एक कॉन्फिडेंशियल स्टेटमेंट अदालत के सामने रखा है, जिसके बाद मलिक की कस्टडी को बढ़ा दिया गया था।

परिवार पर भी शिकंजा कस रही ईडी

मलिक के बाद अब उनके परिवार पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। आज उनके बेटे फराज मलिक को पूछताछ के लिए श्वष्ठ ऑफिस में तलब किया गया था। हालांकि, मंगलवार को एक पत्र भेज फराज ने श्वष्ठ से एक सप्ताह का समय मांगा था।

ईडी कस्टडी में पूछताछ के दौरान अधिकारियों की ओर से यह कहा जा रहा था कि नवाब मलिक पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसी बीच खबर आई कि उनकी तबीयत बिगड़ गई है और उन्हें भर्ती करवाया गया है। फिर यह भी अपडेट आया कि ईडी की ओर से उनकी तबीयत को लेकर प्राइवेट डॉक्टरों और एम्स दिल्ली के विशेषज्ञों से सलाह ली जाएगी।

सरकार ने मेडिकल की पढ़ाई करने वालों के लिए लिया है बड़ा फैसला : पीएम मोदी

(एजेंसी)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनऔषधि दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों पर आठ सौ करोड़ रुपये की दवाएं बिकी हैं। उन्होंने कहा कि इसके तहत सरकार मध्यम वर्ग के लोगों की जेब का धन बचाकर उन्हें फायदा पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इन केंद्र पर अब तक 21 करोड़ सैनेट्री नेपकींस बिक चुके हैं। ये एक रुपये में यहां से लिए जा सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के कई देशों में कोरोना रोधी वैक्सीन के लिए लोगों को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। लेकिन भारत ने इसको सभी को फ्री में लगाने का फैसला किया। इस पर अब तक सरकार ने तीस हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सरकार ने फैसला किया है कि आधे निजी मेडिकल कालेज में अब सरकारी मेडिकल कालेज के बराबर ही फीस लगेगी। सरकार की कोशिश है कि हर जिले में एक बड़ा अस्पताल हो। सरकार ने कई दवाओं की कीमत को बेहद कम किया है।

जन औषधि केंद्रों के मालिकों से बात कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बिहार की महिला से बात कर उनसे इस बारे में जानकारी हासिल की। महिला ने बताया कि जन औषधि केंद्र से मिली दवाओं के चलते उन्हें काफी फायदा हो रहा है। ये सस्ती होने के साथ-साथ गुणवत्ता में भी अच्छी है।

डीजीपी नियुक्ति पर बिहार सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एस. के. सिंघल को बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद पर नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को राज्य सरकार से जवाब-तलब किया। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमन तथा न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने श्री सिंघल की नियुक्ति को चुनौती देने वाली एक याचिका पर बिहार सरकार को नोटिस जारी अपना पक्ष रखने को कहा है।

'समर्थ'

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, नारायण तातू राणे नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 के अवसर पर महिलाओं के लिए विशेष उद्यमिता प्रोत्साहन अभियान - 'समर्थ' के शुभारंभ के अवसर पर।

कश्मीर में आतंकी हमला

श्रीनगर के बड़े बाजार में ग्रेनेड अटैक, 2 लोगों की मौत, 23 घायल

श्रीनगर। श्रीनगर में रविवार को आतंकवादियों ने ग्रेनेड हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सोमवार को हमले में घायल एक और मौत हो गई। मृतका की पहचान राफिया (19) के रूप में हुई है। वह श्रीनगर के दरगाह हजरतबल की रहने वाली थी।

सीसीटीवी में कैद हुआ पूरा फुटेज

आतंकवादियों ने श्रीनगर के अमीरा कदल बाजार के पास ग्रेनेड फेंका था। हमले का फुटेज सीसीटीवी में कैद हो गया। ब्लास्ट के समय बाजार में बहुत सारे लोग मौजूद थे, विस्फोट होते ही भगदड़ मच गई और एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में एक पुलिस कर्मी भी शामिल है।

पुलिस ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की

हमले के बाद श्रीनगर पुलिस ने ट्वीट कर कहा- हमला करने वाले दल का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस ने अमीरा कदल इलाके में लोगों से सतर्क रहने का अपील की है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने की हमले की निंदा

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट कर कहा- मैं इस निंदनीय हमले की कड़ी से कड़ी निंदा करता हूं। मृतकों को जन्नत में जगह मिले और घायलों को सही तरह से इलाज मिले।

सात उड़ानों से यूक्रेन से 1300 से ज्यादा भारतीय लौटे

नयी दिल्ली। युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए 'ऑपरेशन गंगा' के तहत सोमवार को सात विशेष उड़ानों से 1314 भारतीयों को वापस लाया गया। इस प्रकार अब तक 83 उड़ानों के जरिए 17 हजार चार सौ से अधिक भारतीयों को स्वदेश लाया चुका है।

नागर विमानन मंत्रालय ने यहां बताया कि कि यूक्रेन के पड़ोसी देशों से सात विशेष उड़ानों द्वारा आज 1314 भारतीयों को वापस लाया गया है। इसके साथ 22 फरवरी को ऑपरेशन गंगा के तहत विशेष उड़ानों के शुरू होने के बाद से अब तक 17 हजार चार सौ से अधिक भारतीयों को वापस लाया जा चुका है। भारतीय दूतावास द्वारा परामर्श जारी होने के बाद से युद्धग्रस्त यूक्रेन से अब तक 22 हजार से अधिक भारतीयों को बाहर निकाला जा चुका है।

ऑपरेशन गंगा के तहत 73 विशेष नागरिक विमान सेवाओं द्वारा वापस लाये गए भारतीयों की संख्या 15 हजार 206 हो गई है जबकि भारतीय वायुसेना की 10 उड़ानें के जरिये 2056 यात्री वापस लाये गये हैं। वायुसेना के परिवहन विमान सी-17 ग्लोबमास्टर द्वारा 201 भारतीयों के साथ रास्ते में हैं और देर शाम तक आने की उम्मीद है।

नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार आज की विशेष नागरिक उड़ानों में से चार नयी दिल्ली आयी हैं जबकि दो मुंबई पहुंची हैं। एक उड़ान की देर शाम तक दिल्ली आने की उम्मीद है। बुडापेस्ट से पांच उड़ानें तथा बुखारेस्ट और सुसेवा से एक-एक उड़ान आयी है।

मंगलवार को सुसेवा से तीन विशेष नागरिक उड़ानों से साढ़े छह सौ से अधिक भारतीयों को स्वदेश वापस लाया जाएगा।

इधर, विदेश मंत्रालय का नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम कर रहा है और आज दोपहर तक 12 हजार 582 कॉल और 9131 ई-मेल का निस्तारण किया जा चुका है।

एक्जिट पोल : उत्तर प्रदेश में भाजपा को बहुमत मिलने के आसार

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों के लिए सोमवार को चुनाव संपन्न होने के बाद विभिन्न एजेंसियों की ओर से किये गये सर्वेक्षण (एक्जिट पोल) के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को प्रदेश में बहुमत मिलने के आसार हैं।

पांच राज्यों के लिए हुए सभी चरणों के मतदान के बाद सोमवार को अलग-अलग एजेंसियों ने एग्जिट पोल के नतीजे जारी किए।

टाइम्स नाउ नवभारत और वीटो के अनुसार उत्तर प्रदेश में सभी सात चरणों के चुनाव में भाजपा को बढ़त मिल रही है। राज्य की सभी 403 सीटों में से भाजपा को 225 सीटें मिलने का अनुमान है, हालांकि भाजपा को पिछले चुनाव की तुलना में 100 सीटों का नुकसान होता दिख रहा है। समाजवादी (सपा) गठबंधन को 115 सीटों को मिलने का अनुमान है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को 14 और कांग्रेस को नौ सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है। वहीं अन्य को चार सीटें मिल रही हैं।

इंडिया न्यूज-जन की बात के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में भाजपा को 222-260, सपा को 135-165, बसपा को 4-9, कांग्रेस को 1-3 और अन्य को 3-4 सीटें मिल सकती हैं। रिपब्लिक टीवी के दो अलग-अलग सर्वेक्षणों में भाजपा को 262 से 277, सपा को 119 से 134, बसपा को 07-15 और कांग्रेस को तीन से आठ सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं दूसरे सर्वेक्षण में भाजपा को 240, सपा को 140, बसपा को 17 और कांग्रेस को दो सीटें मिलने की संभावना है। न्यूज एक्स और टीवी 9 भारतवर्ष के पोल में भाजपा को 211 से 225, सपा को 146 से 160 , बसपा को 14 से 24 और कांग्रेस को चार से छह सीटें मिलने का अनुमान है।

कोविड-19 देश में कोरोना मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत, रिवकरी दर 98.68 फीसदी और सक्रमण दर 0.13 फीसदी

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 55 हजार के नीचे

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से आ रही कमी के बीच सक्रिय मामलों की संख्या 55 हजार से नीचे हो गयी है वहीं पिछले 24 घंटे में 4362 नए मामले दर्ज किये गये और 66 मरीजों की मौत हुई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में देश में 9620 लोग कोरोना से ठीक होने से इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,23,98,095 तक हो गयी है। इसी अवधि में सक्रिय मामलों की संख्या 5324 घटकर 54,118 रह गई है। वहीं, इस महामारी से 66 और लोगों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 5,15,102 तक पहुंच गया है।

देश में कोरोना मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत, रिवकरी दर 98.68 फीसदी और सक्रमण दर 0.13 फीसदी बनी हुई है। केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में सबसे अधिक 1669 की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 14,968 रह गयी। वहीं, 3033 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 64,30,941 हो गयी है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 66,180 हो गया है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 329 घटकर 7711 रह गये हैं। इस दौरान राज्य में 688 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 77,17,362 हो गयी। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 1,43,740 हो गया है।

तमिलनाडु में इस दौरान सक्रिय मामले 361 घटकर 2770 रह गये है। वहीं 554 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 34,10,228 हो गयी है, जबकि तीन मरीजों की मौत होने के बाद मृतकों का आंकड़ा 38,015 हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामलों की संख्या 38 घटकर 3286 रह गयी है। इस दौरान 264 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 38,99,298 हो गयी है।

कोविड टीकाकरण 179 करोड़ से अधिक

नयी दिल्ली 07 मार्च (वार्ता) देश में कोविड टीकाकरण अभियान के 416वें दिन सोमवार को 18 लाख से अधिक कोविड टीके लगाये गये। इसके साथ ही कोविड टीकाकरण 179 करोड़ से अधिक हो गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने देर शाम यहां बताया कि देश में कोविड टीकाकरण अभियान के तहत आज शाम सात बजे तक 179 करोड़ नौ लाख 28 हजार 99 कोविड टीके लगाये जा चुके है। आज 18 लाख 24 हजार 967 कोविड टीके दिये गये। आंकड़ों के अनुसार अतिरिक्त खुराक के पात्र व्यक्तियों को दो करोड़ सात लाख 35 हजार 818 कोविड टीके लगाये गये हैं। आंकड़ों में बताया गया कि 96 करोड़ 59 लाख 55 हजार 372 लोगों को कोविड टीके की पहली खुराक दी गयी है, जबकि 80 करोड़ 42 लाख 36 हजार 909 को दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है।

शार्ट न्यूज

कश्मीर में बारिश, पर्वतीय इलाकों में हिमपात

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पर्यटक स्थल स्की रिजॉर्ट गुलमर्ग सहित कश्मीर घाटी के पर्वतीय हिस्सों में सोमवार को हिमपात हुआ, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जिससे समान्य जन-जीवन प्रभावित हो गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश तथा हिमपात का अनुमान व्यक्त किया है। आठ से 13 मार्च तक यहां आकाश में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश तथा हिमपात हो सकता है। सोमवार सुबह से बारामूला जिले के गुलमर्ग में हिमपात हो रहा है। बांदीपोरा जिले के गुरेज तथा श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग के जोजिला पास पर भी बर्फबारी हो रही थी। श्रीनगर तथा इसके आस-पास के इलाकों में सोमवार तड़के से बारिश हो रही है, जिससे शीतलहर चलने लगी तथा समान्य जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पर्यटक स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया और यहां 4.6 मिमी बारिश एवं पांच सेमी बर्फबारी हुई है। सीमावर्ती जिला कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर को किया गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को सोपोर इलाके से एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया है। पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर उत्तर कश्मीर के बारामूला के सोपोर में बिजबल में नाकेबंदी की और एक संदिग्ध वाहन को रोका। पुलिस को देखने के बाद वाहन चालक ने भागने का प्रयास किया हालांकि मुस्तैद पुलिस के जावानों ने चालक को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि वाहन की जांच करने पर आरोपी के पास से मादक पदार्थ के 1560 कैप्सूल बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अचबल सोपोर निवासी जमशेद अहमद उर्फ बट बकरा के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ(एनडीपीएस) अधिनियम के तहत सोपोर पुलिस थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

झेलम नदी के किनारे मिला महिला का शव

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के झेलम नदी के किनारे सोमवार को एक महिला का शव बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक एक चालीस वर्षीय महिला की शव लादोरा में मिला है, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक उत्तरी कश्मीर के बांदिपोरा जिले की रहने वाली थी। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम और अन्य जरूरी कार्रवाई के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है।

श्रीनगर ग्रेनेड हमले में घायल युवती की मौत

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के हरि सिंह हाई स्ट्रीट मार्केट में ग्रेनेड हमले में गंभीर रूप से घायल एक युवती की सोमवार को मौत हो गयी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मृत युवती की पहचान श्रीनगर के हजरतबल निवासी नजीर अहमद टिंडा की बेटी सफिया (20) के रूप में की गयी है। रविवार को व्यस्ततम हरि सिंह हाई स्ट्रीट बाजार में अज्ञात आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंका था। विस्फोट में एक पुलिसकर्मी सहित कम से कम 35 लोग घायल हो गये थे। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की कल ही मौत हो गयी थी।

किसान आंदोलन फिर शुरू हो सकता है

हिसार। किसान नेता राकेश टिकैत ने आज आरोप लगाया कि किसानों के साथ केंद्र सरकार ने केवल डिजिटल समझौता किया है और लिखित में नहीं मिलता तो किसान आंदोलन फिर शुरू किया जा सकता है। टिकैत यहां फतेहाबाद में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक कमेटी का गठन किया जाएगा और आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने के लिए कमेटी गठन करने समेत किसी आश्वासन का पालन नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि पांच राज्यों के चुनावों के 10 मार्च को आ रहे नतीजों से साबित हो जाएगा कि जनता भारतीय जनता पार्टी से नाराज है। टिकैत ने कहा कि एक तरफ यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र फंसे हुए हैं, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां चुनाव रैलियां कर रहे हैं।

जैतारण विधानसभा क्षेत्र में नए रुट पर बसें चलाने पर किया जाएगा विचारः ओला

जयपुर। राज्य के परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला ने आज विधानसभा में आश्वस्त किया कि पाली जिले में जैतारण विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में नये रूट पर रोडवेज बसें चलाने पर विचार किया जायेगा। ओला ने प्रश्नकाल में इस संबंध में पूछे गये पूरक प्रश्न के जवाब में बताया कि कुछ बसों का संचालन राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा कम यात्री भार होने के कारण बंद किया गया है। साथ ही इन बसों से होने वाली आय की तुलना में खर्चा चार गुना हो गया था। उन्होंने कहा कि अब धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है और नए रुट पर बसें संचालित करने पर विचार किया जाएगा। इससे पहले परिवहन एवं सड़क सुरक्षा राज्य मंत्री ने विधायक अविनाश के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि विधान सभा क्षेत्र जैतारण के ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा गरनिया, बांजाकुडी, घोडावड, बलाड़ा, टूकडा, बूंटीवास गांवों को जोड़ते हुए पाली-बूंटीवास तथा बर, बिराटिया, गिरी, बूंटीवास, रास, बाबरा गांवों को जोड़ते हुए पाली- बाबरा बसें संचालित है। उन्होंने कहा कि निगम के सीमित संसाधनों के कारण जैतारण से मेडता व जैतारण से वाया निम्बोल, मेडता रोड तक फिलहाल निगम बस संचालित किये जाने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने बताया कि कोरोनाकाल में निजी बसों के बंद हो जाने के कारण उनको हुये नुकसान की भरपाई के लिए टैक्स में छूट देने के संबंध में विभाग द्वारा अधिसूचना 24 जून 2020 एवं 11 अगस्त 2020 तथा 4 अगस्त 2021 जारी की गई है।

चिकित्सकों को पदस्थापित पद पर ही करना होगा काम : मीणा

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीना ने आज विधानसभा में स्पष्ट किया कि चिकित्सकों को पदस्थापित स्थान पर ही कार्य करना होगा वहीं स्वीकृत पदों से अधिक संख्या पर कार्यरत चिकित्सकों के वेतन आहरण पर रोक लगाई जायेगी। मीणा प्रश्नकाल में विधायकों के पूरक प्रश्नों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि कई जगह स्वीकृत पदों में से ज्यादातर पद रिक्त है, लेकिन यह भी सही है कि कई स्थानों पर स्वीकृत पदों से बहुत अधिक संख्या में चिकित्सक कार्यरत है। उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों में 40 की जगह 70 चिकित्सक तो कई जगह 20 के स्थान पर 40 चिकित्सक कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि विभाग ने प्रयास किया है कि चिकित्सक अपने मूल पदस्थापित स्थान पर ही कार्य करे और यदि कहीं पर भी स्वीकृत पदों से अधिक संख्या में कार्यरत है वहाँ चिकित्सकों के वेतन आहरण को प्रतिबन्धित किया जायेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि अनुपगढ़ विधानसभा क्षेत्र में चिकित्सकों के स्वीकृत 31 पदों में से 16 पर चिकित्सक कार्यरत है तथा 15 पद रिक्त है। उन्होंने कहा कि यह चिन्ता का विषय है और हम प्रयास करेंगे इन पदों को पी.जी पूर्ण होने एवं चिकित्सक उपलब्ध होने पर शीघ्र भरा जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन चिकित्सकों को जहाँ नियुक्त किया गया है, उनकों वहाँ जोईन करना ही पड़ेगा और एसा नहीं करने पर उनकी नौकरी पर भी आँच आ सकती है।

यूक्रेन में फंसे छात्रों को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र पर बोला हमला

कहा- मोदी सरकार का मतलब सिर्फ पीआर है

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

राहुल गांधी ने कहा कि यूक्रेन में या चीन में फंसे भारतीय छात्रों की वापसी, बेरोजगारी, महंगाई और रुपये की गिरावट को लेकर केंद्र सरकार के पास कोई योजना नहीं है। इसके अलावा राहुल गांधी ने मोदी सरकार का मतलब सिर्फ पीआर बताया।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'रुपया अपने सबसे न्यूनतम स्तर पर है, रिकॉर्ड बेरोजगारी और महंगाई है, यूक्रेन में छात्र फंसे हुए हैं, चीन हमारे क्षेत्र पर कब्जा कर रहा है, इनको लेकर भारत सरकार के पास कोई योजना नहीं है।' वहीं, एक अन्य कांग्रेस नेता

शमा मोहम्मद ने एक ट्वीट में कहा रुपया जीवन भर के निचले स्तर पर आ गया, अमेरिकी डालर की तुलना में 76.96 रुपए तक गिर गया, यह अब तक का सबसे गिरा हुआ स्तर है।

जब यूपीए सत्ता में थी, तब पीएम मोदी चिंतित थे कि रुपया आईसीयू में है। अब उनकी चिंता कहां है जब रुपया वेंटिलेटर पर है और ऑक्सीजन के लिए हांफ रहा है! एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्टूबर से अब तक भारत से 2 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं।

आरएसएस पर टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को पेशी से छूट

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में सोमवार को सुनवाई के दौरान पेशी से छूट दे दी। अदालत ने गांधी को यह छूट तब प्रदान की जब उनके वकील ने बताया कि उनके मुवक्किल उत्तर प्रदेश, गोवा और पंजाब के विधानसभा चुनाव संबंधी कार्य में व्यस्त हैं। अदालत को शिकायतकर्ता राजेश कुंटे द्वारा दायर किए गए मानहानि मामले में सोमवार को साक्ष्य दर्ज करने थे। मामला आरएसएस के खिलाफ गांधी के कथित मानहानिकारक बयानों से संबंधित है। गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कांग्रेस नेता के लिए पेशी से छूट मांगी। अय्यर ने कहा कि न्यायाधीश जेवी पालीवाल की अदालत ने गांधी को पेशी से छूट देते हुए सुनवाई की अगली तारीख 22 मार्च तय की है।

चौधरी के नेतृत्व में पशुपालकों ने गहलोत से मिलकर जताया आभार

अजमेर। राजस्थान में अजमेर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी के नेतृत्व में आज अजमेर सहित प्रदेश के पशुपालकों, दुग्ध उत्पादको एवं किसानों ने आज मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भेंटकर बजट घोषणाओं तथा दूध पर पांच रुपये अनुदान राशि दिए जाने की घोषणा के लिए उनका आभार जताया। अजमेर डेयरी सदर रामचंद्र चौधरी के नेतृत्व में करीब पांच हजार दूधियों की उपस्थिति देखकर मुख्यमंत्री श्री गहलोत भी गदगद हो गए और अपने उद्बोधन में ..जय हो रामचंद्र चौधरी की..कहकर उद्बोधन शुरू किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पशुपालकों के विकास और सहयोग में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी और आगे भी उनके लिए हितकारी निर्णय लिए जाएंगे। श्री गहलोत ने कहा डेयरी उद्योग को मजबूत करना सरकार का दायित्व है क्योंकि पशुपालक एवं दूध उत्पादक प्रदेश का वास्तविक प्रजापालक है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अनुदान राशि पांच रुपये किए जाने के बाद प्रदेश की डेयरियों में दूध की आवक बढ़ेगी। मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं में किसानों, पशुपालकों, दुग्ध उत्पादको को उम्मीद से ज्यादा दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को एक अप्रैल को अजमेर भी आमंत्रित किया जहां विशाल दुग्ध सम्मेलन प्रस्तावित है जिसमें प्रदेशभर के एक लाख पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों को जोड़ा जाएगा। उल्लेखनीय है कि एक अप्रैल से नये वित्तीय वर्ष के साथ साथ नया सहकार वर्ष भी शुरू होगा और इसी दिन से मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरुप मुख्यमंत्री दुग्ध संबल योजना के अधीन अनुदान राशि दो रुपये से बढ़ाकर पांच रुपये करनी शुरू हो जाएगी।

नैनीताल गये टैक्सी मालिक का शव खटीमा में बरामद, हत्या की आशंका

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जनपद के खटीमा में एक टैक्सी मालिक की संदिग्ध हत्या की खबर सामने आ रही है।

खटीमा पुलिस को सोमवार सुबह चकरपुर शिव मंदिर से सटे जंगल में एक शव बरामद हुआ। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। खटीमा के पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेन्द्र सिंह भंडारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पास ही सड़क पर एक इनोवा कार खड़ी थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो शव की पहचान अल्मोड़ा के देवेन्द्र सिंह बिष्ट निवासी ग्राम काचूला, धौलछीना के रूप में हुई।

आखिरकार पुलिस मृतक के भाई नंदन सिंह बिष्ट तक पहुंच गयी। मृतक के भाई ने पुलिस को बताया कि 05 मार्च को देवन्द्र कार को लेकर अल्मोड़ा से नैनीताल बुकिंग में गया था। तब से वह घर नहीं लौटा है। वह कार का मालिक है और कार खुद चलाता था।

पुलिस ने आशंका व्यक्त है कि टैक्सी मालिक की हत्या की गयी है। मृतक के सिर पर तेज धार हथियार के निशान देखे गए हैं।

तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बारिश

चेन्नई। तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल तथा रायलसीमा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश हुई है जबकि माहे, लक्षद्वीप कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के तटीय इलाके, यनम तथा तेलंगाना में मौसम शुष्क रहा।

तमिलनाडु के मयिलादुथुराई जिले के मयिलादुथुराई तथा सिरकाली में पांच सेंटीमीटर, मनालमेडु में एक सेंटीमीटर तथा तंजावुर जिले के मदुक्कुर में चार, आदिरामपट्टनम, नीवासल थेनपथी में तीन, मंजलारू में दो तथा पट्टुकोट्टई में एक सेंटीमीटर बारिश हुई है। कुड्डालोर के चिदंबरम जिले में चार सेंटीमीटर, अन्नामलाई नगर में तीन जबकि भुवनगिरी ,परंगीपेट्टई, कुड्डालोर में दो, कट्टुमन्नार कोइल, पनरुती तथा कुरिंजीपडी में एक एक सेंटीमीटर बारिश हुई है।

तिरुवरूर जिले के मन्नारगुडी, थिरुथुराईपोंडी में तीन-तीन सेंटीमीटर, नीदमंगलम , तिरुवरुर में दो सेंटीमीटर, नन्निलम, वलंगाइमन में एक-एक सेंटीमीटर बारिश हुई है।

कराईकल जिले में तीन सेंटीमीटर बारिश हुई है। नागपट्टिनम जिले के वेलंकन्नई में तीन, नागपट्टिनम में दो, तिरुपूंडी में एक सेंटीमीटर बारिश हुई है। तंजावुर जिले के थिरुविदैमरुथुर, ओर्थनाड में दो सेंटीमीटर बारिश हुई है।

चेंगलपट्टू जिले के थिरुकलुक अंडरम तथा महाबलिपुरम में ए- एक सेंटीमीटर बारिश हुई है। पुडुचेरी, कन्याकुमारी जिले के पेरुंचनी डैम, मराक्कनम में एक एक सेंटीमीटर बारिश हुई है।

केरल के अलाप्पुझा जिले के चेरथला में तीन सेंटीमीटर बारिश हुई जबिक तिरुवनंतपुरम जिले के तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डा और पेरिंगमाला एआरजी में एक-एक सेंटीमीटर बारिश हुई है। रायलसीमा में बारिश नहीं हुई है।

अगले 24 घंटे में आसमान में बादल छाये रहने का अनुमान है तथा कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान न्यूनतम तथा अधिकतम तापमान क्रमशः 25 डिग्री सेल्सियस तथा 32 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। अगले 48 घंटे में भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं। इस दौरान न्यूनतम तथा अधिकतम तापमान क्रमशः 24 डिग्री सेल्सियस तथा 32 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

कुमारस्वामी ने की यूक्रेन से लौटने वालों को मुफ्त शिक्षा देने की वकालत

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार को युद्धग्रस्त यूक्रेन से लौटने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा जारी रखने के लिए उचित प्रबंध करना चाहिए और कुछ विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क शिक्षा की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

कुमारस्वामी ने कहा कि यह अच्छी पहल है कि केंद्र सरकार ने ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से विद्यार्थियों को सुरक्षित निकाला है लेकिन उनका भविष्य अधर में है, वे यूक्रेन वापस नहीं जा सकते हैं क्योंकि रूसी सेना ने उनके शिक्षण संस्थानों को नष्ट कर दिया है।

अब यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह विद्यार्थियों की शिक्षा को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए उचित प्रबंध करे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, कर्नाटक में 50 से 60 मेडिकल कॉलेज हैं। यदि जरुरत पड़े यूक्रेन से वापस लौटे विद्यार्थियों का प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला दिया जाए और सभी विद्यालय 10 विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन लौटने वालों पर 50 से 100 करोड़ रुपये खर्च करना कर्नाटक सरकार के लिए मुश्किल काम नहीं होगा क्योंकि राज्य का कुल बजट 2,65,720 करोड़ रुपये है।

श्री कुमारस्वामी ने बताया कि अगर ये विद्यार्थी डॉक्टर बन जाते हैं तो कई लोगों की जान बचा सकते हैं और यहां रहकर देश की सेवा कर सकते हैं। विद्यार्थियों के सपनों के साथ व्यावसायीकरण नहीं करना चाहिए। यूक्रेन से करीब 20,000 से अधिक विद्यार्थियों ने घर वापसी की है, जिसमें से कर्नाटक के आठ सौ से एक हजार विद्यार्थी शामिल हैं। लेकिन अभी भी कई विद्यार्थी वापस लौटने की बाट जोह रहे हैं।

कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने बताया कि यूक्रेन में कर्नाटक के अभी भी 236 विद्यार्थी फंसे हैं। वहां से विद्यार्थियों को निकालने के लिए सोमवार को 12 उड़ानें निर्धारित की गई है। केएसडीएमए आयुक्त और नोडल कार्यालय मनोज रंजन ने कहा कि अब तक 448 कर्नाटक छात्रों को दिल्ली और मुंबई के रास्ते कर्नाटक लाया गया है।

हाईकोर्ट ने भड़काऊ भाषण को लेकर जारी वीडियो के मामले में 24 घंटे में मांगा जवाब

नैनीताल। भड़काऊ भाषण (हेट स्पीच) मामले में जेल में बंद जितेन्द्र नारायण त्यागी उर्फ वसीम रिजवी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने सोमवार को भी उन्हें जमानत प्रदान नहीं की। अदालत ने सरकार से धर्म विशेष के खिलाफ भड़काऊ भाषण को लेकर जारी वीडियो के संदर्भ में 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है।

आरोपी जितेन्द्र नारायण त्यागी उर्फ वसीम रिजवी को 17 से 19 दिसंबर को हरिद्वार में आयोजित धर्म संसद में एक धर्म विशेष के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वह 13 जनवरी से जेल में बंद हैं। न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी की पीठ में इस मामले में सुनवाई हुई। आरोपी की ओर से अदालत को बताया

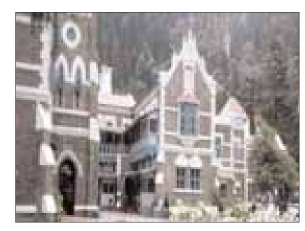

गया कि उनके खिलाफ षड्यंत्र के तहत अभियोग पंजीकृत किये गये हैं। उन्होंने छह दिसंबर को धर्म परिवर्तन किया और हिन्दू धर्म अपना लिया। इसके बाद वह कुछ लोगों के निशाने पर हैं और उनके खिलाफ हरिद्वार में नवम्बर से जनवरी के मध्य तीन अभियोग पंजीकृत किये गये हैं।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि उन्होंने एक किताब लिखी है और 12 नवम्बर को उप्र और दिसंबर में हरिद्वार में उसका विमोचन किया गया। इसी के बाद उनके खिलाफ अभियोग दर्ज हुए। आरोपी की ओर से आगे कहा गया कि उनके खिलाफ जो आरोप लगाये गये हैं, वह गलत हैं। उनके अभिभाषण के बाद देश में कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।

सुनवाई के दौरान अदालत के संज्ञान में आया कि धर्म संसद के बाद एक धर्म विशेष को लेकर उन्होंने सोशल मीडिया में एक वीडियो जारी किया। इसी पर दो जनवरी को आरोपी के खिलाफ तीसरा अभियोग पंजीकृत किया गया। इसके बाद अदालत ने सरकार से इस मामले में जवाब मांगा लेकिन सरकार के पास कोई जवाब नहीं था। अदालत ने सरकार को निर्देश दिये कि प्राथमिकी दर्ज वीडियो के संदर्भ में 24 घंटे के अंदर जवाब पेश करे।

नव भारत के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि भारत को एक सम्पन्न परम्परा और सांस्कृतिक मूल्यों से समृद्ध देश बताते हुये कहा है कि इसके निर्माण और विकास में महिलाओं का प्रमुख स्थान रहा है।

दत्तात्रेय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा कि ग्रामीण परिदृश्य में महिलाओं की बड़ी आबादी है। दुर्भाग्यवंश विदेशी शासनकाल में समाज में अनेक कुरीतियां और विकृतियां पैदा हुई जिससे महिलाओं को उत्पीड़न हुआ। आजादी के बाद महिलाओं का समाज में सम्मान बढ़ा, लेकिन उनके सशक्तिकरण की गति दशकों तक धीमी रही। गरीबी और निरक्षरता महिलाओं की प्रगति में गम्भीर बाधा रही हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल के माध्यम से महिलाओं को व्यवसाय की ओर प्रोत्साहित कर इन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया जा सकता है। विशेषकर कृषि प्रसंस्करण उद्योगों, बैंकिंग सेवाओं और डिजिटलीकरण

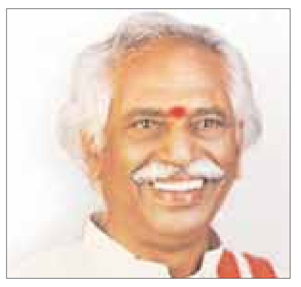

की मदद से महिलाओं के सामाजिक और वित्तीय सशक्तीकरण की शुरुआत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिलाएं ऊर्जा से लबरेज, दूरदर्शिता, जीवन्त उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। देश के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में 'हमारे लिए महिलाएं न केवल घर की रोशनी हैं, बल्कि इस रौशनी की लौ भी हैं। अनादिकाल से ही महिलाएं मानवता की प्रेरणा का स्रोत रही हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बड़े उदाहरण स्थापित किए हैं।

वर्ष 2030 तक पृथ्वी को मानवता के लिए स्वर्ग समान जगह बनाने के लिए भारत सतत विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ चला है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण करना सतत विकास लक्ष्यों में एक प्रमुखता है। वर्तमान में प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, समावेशी आर्थिक और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। महिलाओं में जन्मजात नेतृत्व गुण समाज के लिए संपत्ति हैं। प्रसिद्ध अमेरिकी धार्मिक नेता ब्रिघम यंग ने ठीक ही कहा है जब आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं, तो आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं। जब आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं। इसलिए, यह इस वर्ष के 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम' एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता'' है। भारतीय इतिहास महिलाओं की उपलब्धि से भरा पड़ा है। आनंदीबाई गोपालराव जोशी (1865-1887) पहली भारतीय महिला चिकित्सक थीं और संयुक्त राज्य अमेरिका में पश्चिमी चिकित्सा में दो साल की डिग्री के साथ स्नातक होने वाली पहली महिला चिकित्सक रही है। सरोजिनी नायडू ने साहित्य जगत में अपनी छाप छोड़ी। हरियाणा की संतोष यादव ने दो बार माउंट एवरेस्ट फतेह किया। बॉक्सर एमसी मैरी कॉम एक जाना-पहचाना नाम है। हाल के वर्षों में कई महिलाओं को भारत में शीर्ष पदों पर और बड़े संस्थानों का प्रबंधन करते हुए भी देखा है। इनमें भारतीय स्टेट बैंक की पहली महिला अध्यक्ष अरुंधति भट्टाचार्य, तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध एवं प्रबंध निदेशक अलका मित्तल, भारतीय इस्पात प्राधिकरण की अध्यक्ष सोमा मंडल तथा अन्य अनेक नामचीन महिलाएं हैं जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

झारखंड राज्य में विस्थापन बड़ी समस्या है : हेमंत सोरेन

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन आज मुख्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान पक्ष-विपक्ष की ओर से कई प्रश्न पूछे गये।

आजसू पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो द्वारा पूछे गये एक नीतिगत प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में विस्थापन बड़ी समस्या है। विस्थापितों की समस्याओं के समाधान को लेकर विस्थापन पुनर्वास आयोग का विषय विचाराधीन है। जिस पर सरकार जल्द निर्णय लेगी । मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में खनन कार्य 50 से 100 वर्षों से चल रहा है। सरकार से भी जमीन ली गयी, लेकिन इसका मुआवजा अब तक नहीं मिलेगा, राज्य सरकार विस्थापितों की समस्याओं के समाधान को लेकर जल्द ही विस्थापन आयोग के गठन पर निर्णय लेगी।

भाजपा के शशिभूषण मेहता के एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि झारखंड राज्य कर्मचारी आयोग द्वारा तृतीय और चतुर्थ वर्ग के पदों के लिए ली जानी प्रतियोगिता परीक्षा के लिए हिन्दी और अंग्रेजी को नहीं हटाया गया है। उन्होंने बताया कि जेएसएससी में हिन्दी पहले से ही है। जेएसएससी की मैट्रिक एवं इंटर स्तर पर होने वाली परीक्षाओं में हिन्दी और अंग्रेजी विषय 120 अंकों का पहले से ही निर्धारित है और इसमें उत्तीर्णता का अंक 30 प्रतिशत है, इसलिए इसे दोबारा जोड़ने की जरूरत नहीं हैं। पूर्व में मुख्य परीक्षा में भी हिन्दी की अनिर्वायता की वजह से जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा के लोग छूट जाते थे। इसलिए मुख्य परीक्षा में भी इसे शामिल करने की जरूरत नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अलग-अलग जिलों में जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए भाषा का निर्धारित किया है।

आजसू पार्टी के एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत किन लोगों ने किया है। पूर्ववर्ती सरकार में सदन के नेता ने भी कहा है कि पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जा सकता। जहां तक तमिलनाडु और महाराष्ट्र में आरक्षण का मामला है, तो सरकार का भी प्रयास है कि राज्य में आरक्षण का प्रतिशत बढ़े और सभी को अधिकार मिले।

उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि अन्य राज्यों में आरक्षण नीति का अध्ययन कर सरकार राज्य की परिस्थिति के अनुरूप जल्द फैसला लेगी।

भाजपा के अनंत कुमार ओझा के एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बताया कि राज्य सरकार अनुबंधित कर्मियों के लिए सेवा शर्त्त नियमावली बनायी जा रही हैं। वहीं विभिन्न विभागों में कार्यरत अनुबंधित एवं संविदा कर्मियों की समस्या समाधान के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में समिति बनायी गयी हैं।

अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान राज्य सरकार के लिए सर्वोपरि : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि यह आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का स्वर्णिम काल है। हम प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ परिवार की भावना और टीम स्पिरिट से कार्य करते हुए प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्री चौहान निवास स्थित सभागार में अधिकारी-कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों के सहयोग से ही स्वास्थ्य और शिक्षा सहित प्रदेश की प्रगति तथा बेहतरी के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश कई योजनाओं में देश में प्रथम है। आप सबके सहयोग से हम अन्य क्षेत्रों में भी उपलब्धियाँ अर्जित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा 11 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने पर मुख्यमंत्री श्री चौहान का आभार व्यक्त करने प्रदेश के विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी संगठनों तथा निगम, मंडल आदि के 57 कर्मचारी संघों के पदाधिकारी मुख्यमंत्री निवास पर एकत्र हुए थे।

श्री चौहान ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों की सभी समस्याओं का समाधान व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए संवदेनशीलता, प्रेम भाव तथा वार्तालाप से किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के कठिन समय में वित्तीय चुनौतियाँ थी। साथ ही कोरोना संक्रमण के भय के बीच कार्य करना भी एक बड़ी चुनौती थी। स्वास्थ्य सेवाएँ हो या कानून-व्यवस्था की स्थिति या फिर गेहूँ खरीदी की व्यवस्था, सभी मोर्चे पर अधिकारी-कर्मचारियों ने अपना दायित्व निभाया और पूर्ण समर्पण और संदेनशीलता के साथ कार्य किया। कई अधिकारी-कर्मचारियों ने कोरोना से लड़ते-लड़ते अपनी जान तक दे दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की जनता की ओर से मैं उन्हें प्रणाम करता हूँ। राज्य सरकार द्वारा कोविड योद्धा योजना में ऐसे परिवारों को सहायता उपलब्ध कराई गई है।

शार्ट न्यूज

परिवार पर भौंकता था गली का कुत्ता, दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल ने पीट-पीटकर मारा

नोएडा। नोएडा में छलेरा गांव में गली के एक कुत्ते को बेसबॉल के बल्ले से पीट-पीटकर मार डालना दिल्ली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल को महंगा पड़ गया। पुलिस ने आरोपी कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नोएडा में एक आवारा कुत्ते को बेसबॉल के बल्ले से पीटकर हत्या करने के आरोप में दिल्ली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कॉन्स्टेबल विनोद कुमार की उम्र लगभग 35 वर्ष है, जो उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले का रहने वाला है। वह फिलहाल नोएडा के सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के सेक्टर-44 के छलेरा गांव में रहता है और घटना रविवार रात की है। अधिकारियों के अनुसार, कॉन्स्टेबल और उसका परिवार, जिसमें उसका छोटा बेटा भी शामिल था, उस कुत्ते से डरते थे क्योंकि हर बार जब वे पड़ोस से गुजरते थे तो कुत्ता उन पर भौंकता था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि घटना के बाद दिल्ली पुलिस के सिपाही और स्थानीय लोगों के बीच कहासुनी हो गई थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई और सिपाही को हिरासत में ले लिया गया। आईपीसी की धारा 429 के तहत एफआईआर दर्ज की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद कॉन्स्टेबल विनोद कुमार और कुछ स्थानीय लोगों के बीच कहासुनी के कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए, जिसमें कॉन्स्टेबल को यह कहते हुए सुना गया कि कुत्ते ने उसके बेटे को रात में डरा दिया था, जिसके बाद उसने उसे मार डाला।

दिल्ली सरकार की हैप्पीनेस क्लासेस, देशभक्ति और एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम का दृष्टिकोण काफी बेहतरीन

नई दिल्ली। एस आर कैपिटल ग्रुप ऑफ स्कूल्स की प्रमुख एस के यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार की हैप्पीनेस क्लासेस, देशभक्ति और एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम का दृष्टिकोण काफी बेहतरीन है। इससे स्टूडेंट्स को तो आगे बढ़ने में मदद मिलेगी ही, साथ ही शिक्षकों का स्तर भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि नए सेशन में वे अपने सभी स्कूलों में यह करिकुलम लागू करना पसंद करेंगी। वहीं, लिटिल फ्लॉवर ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रमुख रोहित दुआ ने सरकार के नए करिकुलम को प्राइवेट स्कूलों में लागू किये जाने के कदम को एक सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे प्राइवेट स्कूलों के बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा। बच्चे जीवन में खुश रहना तो सीखेंगे ही, साथ ही उनमें देशभक्ति की भावना भी प्रबल होगी। उन्होंने कहा कि वे नए सेशन से अपने सभी स्कूलों में ये करिकुलम लागू करेंगे।

सूरजपुर पुलिस ने सट्टा खेल रहे 16 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना सुरजपुर पुलिस ने सोमवार को सट्टा खेल रहे 16 अभियुक्तों श्रीकान्त पुत्र पृथ्वी निवासी ग्राम बीला गदाजन पट्टी थाना मधुबन जिला मउ वर्तमान पता मौहल्ला अम्बेडकर नगर कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, राजकपूर पुत्र पप्पू निवासी अनूपशहर थाना अनूपशहर जिला बुलन्दशहर वर्तमान पता वाल्मिकी मोहल्ला के पास बनी झुग्गी झोपडी कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, रोहित पुत्र विशम्भर निवासी ग्राम गोविन्दपुर थाना डिबाई जिला बुलन्दशहर वर्तमान पता महेन्द्र का मकान चम्पत कॉलोनी कस्बा सूरजपुर थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर,छोटे चौटाले पुत्र रवि निवासी ग्राम लुहारली थाना दादरी गौतमबुद्धनगर वर्तमान पता चम्पत कॉलोनी झुग्गी झौपडी, कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर,अजय कुमार पुत्र विनोद निवासी धनवास, थाना जारचा गौतमबुद्धनगर वर्तमान पता विनोद का मकान मोहन मन्दिर वाली गली वाल्मिकी कॉलोनी कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, अशोक कुमार पुत्र रामभूल सिंह निवासी ग्राम बरका थाना खैर जिला अलीगढ़ वर्तमान पता अशोक का मकान वाल्मिकी कॉलोनी कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, कालू पुत्र रवि निवासी ग्राम लुहारली थाना दादरी गौतमबुद्धनगर वर्तमान पता चम्पत कॉलोनी झुग्गी झौपडी कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, रविन्द्र पुत्र तोताराम निवासी बाल्मिकी कॉलोनी कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, जगपाल सिंह पुत्र रमेश निवासी छोटा अम्बेडकर भवन मौहल्ला वाल्मिकी कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, राजू पुत्र चोचन्दी निवासी मौहल्ला नवल कॉलोनी कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, छत्रपाल पुत्र डोरी लाल निवासी नंगला शेखू थाना धरपा जिला बुलन्दशहर,नानक पुत्र मुनीराम निवासी मौहल्ला हरिजन कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर,अकिंत पुत्र शिव कुमार निवासी मौहल्ला अम्बेडकर नगर कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, विनोद पुत्र जोधीलाल निवासी बिल्सी थाना बिल्सी जिला बदायूं वर्तमान पता मोहन मन्दिर के पास कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर,भगवान दास पुत्र मान सिंह निवासी ग्राम नंगला सुखराम थाना सहपुर जिला हाथरस वर्तमान पता झुग्गी झौपडी कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर दिनेश पुत्र यादराम निवासी मौहल्ला अम्बेडकरनगर कस्बा सूरजपुर गौतमबुद्धनगर को बाल्मिकी मौहल्ला कस्बा सूरजपुर से गिरफ्तार कर लिया। जबकि अभियुक्तों का एक अन्य साथी रवि जाटव मौके से फरार हो गया जिसकी गिरफ्तार के प्रयास जारी है।

आरटीई के तहत दाखिले में 2000 आवेदन आए

नोएडा। शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के दाखिले को लेकर पहले चरण की प्रक्रिया चल रही हैं। पहले चरण के तहत बेसिक शिक्षा विभाग के पास ऑनलाइन दो हजार आवेदन आए हैं। आवेदन के सत्यापन को लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने ब्लॉक लेवल पर टीम बनाकर कागजों की जांच के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सक्सेना ने बताया कि आरटीई के तहत गरीब बच्चों के दाखिले को लेकर पहले चरण में दो मार्च से शुरू हुआ था। इसको ध्यान में रखते हुए सात मार्च तक करीब दो हजार आवेदन आए हुए हैं। आरटीई के तहत कागजों के सत्यापन को लेकर विभाग की तरफ से ब्लॉक स्तर पर एक कमेटी का गठन किया जाना है। इसके माध्यम से आरटीई के तहत आने वाले आवेदनों की जांच की जाएगी, साथ ही पात्र बच्चों को लॉटरी के माध्यम से स्कूलों चयनित कर दाखिला की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा।

नोएडा में तीन अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत

नोएडा। नोएडा में दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र के रूपबास गांव तिराहे के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार धर्मेंद्र (25) तथा जितेंद्र (35) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि दोनों शराब के नशे में थे तथा मोटरसाइकिल पर गलत दिशा में जा रहे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि थाना बीटा-2 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में अनीश खान (42) की मौत हो गई जबकि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में हुए एक अन्य सड़क हादसे में एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

छेड़छाड़ करने वाले को तीन साल कैद

ग्रेटर नोएडा। जिला न्यायालय ने एक छात्रा से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर चार माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। पुलिस की गहन पैरवी के चलते आरोपी को सजा हो सकी है। अभियोजन अधिकारी जयप्रकाश भाटी ने बताया कि वर्ष 2015 में आरोपी चिंटू के खिलाफ सेक्टर 24 थाने में छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करवाया गया था। चिंटू उर्फ अमन वर्मा सेक्टर-12, नोएडा का रहने वाला है। आरोपी चिंटू अक्सर ट्यूशन पढ़ने के लिए जानी वाली दसवीं की छात्रा के साथ छेड़छाड़ करता था।

दिल्ली : बच्चों के लिए स्कूल हेल्थ क्लीनिक की शुरुआत

हर 6 महीने में होगा हेल्थ चेकअप

नई दिल्ली । दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को मोती बाग इलाके के एक सरकारी स्कूल में एक स्वास्थ्य सुविधा क्लीनिक का उद्घाटन किया जो विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह स्कूल हेल्थ क्लीनिक बच्चों के मानसिक कल्याण से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए परामर्श सेवाएं भी प्रदान करेगा। सिसोदिया ने मोती बाग के सर्वोदय कन्या विद्यालय में स्कूल हेल्थ क्लीनिक के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि मैंने कई देशों के स्कूलों को देखा है, यह अवधारणा कहीं नहीं है। विद्यार्थियों को नियमित स्वास्थ्य जांच प्रदान करने के अलावा, यह क्लीनिक बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए परामर्श सेवाएं भी प्रदान करेगा। प्रत्येक छह महीने में विद्यार्थियों का हेल्थ चेकअप किया जाएगा।

सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा, दिल्ली सरकार के एक स्कूल में सत्येंद्र जैन जी के साथ स्कूल हेल्थ क्लिनिक का उद्घाटन किया। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार ने पूरी दिल्ली के विभिन्न सरकारी स्कूलों में 20 ऐसे हेल्थ क्लीनिक स्थापित किए हैं, जहां छात्रों को मुफ्त में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ अब उनकी अच्छी सेहत का भी ख्याल रखा जाएगा। ये शानदार 'स्कूल हेल्थ क्लीनिक' भी अब हमारे सरकारी स्कूलों का हिस्सा होंगे। विद्यालयों में स्वास्थ्य क्लीनिक की स्थापना मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर शुरू की गई दिल्ली सरकार की एक नई परियोजना है। इन स्कूल हेल्थ क्लीनिक का उपयोग विशेष रूप से स्कूल के छात्रों द्वारा ही किया जाएगा। ये क्लीनिक स्कूल के घंटों के दौरान ही चालू रहेंगे।

प्रत्येक स्कूल स्वास्थ्य क्लिनिक में एक स्कूल स्वास्थ्य क्लीनिक सहायक या नर्स, एक मनोवैज्ञानिक और एक मल्टी-टास्क वर्कर होगा। प्रत्येक पांच क्लीनिक के लिए एक डॉक्टर उपलब्ध होगा, जो प्रत्येक सप्ताह में एक बार क्लीनिक का दौरा करेगा।

डेबिट कार्ड चालू करने का झांसा देकर महिला से ठगी

नोएडा। साइबर ठगों ने ब्लॉक डेबिट कार्ड चालू करने का झांसा देकर एक महिला के खाते से 24250 रुपये निकाल लिए। इस संबंध में महिला ने सेक्टर 39 थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर 37 निवासी शुला भाटिया ने बताया कि कुछ दिन पहले उनका डेबिट कार्ड लॉक हो गया था। इसे चालू कराने के लिए उन्होंने इंटरनेट से बैंक के कस्टमर केयर का नंबर लिया। उन्होंने संबंधित नंबर पर कॉल की तो एक युवक से बात हुई। आरोपी ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया। उसने कार्ड चालू करने के लिए महिला से मोबाइल पर एक एप डाउनलोड करने को कहा। महिला ने एप डाउनलोड कर ली।

दिल्ली: नवजीवन मॉडल स्कूल को एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2021 सम्मानित किया गया

नई दिल्ली। विष्णु गार्डन स्थित नवजीवन मॉडल स्कूल को 07 मार्च 2022 डिप्टी चीफ मिनिस्टर मनीष सिसोदिया जी द्वारा एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2021 से दिल्ली के त्याग राज स्टेडियम में सम्मानित किया गया स्कूल की तरफ से प्रधानाचार्य श्रीमती अंजना दीक्षित ने यह अवार्ड लिया। अंजना दीक्षित ने बताया कि यह अवार्ड सभी टीचर्स की मेहनत का फल है उन्होंने बताया कि एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड्स उन संस्थानों की सच्ची भावना को सलाम करता है जिन्होंने लाखों छात्रों के जीवन को बदलकर और उन्हें सफलता की ओर ले जाकर अपनी पहचान बनाई है।

विद्यालय के प्रबंधक संदीप दीक्षित ने कहा कि यह पुरस्कार एक मजबूत और खुली शिक्षा प्रणाली के साथ एक राष्ट्र के निर्माण की दिशा में इन संस्थानों की सकारात्मक पहल और योगदान का प्रमाण पत्र है जहां ज्ञान सभी के लिए सुलभ है। भारत के शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार का शीर्षक उन कॉलेजों/संस्थानों की विश्वसनीयता को परिभाषित करता है जो वास्तव में अपने छात्रों के करियर को इस विश्वास के साथ आकार देने की दिशा में प्रयास करते हैं कि वे ज्ञान की शक्ति के माध्यम से देश को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाएंगे।

गुरुग्राम में दो मुस्लिम युवकों की पिटाई, मजहब के नाम पर की गई बदसलूकी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में दो लोगों द्वारा दो मुस्लिम युवकों की कथित तौर पर पिटाई करने और धार्मिक अपशब्द कहने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करते हुए घटना की जांच शुरू कर दी है।

गुरुग्राम पुलिस ने सोमवार को बताया कि दो मुस्लिम लोगों की कथित तौर पर पिटाई की गई और दो लोगों ने उन पर धार्मिक अपशब्द कहे गए। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों की पहचान बिहार के मूल निवासी अब्दुर रहमान और उसके दोस्त मोहम्मद आजम के रूप में हुई है। आरोप है कि हमलावरों ने दो मुस्लिम लोगों को सूअर खिलाने की बात की और उनमें से एक को सफेद पाउडर खाने के लिए मजबूर किया।

यह कथित घटना सेक्टर-45 में रमादा होटल के पास हुई, जहां वे मदरसे के लिए कुछ चंदा लेने के बाद अपनी मोटरसाइकिल पर चक्करपुर जाते समय कुछ देर रुके थे।

सहायक पुलिस आयुक्त (सदर) अमन यादव ने कहा कि घटना के बाद सेक्टर-40 पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस ने एक आरोपी की पहचान अमित के रूप में की है। एसीपी यादव ने कहा कि पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

उन्होंने कहा कि पीड़ितों ने आरोप लगाया कि जैसे ही वे होटल के पास रुके एक व्यक्ति अपनी कार में वहां आया और उनसे पूछा कि वे वहां क्या कर रहे हैं। यादव ने कहा कि जैसा कि उन्होंने उसे बताया कि वे अपने घर वापस जाते समय रुके थे, उसने किसी अन्य व्यक्ति को वहां बुलाया और दोनों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट करना शुरू कर दिया। हमलावरों में से एक ने अपनी कार से कुछ सफेद पाउडर निकाला और मोहम्मद आजम के मुंह में डाल दिया। एसीपी ने कहा, वे उनके मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल छीनकर घटनास्थल से भाग गए। हालांकि, बाद में मोटरसाइकिल पास के एक स्थान पर खड़ी मिली।

पीड़ितों की शिकायत पर सेक्टर-40 पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (चोट पहुंचाना), 379 बी (डकैती), 295 ए (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का दुर्भावनापूर्ण इरादा), 34 (सामान्य इरादा) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। एसीपी यादव ने कहा कि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही दोषियों को पकड़ने की उम्मीद है।

साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने व साइबर अपराधों की विवेचना करने के लिए किया गया साइबर प्रशिक्षण का आयोजन

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के पुलिस अधिकारियों को साइबर विशेषज्ञ रक्षित टंडन द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

नोयडा। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में साइबर अपराधों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व सम्बन्धित अपराधों की शिकायतों को लेकर थाने पर आने वाले शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के अविलम्ब निस्तारण के उद्देश्य से कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में सोमवार को पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर आलोक सिंह की अध्यक्षता में पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर-108 नोएडा के सभागार में साइबर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस को साइबर अपराधों से निपटने के दृष्टिगत अधिक सक्षम व दक्ष बनाने, साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्ति को त्वरित सहायता प्रदान करने व साइबर अपराधों की गुणवत्तापूर्ण विवेचना करने के बारे में जानकारी देना था। साइबर विशेषज्ञ रक्षित टंडन द्वारा पुलिसकर्मियों को अलग-अलग किस्म के साइबर अपराधों के बारे में जानकारी देते हुए उनसे निपटने के लिए सहायक टूल्स के बारे में भी जानकारी दी गई ।प्रशिक्षण के दौरान ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर लव कुमार, अपर पुलिस आयुक्त भारती सिंह, तीनों जोन के डीसीपी, डीसीपी क्राइम,तीनों जोन की आईटी सेल, क्राइम ब्रांच व साइबर सेल के पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

दो किशोरियों सहित पांच लोगों ने फंदा लगाकर जान दी

नोएडा। नोएडा में दो किशोरियों सहित चार लोगों ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बरौला गांव में 14 साल की एक किशोरी ने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। उसकी पहचान वंशिका कुमारी के रूप में हुई है। इसी तरह सेक्टर-50 की जेजे कॉलोनी में भी 17 वर्ष की एक किशोरी संध्या कुमारी ने मानसिक तनाव में चलते फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सेक्टर 49 थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को दोनों के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं, छिजारसी गांव में 25 वर्षीय युवक राहुल ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसी तरह थाना सेक्टर- 63 क्षेत्र में रहने वाले 28 वर्षीय राजेंद्र शर्मा ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना फेस-2 क्षेत्र में रहने वाले 35 वर्षीय मोहित राम ने भी पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है, ताकि आत्महत्या के सही कारणों का पता चल सके। दूसरी तरफ थाना फेस-2 क्षेत्र के नया गांव में रहने वाले सोनू सिंह नाम के व्यक्ति की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई।

गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा एवं महिला एवं बाल अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की जा रही है गहन कार्यवाही

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में गौतमबुद्धनगर पुलिस एवं अभियोजन अधिकारी जयप्रकाश भाटी के द्वारा महिला एवं बाल सम्बन्धित अपराध में गहन पैरवी करने के फलस्वरुप अभियुक्त चिंटू उर्फ अमन वर्मा पुत्र सुनील वर्मा निवासी सेक्टर-12 नोएडा को न्यायालय एडीजे/स्पेशल पोक्सो-2 गौतमबुद्धनगर मनोज कुमार द्वारा 10 वर्ष के कारावास एवं 10,000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है अर्थदण्ड जमा न करने पर चार माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में अभियोजन अधिकारी जयप्रकाश भाटी की प्रभावी पैरवी के परिणाम स्वरूप मुकदमा अपराध संख्या 444/2015 धारा 323, 354ध, 506 भादवि व 11/12 पॉक्सो अधिनियम थाना सेक्टर-24 गौतमबुद्धनगर में सोमवार को माननीय न्यायालय एडीजे/ स्पेशल पोक्सो-2 द्वारा अभियुक्त चिंटू उर्फ अमन वर्मा पुत्र अनिल वर्मा निवासी सेक्टर-12 नोएडा को न्यायालय एडीजे/स्पेशल पोक्सो-2 मनोज कुमार द्वारा 10 वर्ष के कारावास एवं 10,000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया अर्थदण्ड जमा न करने पर चार माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

छात्राओं व महिला श्रमिकों को सेहत व स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

नई दिल्ली । भारत की चौथी सबसे बड़ी डायग्नोस्टिक्स लैब चेन न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स ने महिला दिवस से पहले सोमी नगर मॉडल स्कूल की 7वीं से 10वीं कक्षा की स्कूली छात्राओं और समाज के कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया। इसमें उन्हें मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं और स्वच्छता को लेकर जागरूक किया गया। इस दौरान महिलाओं और लड़कियों के नि:शुल्क फेरेटिंग परीक्षण किये गये और बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी नैपकिन प्रदान किए गए। एनजीओ थिंक बियॉन्ड के साथ मिलकर न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स ने सभी स्कूली छात्राओं को एक साल के लिए नि:शुल्क सैनिटरी नैपकिन प्रदान करने का भी वादा किया।

न्यूबर्ग और थिंक बियॉन्ड के डॉक्टरों के एक प्रशिक्षित समूह ने मासिक धर्म प्रबंधन और इससे संबंधित अस्वास्थ्यकर तरीकों के बारे में समझाया। लड़कियों को इस दौरान पेट दर्द एवं अन्य दिक्कतों से निपटने के बारे में भी बताया गया। संतुलित पोषण एवं डॉक्टर से मिलने के बारे में भी उन्हें जरूरी जानकारियां दी गईं। न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स के लैब सर्विसेज की प्रमुख डॉ अमृता सिंह ने कहा, किशोरावस्था में पीरियड्स की शुरुआत को लेकर लड़कियों में काफी भ्रम होता है।

इस पहल के माध्यम से हम लड़कियों को शुरुआती दिनों में किसी तनाव के बगैर इसे सामान्य तरीके से लेने और इसे अपने जीवन के एक सामान्य हिस्से के रूप में अपनाने के तरीकों के बारे में जानकारी देना और जागरूक करना चाहते थे। हमने उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे इसे सामाजिक वर्जना के रूप में न देखें।

हमें खुशी है कि वे बहुत उत्सुक थीं और टीम के साथ इस पर चर्चा करने के लिए तैयार थीं। हम पूरे साल उनके संपर्क में रहेंगे और उनकी चिंताओं का समाधान करेंगे।

जिला मजिस्ट्रेट ने निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवार एवं पार्टी के पदाधिकारियों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

आगामी 10 मार्च की सुबह 7:30 बजे स्ट्रांग रूम होंगे ओपन, 8:00 बजे से मतगणना का कार्य होगा प्रारंभ होगा : जिला मजिस्ट्रेट

ग्रेटर नोएडा। भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप आगामी 10 मार्च को विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 की मतगणना को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने में जिला प्रशासन प्रत्येक स्तर की तैयारी सुनिश्चित कर रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट सुहास एल वाई के द्वारा कलेक्ट्रेट के सभागार में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतगणना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की गई। इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट ने सभी उम्मीदवारों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतगणना कार्य के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं नियमों के संबंध में विस्तार परक रूप से जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि 10 मार्च को सुबह 7:30 बजे स्ट्रांग रूम ओपन किए जाएंगे। इस अवसर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि गण एवं चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार गण अपने एजेंट को नियुक्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित समय के तहत सुबह 8:00 बजे से मतगणना का कार्य आरंभ किया जाएगा। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि जनपद में मतगणना का कार्य स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा संपूर्ण तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई हैं। सुरक्षा की दृष्टि से मतगणना स्थल पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स की ड्यूटी लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर सक्षम अधिकारी के माध्यम से जारी किए गए पास के द्वारा ही सभी प्रवेश कर सकेंगे। यहां पर जिला मजिस्ट्रेट ने चुनाव लड़ने वाले समस्त उम्मीदवारों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए अवगत कराया कि मतगणना स्थल पर कोई भी उम्मीदवार एवं उनके एजेंट मोबाइल, केलकुलेटर, लैपटॉप एवं अन्य किसी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस साथ लेकर प्रवेश नहीं कर सकेंगे ।उन्होंने समस्त उम्मीदवार गण एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए कहा कि मतगणना के लिए राजनीतिक दलों के माध्यम से जो मतगणना एजेंट बनाए जा रहे हैं उनके संबंधित आर ओ के माध्यम से समय पर अपने प्रवेश पास प्राप्त कर लें ताकि सभी एजेंट निर्धारित समय से पूर्व मतगणना हॉल में प्रवेश सुनिश्चित कर सकें।

उन्होंने यहां पर यह भी जानकारी दी कि मतगणना के उपरांत कोई भी उम्मीदवार विजय जुलूस नहीं निकाल सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक राउंड पूर्ण होने पर आयोग के नियमों के अनुसार उसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा उम्मीदवार एवं मुख्य एजेंट के लिए कैलकुलेटर ले जाने की अनुमति चाही गई। इस पर जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि वह लिखित रूप में उन्हें उपलब्ध करा दें ताकि उनकी अनुमति पत्र को आयोग को भेजा जा सके ।डीएम ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में आयोग के जो निर्देश होंगे वहीं अंतिम होंगे। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व वंदिता श्रीवास्तव, पुलिस ऑफिसर विशाल पांडे, उपजिलाधिकारी सदर अंकित कुमार, उपजिलाधिकारी जेवर रजनीकांत, उपजिलाधिकारी दादरी आलोक कुमार गुप्ता अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण तथा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों ने महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया।

संपादकीय

अब यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों के भविष्य की चुनौती

इस बात पर संतोष व्यक्त किया जाना चाहिए कि यूक्रेन से भारत के 17 हजार छात्रों को सुरक्षित लाया जा चुका है। युद्धरत यूक्रेन में फंसे शेष भारतीयों को भी लाने के प्रयास जारी है। जैसे हालात दिख रहे हैं उनमें रुस-यूक्रेन युद्ध का हल अभी नहीं दिख रहा है। चारोंओर तबाही का मंजर देखा जा रहा है। हालांकि यूक्रेन द्वारा भी रुसी सेना को काफी नुकसान पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं पर इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती की नुकसान यूक्रेन का ही अधिक हो रहा है। यूक्रेन को जो बाहरी सहायता मिलनी थी वो किसी भी देश से अभी प्रत्यक्ष रुप से नहीं मिल रही हैं वहीं रुस पूरी तरह से आक्रामक मूड में लगता है। दरअसल पुतिन के हौसले इस समय बुलंद है। पुतिन की धमकियों के आगे नाटो को भी बैकफुट पर आना पड़ रहा है। कहा जाए तो अभी तक तो पुतिन का ही पलड़ा भारी है। यूक्रेन से जान बचाकर लौटे भारतीय छात्रों को अब अपनी मेडिकल शिक्षा पूरी करने की चिंता सताने लगी है तो सरकार भी सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर रही है। यूक्रेन पढ़ने गए छात्रों और उनके परिजनों का सपना बच्चों को डाक्टर बनाने का रहा है और उसे साकार करने की जिम्मेदारी भी सरकार पर आ गई है। सरकार ने यूक्रेन से लौटे छात्रों से इंटर्नशिप फीस नहीं लेने का निर्णय किया है। यह सरकार की सकारात्मक सोच का परिणाम माना जा सकता है। भारत से यूक्रेन, रुस व चाइना में अधिकांश छात्र मेडिकल की शिक्षा लेने जाते हैं। खासतौर से यूक्रेन को अधिक वरियता दी जाती है। इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि यूक्रेन में पढ़ाई करने वाले करीब 18 हजार छात्रों में से अधिकांश छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने वाले ही है। सरकार ने मिशन गंगा के तहत युद्ध के कारण बेहद बुरे हालातों में जिस तरह से भारतीय छात्रों व भारतवासियों को रेस्क्यू किया है और रेस्क्यू का काम जारी है। इसे हमारी कूटनीतिक जीत माना जा सकता है। पर अब छात्रों को भविष्य को लेकर भी चिंता होना स्वाभाविक है। केन्द्र सरकार जहां संभावित सभी विकल्पों पर विचार कर समाधान खोजने में लगी है वहीं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यूक्रेन से लौटे छात्रों के भविष्य को लेकर चिंतित होते हुए देश के मेडिकल कालेजों की सीटें बढ़ाने की सलाह दी है वह खास मायने रखती है। मुख्यमंत्री गहलोत ने एमसीआई के नियमों में बदलाव और सरकारी और निजी क्षेत्र में अधिक से अधिक मेडिकल कालेज खोलने का सुझाव दिया है। यूक्रेन की समस्या के बहाने देश में मेडिकल शिक्षा के हालातों पर नए सिरे से चिंतन करने की आवश्यकता हो गई है। देश में वर्तमान में एक हजार लोगों पर एक डॉक्टर है जबकि इसका वैश्विक औसत एक हजार पर चार डॉक्टर होना चाहिए। यानि कि मोटे मोटे रुप से देखा जाए तो देश में वैश्विक औसत की तुलना में एक चौथाई चिकित्सक ही है। इसका साफ साफ मतलब यह हो जाता है कि देश में मेडिकल कालेजों की संख्या और सीटे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद उपलब्ध डाक्टरों में से भी अधिकांश डाक्टर ग्रामीण क्षेत्र में जाने को तैयार नहीं होते। इससे ग्रामीण चिकित्सा व्यवस्था प्रभावित है। हालांकि पिछले कुछ सालों से योजनाबद्ध तरीके से सरकारी व गैरसरकारी क्षेत्र में मेडिकल कालेज खोले जा रहे हैं। हालांकि सरकार को लेकर अभी से चर्चा होने लगी है। जहां तक यूक्रेन में मेडिकल शिक्षा के लिए भारतीयों के जाने के प्रमुख कारकों में बिना किसी नीट जैसी प्रवेश परीक्षा के ही वहां आसानी से एडमिशन हो जाता है। इसलिए जो विद्यार्थी नीट जैसी प्रवेश परीक्षा में पास नहीं हो पाते हैं या झंझट में नहीं पड़ना चाहते वे आसानी से यूक्रेन में एडमिशन ले लेते हैं। जहां तक मेडिकल शिक्षा पर होने वाले फीस आदि के खर्च की बात है तो वह भी भारत से आधी से भी कम है। माना जाता है कि देश में जहां सालाना 10 से 12 लाख का खर्च आता है तो यूक्रेन में चार से पांच लाख में ही काम चल जाता है।

क्या है मिन्सक समझौता, जिसकी नरजअंदाजी ने रूस और यूक्रेन को युद्ध के कगार पर ला खड़ाकर दिया

अभिनय आकाश

मिन्सक समझौता एक बार नहीं बल्कि दो बार हुआ था। इसलिए इसे मिन्सक वन और मिन्स टू कहते हैं। पहला मिन्स्क समझौता सितंबर 2014 में हुआ था इस समझौते के तहत 12 प्वाइंट युद्ध विराम के प्रस्लाव पर हस्ताक्षर हुए थे। इस वक्त था क्रीमिया को रूस हथिया चुका था और 14 हजार लोग मारे जा चुके थे। इससे कोशिश ये थी की शांति हो। इसके बाद मिन्सक टू समझौता मार्च 2015 में साइन किया गया था।

रूस और यूक्रेन में बीते 12 दिनों से जंग छिड़ी है। दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग से ना सिर्फ वहां के नागरिकों को बल्कि संपूर्ण जगत के राजनेताओं को भी चिंता में डाल दिया है। जंग में रोज यूक्रेन के अलग-अलग शहरों पर मिसाइलों और बमों से हमले जारी हैं। इस दौरान कई लोगों की जान जा चुकी है जबकि लाखों की तादाद में लोग यूक्रेन से पलायन करने पर मजबूर हो गए हैं।

रूस यक्रेन के बीच जंग की चर्चा के साथ ही एक समझौता भी खूब सुर्खियों में है। जिसके बारे में कहा जाता है कि अगर दोनों देश इस समझौते पर अमल करके आगे बढ़ने की कोशिश करें तो शायद युद्ध की संभावनाओं पर विराम लगाया जा सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि क्या है मिन्सक समझौता और इसे ये नाम क्यों दिया गया। मिन्सक समझौता एक बार नहीं बल्कि दो बार हुआ था। इसलिए इसे मिन्सक वन और मिन्स टू कहते हैं। पहला मिन्स्क समझौता सितंबर 2014 में हुआ था इस समझौते के तहत 12 प्वाइंट युद्ध विराम के प्रस्लाव पर हस्ताक्षर हुए थे। इस वक्त था क्रीमिया को रूस हथिया चुका था और 14 हजार लोग मारे जा चुके थे। इससे कोशिश ये थी की शांति हो। इसके बाद मिन्सक टू समझौता मार्च 2015 में साइन किया गया था। लुहान्सक और दोनेत्स्क में युद्ध खत्म करने के लिए किया गया था। जानकार कहते हैं कि अगर यूक्रेन ने इसको लागू करने की कोशिश की तो देश में विद्रोह हो जाएगा। पूरे देश में रूसी भाषी लोग रहते हैं। वहां घरों में रूसी भाषा बोली जाती है। दोनों ही समझौते बेलारूस की राजधानी मिन्स्क में हुए थे इसीलिए इनका नाम ही 'मिन्स्क समझौता' रख दिया गया।

मिन्स्क-1 समझौता (सितंबर 2014)

युद्ध की समाप्ति की मांग करते हुए सितंबर 2014 में बेलारूस में पहले मिन्स्क समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। समझौते के हस्ताक्षरकर्ता रूस, यूक्रेन, यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) और डोनेट्स्क और लुहान्स्क के रूस समर्थक नेता थे। यूक्रेन और रूस समर्थित अलगाववादी साल 2014 में बेलारूस की राजधानी मिन्स्क में एक 12 बिंदु वाले संघर्ष विराम समझौते पर सहमत हुए थे। इसके प्रावधानों में युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, सशस्त्र संरचनाओं की वापसी शामिल थे। इसने डोनेट्स्क और लुहान्स्क के लिए एक आर्थिक पुनर्निर्माण कार्यक्रम के लिए भी निर्देश दिया। किन इस समझौते का दोनों ही पक्षों की ओर से जल्द ही उल्लंघन देखने को मिला था।

मिन्स्क-द्वितीय समझौता (फरवरी 2015)

प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर के बावजूद दोनों पक्षों के बीच लड़ाई जारी रही। फ्रांस, जर्मनी, यूक्रेन और रूस के नेता, जिन्हें सामूहिक रूप से नॉरमैंडी फोर कहा जाता है, फरवरी 2015 में एक नए युद्धविराम समझौते पर सहमत हुए। यह समझौता प्रारंभिक मिन्स्क समझौते के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए उपायों का एक 13-सूत्रीय पैकेज था।

आधी आबादी अधूरा प्रयास

प्रशान्त त्रिपाठी (अधिवक्ता दिल्ली एवं राष्ट्रीय उप-सचिव ह्यूमन राइट एससोसिएसन ऑफ इंडिया)

प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जाता है। सर्वप्रथम वर्ष 1909 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया था। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 1977 में इसे अधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के उद्देश्य से इस दिन को महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। 28 फरवरी, 1909 को संयुक्त राज्य अमेरिका में पहला राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने इस दिन को न्यूयॉर्क में वर्ष 1908 की कपड़ा श्रमिकों की हड़ताल के सम्मान में नामित किया, जहाँ महिलाओं ने कामकाजी परिस्थितियों के खिलाफ विरोध किया था।हालाँकि अमेरिका में इसके बीज बहुत पहले बोये जा चुके थे जब वर्ष 1848 में महिलाओं को गुलामी विरोधी सम्मेलन में बोलने से रोक दिया गया।पहली बार महिला दिवस वर्ष 1911 में ज़र्मनी के क्लारा ज़ेटकिन द्वारा मनाया गया था। प्रथम महिला दिवस की जड़ें मज़दूर आंदोलन से जुड़ी थीं।वर्ष 1913 में इसे 8 मार्च को स्थानांतरित कर दिया गया था, जो वर्तमान तक जारी है।संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार वर्ष 1975 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया था। दिसंबर 1977 में महासभा के सदस्य राष्ट्रों द्वारा अपनी ऐतिहासिक और राष्ट्रीय परंपराओं के अनुसार, वर्ष के किसी भी दिन मनाए जाने वाला महिला अधिकार और अंतर्राष्ट्रीय शांति हेतु संयुक्त राष्ट्र दिवस घोषित करने का प्रस्ताव अपनाया गया।

महिलाओं से संबंधित विषयों पर वैश्विक सम्मेलन

संयुक्त राष्ट्र द्वारा महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर 4 बार वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन किया गया है

मैक्सिको सिटी, 1975
कोपेनहेगन, 1980
नैरोबी, 1985
बीजिंग, 1995

बीजिंग में आयोजित चौथा महिला विश्व सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र के सबसे बड़े इवेंट्स में से एक था और लैंगिक समानता एवं महिलाओं के सशक्तीकरण के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम था।

बीजिंग सम्मलेन में प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन को अपनाया गया था।

यह महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभावों को समाप्त करने हेतु अभिसमय (Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women-CEDAW) और संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा आर्थिक एवं सामाजिक विकास संगठन (ECOSCO) द्वारा अपनाए गए प्रासंगिक प्रस्तावों को अनुमोदित करता है।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (United Nations Development Programme-UNDP) द्वारा विकासशील देशों में गरीब महिलाओं हेतु अस्थायी मूल आय का प्रस्ताव दिया गया है, ताकि इस उपाय के तहत कोरोनोवायरस महामारी के प्रभावों से निपटने में मदद की जा सके और हर दिन महिलाओं के समक्ष उत्पन्न आर्थिक दबाव को कम किया जा सके।

स्त्री शक्ति राष्ट्र शक्ति का अभिन्न अंग होती है जिसे सशक्त और शामिल किये बिना कोई भी राष्ट्र शक्तिशाली नहीं हो सकता।

महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देने के क्रम में वर्तमान भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं को पुरुषों के बराबर अवसर प्रदान करने का प्रयास किया है जो सुरक्षा के पाँच पहलुओं पर आधारित एक व्यापक मिशन है। ये पाँच पहलू है- माँ एवं शिशु की स्वास्थ्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, वित्तीय सुरक्षा, शैक्षणिक एवं वित्तीय कार्यक्रमों के माध्यम से भविष्य की सुरक्षा तथा महिलाओं की सलामती। इस प्रकार हम पाते हैं कि जब भी राष्ट्र को सशक्त करने की बात आती है तो महिला सशक्तीकरण के पहलू को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

किसी संस्कृति को अगर समझना है तो सबसे आसान तरीका है कि उस संस्कृति में नारी के हालात को समझने की कोशिश की जाए। किसी भी देश के विकास संबंधी सूचकांक को निर्धारित करने हेतु उद्योग, व्यापार, खाद्यान्न उपलब्धता, शिक्षा इत्यादि के स्तर के साथ ही इस देश की महिलाओं की स्थिति का भी अध्ययन किया जाता है। नारी की सुदृढ़ एवं सम्मानजनक स्थिति एक उन्नत, समृद्ध तथा मज़बूत समाज की द्योतक है।

वर्तमान में नारियाँ प्रत्येक क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर रही हैं। शिक्षा एवं आर्थिक स्वतंत्रता ने महिलाओं में नवीन चेतना भर दी है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका में वृद्धि हो रही है। आज महिलाएँ राजनीति, बिज़नेस, कला तथा खेल सहित रक्षा क्षेत्र में भी नए आयाम गढ रही हैं। सेना जैसे संवेदनशील क्षेत्र में भी महिलाएँ अपनी भूमिका का पुरुषों के साथ कदम मिलाकर निवर्हन कर रही हैं। हाल ही में अवनी चतुर्वेदी सहित तीन लड़कियों को वायुसेना में फाइटर प्लेन उड़ाने की अनुमति प्रदान की गई है।

यह उनकी कार्यक्षमता का द्योतक है, क्योंकि प्राय कमज़ोर समझी जाने वाली महिलाएँ आज कठिन माने जाने वाले क्षेत्रों में भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। गांधी जी ने कहा था कि "महिलाएँ पुरुषों से बेहतर सैनिक साबित हो सकती हैं। बस उनको मौका देने की ज़रूरत है।" कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स, टेंसी थॉमस, अवनी चतुर्वेदी जैसी अनेक नारियाँ आज समाज में महिलाओं की मज़बूत छवि प्रस्तुत कर रही हैं। अग्नि-ढ्ढ मिसाइल के विकास में प्रमुख भूमिका निभाने वाली टेंसी थॉमस को 'मिसाइल वुमेन' के नाम से जाना जाता है।

शीर्ष क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानी दुनिया के सामने रखी है। आर्थिक अधिकारों की प्राप्ति तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के कारण महिलाओं का सशक्तीकरण हुआ है। देश के कई आर्थिक संस्थानों के शीर्ष पदों पर महिलाएँ कार्यभार संभाल रही हैं तथा देश के विकास में अपना योगदान दे रही हैं। अरुंधति महाचार्य, शिखा शर्मा, नैनालाल किदवई, सावित्री जिंदल आदि आर्थिक क्षेत्र में शीर्ष पदों पर काबिज हैं।

भारत के संबंध में कई बार वर्ल्ड बैंक ग्रुप आदि ने कहा है कि अगर यहाँ पर महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में वृद्धि की जाए तो भारत की विकास दर में तीव्र वृद्धि हो सकती है। गौरतलब है कि 1994 से 2012 के मध्य कई लाख भारतीय गरीबी रेखा से बाहर निकल चुके हैं। इन आँकड़ों में और बढ़ोतरी होती अगर कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में और इज़ाफा होता। 2012 में सिर्फ 27 प्रतिशत वयस्क भारतीय महिलाएँ विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत थीं। चिंता की बात यह है कि भारत के तीव्र शहरीकरण ने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में कोई वृद्धि नहीं की है। कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी के मामले में भारत की रैंकिंग विभिन्न देशों के मध्य निम्न है परंतु लिंग आधारित हिंसा की दर के मामले में यह काफी उच्च है। देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 2016 के 37 प्रतिशत से नीचे गिरकर 2019 में 18 प्रतिशत रह गई है एवं जेंडर गैप के मामले में 23 प्रतिशत पर आ गई है। यह माना जाता है कि कार्यबल में महिलाओं के प्रवेश को सुनिश्चित करने और उनकी भागीदारी बढ़ाने में जेंडर सेंसेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जेंडर सेंसेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत बच्चों हेतु पूर्वकालिक शिशुगृह, कार्यशील महिलाओं हेतु वहनीय एवं सुरक्षित हॉस्टल एवं आधारभूत सार्वजनिक सुविधाएँ शामिल हैं।

इन सबके बावजूद सिक्के का एक अन्य पहलू यह भी है कि आज भी महिला कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा अन्याय एवं शोषण का शिकार होता है। भारत में आज भी कई कार्यस्थलों पर महिलाओं का यौन शोषण होता है। 'मी टू' अभियान यह सिद्ध करता है कि महिलाएँ किस प्रकार से कार्यस्थल पर प्रताड़ित की जाती हैं। परंतु सभी सामाजिक वजनाओं को तोड़ते हुए उन्होंने इसके खिलाफ अपनी आवाज भी बुलंद की है। महिलाओं को अपने स्वतंत्र अस्तित्व का निर्माण करने और उसे कायम रखने हेतु स्वावलंबी और आत्मनिर्भर होना बहुत जरूरी है। साथ ही जो समाज और रिवाज स्त्रियों के विकास को उचित नहीं समझता उसे बदल देना आवश्यक है।

वैश्वीकरण के इस अर्थप्रधान युग में एक ओर जहाँ स्त्रियाँ वर्जनाओं को तोड़ते हुए नित सफलता के नए सोपान पर चढ़ती जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें भोग की वस्तु के रूप में प्रचारित और प्रसारित भी किया जा रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों के विज्ञापनों में इसकी झलक बड़ी आसानी से देखी जा सकती है। चाहे वह फिल्म इंडस्ट्री की शोषित कोई स्त्री कलाकार हो या विज्ञापनों में बड़े ही शर्मसार तरीके से चित्रित की गई कोई नारी हो। इसका यह नतीजा हुआ कि स्त्री आज भी उसी चौराहे पर खड़ी है और खुद से अनेक प्रश्न पूछती है कि क्या यही वह मंजिल है जिसे वह हासिल करना चाहती थी या फिर इस मुकाम तक पहुँच कर भी लोगों की मानसिकता में कोई परिवर्तन क्यों नहीं दिखता? अगर एक ऊंचे ओहदे पर स्थित स्त्री की हालत ऐसी है तो एक साधारण स्त्री की स्थिति क्या होगी? स्त्री को उसके देह से अलग एक स्त्री के रूप में देखने की आदत में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। किसी की मजबूरी को किसी का व्यवसाय बनने से रोकना होगा एवं नग्नता और शालीनता के मध्य की बारीक रेखा को समझना होगा जिसका निर्माता भी समाज होता है एवं जिसका विध्वंसक भी यही समाज होता है। उचित-अनुचित, न्याय-अन्याय, विवेकपूर्ण-अविवेकपूर्ण, स्वाधीनता एवं उच्छृंखलता, दायित्व और दायित्वहीनता, शालीनता और अश्लीलता के मध्य विद्यमान धुँधलके को स्पष्ट करना होगा। स्त्री की आज़ादी पूर्ण तभी मानी जाएगी जब उसकी प्रतिभा को स्वीकार्यता मिले, न कि उसके दैहिक सौंदर्य को।

यह सत्य है कि वर्तमान में स्त्रियों की स्थिति में काफी बदलाव आया है। सामरिक क्षेत्र तक पहुँच उनकी क्षमता का द्योतक है, फिर भी स्त्रियाँ अनेक स्थानों पर पुरुष प्रधान मानसिकता से पीड़ित रहती है।

भारत में महिलाओं हेतु सुरक्षात्मक उपाय

संवैधानिक उपाय

मौलिक अधिकार: अनुच्छेद 14 सभी भारतीयों को समानता के अधिकार की गारंटी प्रदान करता है।अनुच्छेद 15 (1) के अनुसार, लिंग के आधार पर राज्य द्वारा कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा और अनुच्छेद 15 (3) महिलाओं के पक्ष में राज्य द्वारा किये जाने वाले विशेष प्रावधान करता है।

मौलिक कर्तव्य: संविधान प्रत्येक नागरिक को अनुच्छेद 51 (ए) (ई) के माध्यम से महिलाओं की गरिमा के खिलाफ अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करने हेतु मौलिक कर्तव्य को लागू करता है।

विधायी ढाँचा

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 : यह अभियोजन के माध्यम से घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करता है।

दहेज निषेध अधिनियम, 1961 : यह दहेज की मांग, भुगतान या स्वीकृति पर प्रतिबंध लगाता है।

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 : यह महिलाओं को उनके कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करता है।

संबंधित योजनाएँ : महिला प्रौद्योगिकी पार्क, जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूट आदि।

सरकार के प्रयास

केंद्र सरकार द्वारा कार्यस्थल पर गर्भवती महिलाओं के हितों की रक्षा के लिये 'मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017' के माध्यम से मातृत्त्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है, इस अधिनियम को सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 में समाहित किया गया है।

विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में महिला शोधकर्त्ताओं को शोध एवं विकास गतिविधियों के लिये प्रोत्साहित करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा 'सर्ब-पावर' नामक एक योजना की शुरुआत की गई है।

देश में 'मी टू अभियान' के बाद कार्यस्थलों पर बड़े पैमाने पर महिला शोषण के मामलों के सामने आने के बाद अक्तूबर 2018 में केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में मंत्रियों के समूह (Group of Ministers- GoM) का गठन किया गया, जिसने इस समस्या के समाधान हेतु अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की।

रेल यात्रा के दौरान महिला सुरक्षा के प्रयासों को मज़बूत करने और महिलाओं में सुरक्षा की भावना जगाने के लिये 'रेलवे सुरक्षा बल' (Railway Protection Force-RPF) द्वारा 'मेरी सहेली' (Meri Saheli) नामक एक पहल की शुरुआत की गई है।

आर्थिक एवं सामरिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका को सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक कदम-

महिलाओं के विकास हेतु सकारात्मक आर्थिक और सामाजिक नीतियों का निर्माण।

पुरुषों के साथ महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नागरिक क्षेत्रों में वैधानिक एवं समान अवसर प्रदान करना।

देश के लिये महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की समान भागीदारी।

स्वास्थ्य, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, रोज़गार में समान पारिश्रमिक, सामाजिक सुरक्षा आदि तक समान पहुँच।

महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव के सभी रूपों के उन्मूलन का प्रयास।

सक्रिय भागीदारी द्वारा सामाजिक व्यवहार और कुप्रथाओं में परिवर्तन।

विकास प्रक्रिया में लैंगिक भेदभाव को समाप्त करना।

महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सभी प्रकार की हिंसा का उन्मूलन।

नागरिक समाज विशेषकर महिला संगठनों के साथ भागीदारी का निर्माण एवं उन्हें सुदृढ़ करना।

भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका

भारत में महिला रोज़गार संबंधी आँकड़े देश के आर्थिक विकास, कम प्रजनन दर और स्कूली शिक्षा की दर में वृद्धि जैसे संकेतकों से मेल नहीं खाती।

वर्ष 2004 से वर्ष 2018 के बीच स्कूली शिक्षा के मामले में घटते लैंगिक अंतराल के विपरीत कार्य क्षेत्रों में भागीदारी के संदर्भ में लैंगिक अंतराल में भारी वृद्धि देखने को मिली।

हाल ही में जारी 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, 2018-19' के अनुसार, कार्यक्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी में भारी गिरावट देखने को मिली है।

वर्ष 2011-19 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यस्थलों पर महिलाओं की भागीदारी 35.8न्न से घटकर 26.4न्न ही रह गई।

वर्ष 2019 में 'विश्व आर्थिक मंच' (World Economic Forum- WEF) की 'वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट' में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और इसके लिये उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में भारत को 153 देशों की सूची में 149 वें स्थान पर रखा गया था।

गौरतलब है कि इस सर्वेक्षण में भारत एकमात्र ऐसा देश था जिसमें आर्थिक भागीदारी में लैंगिक अंतराल राजनीतिक लैंगिक अंतराल से अधिक पाया गया।

वर्ष 2019 में जारी ऑक्सफैम रिपोर्ट के अनुसार, लिंग के आधार पर वेतन के मामले में होने वाले भेदभाव के मामले में एशिया के देश सबसे प्रमुख हैं, एशिया में समान योग्यता और पद पर कार्य करने वाली महिलाओं को 34न्न कम वेतन प्राप्त हुआ।

अक्तूबर 2020 में जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर-दिसंबर 2019 में महिला बेरोज़गारी की दर 9.8 प्रतिशत रही जो वर्ष 2019 में जुलाई-सितंबर की तिमाही के आँकड़ों से अधिक है, गौरतलब है कि कोविड-19 महामारी के बाद देशभर में बेरोज़गारी के आँकड़ों में व्यापक वृद्धि देखी गई।

असंगठित क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी

कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगभग 60 प्रतिशत है परंतु इनमें से अधिकांश भूमिहीन श्रमिक हैं जिन्हें स्वास्थ्य, सामाजिक या आर्थिक सुरक्षा से संबंधित कोई भी सुविधा नहीं प्राप्त होती है।

वर्ष 2019 में मात्र 13 प्रतिशत महिला किसानों के पास अपनी ज़मीन थी और वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, यह अनुपात मात्र 12.8 प्रतिशत था।

इसी प्रकार विनिर्माण क्षेत्र (लगभग पूरी तरह असंगठित) में महिला श्रमिकों की भागीदारी लगभग 14 प्रतिशत ही है।

सेवा क्षेत्र में भी अधिकांश महिलाएँ कम आय वाली नौकरियों तक ही सीमित हैं, 'राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण ,2005' के अनुसार, 4.75 मिलियन घरेलू कामगारों में से 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएँ हैं।

हम पाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था एवं रक्षा क्षेत्र में महिलाएँ अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। अगर हाल-फिलहाल की भारत की आर्थिक स्थिति को छोड़ दें, जो कि कोविड-19 से प्रभावित है, तो भारत की विकास दर पिछले कुछ समय से उच्च बनी हुई है जिसका कारण बचत और पूंजी निर्माण की उच्च दर बताई जाती है। इन आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। बचत, उपभोग-अभिवृत्ति और पुनर्चक्रण-प्रवृत्ति के मामले में भारत की अर्थव्यवस्था महिला केंद्रित मानी गई है। साथ ही हाल-फिलहाल में रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि कर सरकार महिलाओं को इस क्षेत्र में भी मुख्य भूमिका निभाने का मौका देना चाह रही है। अत महिलाओं की असीमित क्षमता और योग्यता को ध्यान में रखते हुए ज़रूरी है कि इन्हें आर्थिक एवं सामरिक क्षेत्र के केंद्र में रखा जाए ताकि देश विकास के नए आयाम स्थापित कर सके।

आगे की राह

वर्तमान समय में देश की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के साथ, कार्यस्थलों पर व्याप्त भेदभाव और महिला सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को दूर करने के लिये बहु-पक्षीय प्रयासों को अपनाया जाना चाहिये।

सरकार को असंगठित क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाओं के लिये लक्षित योजनाओं (प्रशिक्षण, सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा आदि) के साथ अर्थव्यवस्था के सभी स्तरों पर महिलाओं की भागीदारी और उनके हितों की रक्षा सुनिश्चित करने से जुड़े प्रयासों पर विशेष ध्यान देना होगा।

कार्यस्थलों पर महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये यातायात साधनों की पहुँच में विस्तार के साथ सार्वजनिक स्थलों पर प्रसाधन केंद्रों आदि के तंत्र को मज़बूत करना बहुत ही आवश्यक है।

उच्च शिक्षा और पेशेवर प्रशिक्षणों में शामिल होने के लिये महिलाओं को सहयोग प्रदान करने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की पहुँच को मज़बूत करने पर विशेष ध्यान देना होगा।

इसके साथ ही नीति निर्माण और महत्त्वपूर्ण संसाधनों के शीर्ष तंत्र में महिला प्रतिनिधित्त्व को बढ़ाने हेतु विशेष प्रयास किये जाने चाहिये।

युद्ध के साए में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2022

वैश्विक स्तरपर आज यूक्रेन-रूस महायुद्ध और तीसरे विश्वयुद्ध, परमाणु महायुद्ध की सब्सुबहट और अंदेशों के बीच युद्ध के साए में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है जो विश्व की महिलाओं के लिए ख़ास है। यह दिवस महिलाओं के लिए प्रति एक श्रद्धा भाव को ही नहीं जगाता बल्कि उस देश के विकास में उनके योगदान को भी बताता है। आज अगर हम महिलाओं की उपलब्धियों और जिस तरह वैश्विक स्तरपर हर देश के हर क्षेत्र में महिलाओं की सक्रियता से भविष्यकालीन आउटपुट का अंदेशा लगाएंगे तो भविष्य महिलाओं के नेतृत्व का है!!! जिसमें भविष्य में महिलाएं ही आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, आध्यात्मिक रक्षा, स्वास्थ्य सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नेतृत्व और विशाल स्तर पर भागीदारी करेंगी ऐसा मेरा मानना है!!!

साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के लिए सकारात्मक बात करें तो, इस दिवस को महिलाओं की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का विश्वव्यापी उत्सव माना जाता है!! आज हमें महिलाओं को पूरी स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है, ये उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। महिलाओं को भी अपनी पूर्वधारणाओं को बदलने की ज़रुरत है कि वो कमजोर हैं!!! और कोई भी उन्हें धोखा दे सकता है या उनका प्रयोग कर सकता है। इसके बजाय उन्हें ये सोचने की आवश्यकता है कि उनमें पुरुषों से अधिक शक्ति है और वो पुरुषों से बेहतर कर सकती हैं।

साथियों बात अगर हम आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 की करें तो इस वर्ष की थीम, एक स्थाई कल के लिए आज लैंगिक समानता जरूरी यह है, इसके लिए हमें महिलाओं को आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक प्रौद्योगिक, वाणिज्यिक स्तरपर महिलाओं को सशक्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध वह संकल्पित होना पड़ेगा खासकर के वर्तमान युद्ध के साए में मना रहे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर तो महिलाओंकी सुरक्षा का विशेष संकल्प करना जरूरी है!!!

साथियों बात अगर हम भारतीय परिपेक्ष में भारतीय महिलाओं की करें तो आदि अनादि काल से ही भारतीय संस्कृति, सभ्यता में नारी का सम्मान सर्वोपरि है, जो आध्यात्मिकता व कथाओं में हमने नारीशक्ति को मां काली दुर्गा भवानी सरस्वती मां के स्वरूप में उनकी गाथाएं सुननी है।

आज के परिपेक्ष में भारतीय मूल की नारियों की गाथा की करें तो आज उन गौरवशाली, ऐतिहासिक स्थान प्राप्त महिलाओं की करें तो वह नायिकाएं बनकर समाज में बदलाव लेकर आई और आने वाली कई पीढ़ियों के लिए कई रास्ते निकाले हैं!!! उनके बारे में आज इस शुभ,सशक्त, महत्वपूर्ण दिवस पर महिलाओं को ही नहीं पुरुषों को भी रेखांकित करना जरूरी है!!! खासकर महिलाओं को उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी है वे भारत की शान ये हैं मीडिया के अनुसार (1) पठानमथिट्टा (केरल) की रहने वाली फातिमा बीवी 1989 में भारत में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला बनीं थी।

अदृश्य से सदृश्य की यात्रा की टिकट है विश्वास

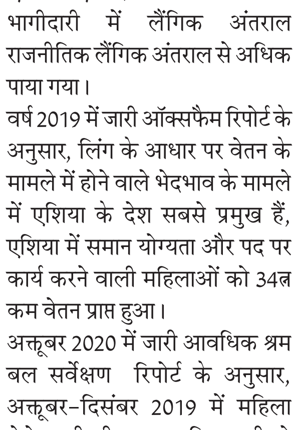

मेहनत के साथ साथ विश्वास भी जरूरी है। विश्वास कोई साधारण बात नही है। दिख सकता है साधरण, लेकिन असाधारण से असाधारण कार्य इसी से हुए है।

क्या विश्वास को बढ़ाया जा सकता है हाँ, क्यो नही। आत्मविश्वास से विश्वास का निर्माण होता है। यहीं सफलता की कुंजी है। बस देखने का नजरिया और अदम्य लगन, साहस और लगातार कोशिश के साथ इसे बढ़ाया जा सकता है।

विश्वास की पात्रता क्या है ?

कोई भी इंसान विश्वास बढ़ा सकता है। इसका संबंध किसी से नही है। बस उसपर ध्यान दीजिए जो आप होते हुए देखना चाहते है।

- इसका प्रोसेस क्या है ?

पहले ध्यान करे क्या चाहते है।
उसे लिख ले। उसे वर्तमान में लिखें।
सुबह और शाम को जोर जोर से पढ़े।
पढते समय विज्युलाईज करें।
फील करें। महसूस करे।
धीरे धीरे उसे होते हुए देखे।

विश्वास कीजिये कि जो देखोगे वह होगा। उसी का निर्माण होगा। इसके साथ ही नीति निर्माण और महत्त्वपूर्ण संसाधनों के शीर्ष तंत्र में महिला प्रतिनिधित्त्व को बढ़ाने हेतु विशेष प्रयास किये जाने चाहिये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शार्ट न्यूज

कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पोस्टर जारी

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी मंडलायुक्त डॉ अजय शंकर पांडेय ने बुंदेली भाषा और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक लेने जाने के लिए प्रयासरत कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के तीसरे आयोजन के लिए पोस्टर का सोमवार को विमोचन किया। कोंच इंटरनेशल फिल्म फेस्टिवल के संस्थापक और संयोजक पारसमणि अग्रवाल ने बताया कि शहर, सिनेमा एवं गांव कस्बों को एक मंच पर लाने, प्रतिभाओं को मुकम्मल मंच उपलब्ध कराने, बुन्देली संस्कृति के सरंक्षण एवं प्रचार प्रसार करने एवं कोंच को नई पहचान दिलाने जैसे उद्देश्यों के साथ कोंच इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल के तृतीय आयोजन की तैयारियों का श्रीगणेश हो गया है। उन्होंने बताया कि तृतीय कोंच इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन झांसी मण्डल के मण्डलायुक्त अजयशंकर पांडेय, फ़िल्म एवं टीवी अभिनेता आरिफ शहडोली, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मंडलीय परियोजना प्रबंधक आनन्द चौबे, बुन्देली विशेषज्ञ एवं साहित्यकार रामशंकर भारती, समाजसेवी प्रदीप कुमार पाण्डेय, युवा समाजसेवी मोहित बसेड़िया एवं कोंच इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल के संस्थापक/संयोजक पारसमणि अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर रावी, चिड़ियाघर, देवों के देव महादेव, चकल्लसपुर आदि प्रसिद्ध फ़िल्म एवं टीवी सीरियल आरिफ शहडोली ने कहा कि बुंदेलखंड के जालौन जिले की कोंच तहसील एक ऐतिहासिक नगरी है वहां कोंच इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल का आयोजन एक सुखद अहसास है, प्रतिभाओं के लिए यह प्रयास संजीवनी साबित होगा। बुन्देली विशेषज्ञ डॉ रामशंकर भारती ने कहा कि कोंच फ़िल्म फेस्टिवल निरन्तर प्रगति कर प्रतिभाओं के लिए एक मुक्कल मंच साबित होगा। फेस्टिवल के माध्यम से क्षेत्र में पर्यटन एवं फ़िल्म विकास की सम्भवनाओं को बल मिलेगा।

107 मरीजों के मोतियाबंद का आपरेशन कर रचा कीर्तिमान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में संगम नगरी प्रयागराज स्थित मनोहरदास नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा. एस पी सिंह ने फेको पद्धति से 16 घंटे 30 मिनट में 107 लोगों की आंख में मोतियाबिंद का आपरेशन कर विश्व रिकार्ड बनाने का दावा किया है। डा सिंह ने सोमवार को बताया कि उन्होंने पिछली 25 फरवरी को चिकित्सालय में अपनी टीम के साथ 107 लोगों के मोतियाबिंद का सफल आपरेशन किया। इससे पहले वर्ष 2016 में उन्होंने एक दिन में 56 लोगों का इसी पद्धति से आपरेशन किया था। अपने नए कीर्तिमान से वर्ष 2016 में किए आपरेशन का रिकार्ड को तोड़ा है। उन्होंने दावा किया कि अक्टूबर 2011 में पूर्वी लद्दाख में ब्रिगेडियर डाक्टर जेकेएस परिहार ने एक दिन में 34 फेकोइमल्सिफिकेशन सर्जरी का विश्व रिकार्ड बनाया था। डॉ. सिंह मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य भी हैं। उन्होंने दावा किया कि यह विश्व रिकार्ड है। सर्जरी सुबह छह बजे से शुरू हुई थी और रात 10.30 बजे तक निरंतर आपरेशन करते रहे। सभी लोगों के आपरेशन निञ्शुल्क किए गए। उन्होने कहा कि वे पूर्व राष्ट्रपति स्व. एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित हैं जिनका कहना था कि सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा सच होते हैं।

वेतन ने मिलने से गुस्साए मजदूरों ने किया प्रदर्शन

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के प्रेम नगर थानाक्षेत्र में घड़ी साबुन फैक्ट्री के मजदूरों ने कई माह से वेतन नहीं दिये जाने के विरोध में सोमवार को जमकर प्रदर्शन किया। प्रेमनगर थानाक्षेत्र के बिजौली स्थित औद्योगिक एरिया में स्थित आरएसपीएल फैक्ट्री में घड़ी साबुन बनाया जाता है। इस फैक्ट्री में काम करने वाले कई मजदूर फैक्ट्री पर कई महीनों से वेतन नहीं दिये जाने का आरोप लगाते हुए आज सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारी मजदूरों ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री का मैनेजर ठेकेदारों से मिला हुआ है । जब भी ठेकेदार या मैनेजर से वेतन की बात की जाती है तो वह कभी संतोषजनक जवाब नहीं देते और हमेशा मामले को टालने का काम करते हैं। लंबे समय से वेतन नहीं मिलने से उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गयी है। आज भी जब मजदूरों ने वेतन की मांग की तो फिर टालमटोल दिखायी गयी, इस पर गुस्साये मजदूर प्रदर्शन पर उतर आये। मजदूरों ने कहा कि जब तक उन्हें वेतन और नौकरी दोनों ही नहीं मिल जाते हैं तब तक वह प्रदर्शन जारी रखेंगे। मजदूर प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रबंधन तथा मजदूरों की बात कराकर मामले को शांत कराया।

सपा की शिकायतः जौनपुर में जदयू प्रत्याशी बूथ पर धमका रहे मतदाताओं को

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में सोमवार को हो रहे मतदान के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) ने जौनपुर में मतदान केन्द्र पर जनता दल (यू) के प्रत्याशी धनंजय सिंह द्वारा मतदाताओं को धमकाने की चुनाव आयोग से शिकायत की है। सपा की ओर से सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव आयोग को इस बारे में सूचित किया गया। पार्टी ने ट्वीट कर चुनाव आयोग, उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला प्रशासन को जौनपुर जिले के मल्हनी विधानसभा क्षेत्र में फर्जी मतदान करवाने की भी शिकायत की है। सपा की ओर से किए गए ट्वीट में कहा गया है, जौनपुर जिले की मल्हनी विधानसभा-367 के बूथ संख्या-108, 109, 111 पर फर्जी वोट डलवा रहे हैं। जेडीयू के प्रत्याशी धनंजय सिंह बूथ पर आकर धमकी दे रहे हैं। चुनाव आयोग और जिला प्रशासन तत्काल संज्ञान ले।

वेतन ने मिलने से गुस्साए मजदूरों ने किया प्रदर्शन

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के प्रेम नगर थानाक्षेत्र में घड़ी साबुन फैक्ट्री के मजदूरों ने कई माह से वेतन नहीं दिये जाने के विरोध में सोमवार को जमकर प्रदर्शन किया। प्रेमनगर थानाक्षेत्र के बिजौली स्थित औद्योगिक एरिया में स्थित आरएसपीएल फैक्ट्री में घड़ी साबुन बनाया जाता है। इस फैक्ट्री में काम करने वाले कई मजदूर फैक्ट्री पर कई महीनों से वेतन नहीं दिये जाने का आरोप लगाते हुए आज सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारी मजदूरों ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री का मैनेजर ठेकेदारों से मिला हुआ है । जब भी ठेकेदार या मैनेजर से वेतन की बात की जाती है तो वह कभी संतोषजनक जवाब नहीं देते और हमेशा मामले को टालने का काम करते हैं। लंबे समय से वेतन नहीं मिलने से उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गयी है। आज भी जब मजदूरों ने वेतन की मांग की तो फिर टालमटोल दिखायी गयी, इस पर गुस्साये मजदूर प्रदर्शन पर उतर आये। मजदूरों ने कहा कि जब तक उन्हें वेतन और नौकरी दोनों ही नहीं मिल जाते हैं तब तक वह प्रदर्शन जारी रखेंगे। मजदूर प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रबंधन तथा मजदूरों की बात कराकर मामले को शांत कराया।

ताज महोत्सव का बढ़ेगा दायरा

आगरा। उत्तर प्रदेश में पर्यटन नगरी आगरा में इस बार ताज महोत्सव के परम्परागत स्थलों के अलावा दो-तीन नये स्थल भी शामिल करने पर विचार हो रहा है। पर्यटन विभाग ने शिल्पग्राम, सूरसदन और सदर बाजार के अलावा ताजनगरी फेस-2 के जोनल पार्क, ट्राइडेंट होटल के निकट सेल्फी प्वाइंट और आगरा किले में भी कार्यक्रमों के आयोजन का प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव को मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी की अनुमति मिलने का इंतजार किया जा रहा है। उपनिदेशक पर्यटन आर.के. रावत ने सोमवार को बताया कि अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से इस बार आयोजन स्थलों में बढ़ोतरी की योजना है। मुख्य आयोजन हमेशा की तरह शिल्पग्राम में ही होगा। वहां शिल्पियों की हाट के अलावा व्यंजनों के स्टॉल लगेंगे और मुक्ताकाशीय मंच पर प्रतिदिन विविध कार्यक्रम होंगे। सूरसदन में नाटकों आदि के आयोजन और सदर बाजार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। उन्होंने बताया कि ताजनगरी फेज-टू स्थित जोनल पार्क और ट्राइडेंट तिराहा स्थित सेल्फी प्वाइंट आई लव आगरा पर भी विविध कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव है। सेल्फी प्वाइंट पर बैंडों की प्रस्तुति कराने का विचार है। फतेहपुर सीकरी में एक दिन कार्यक्रम कराने का मन बनाया गया था, लेकिन वहां आने-जाने व व्यवस्था करने में दिक्कतों से बचने के लिए आगरा किले में कार्यक्रम कराने पर विचार किया जा रहा है। गौरतलब है कि शिल्प, कला, संस्कृति और व्यंजनों के उत्सव ताज महोत्सव का आयोजन इस बार 20 से 29 मार्च तक किया जा रहा है।

गाजीपुर में सपा-भाजपा समर्थकों में भिड़ंत, पथराव, पुलिस ने खदेड़ा

गाजीपुर। यूपी में सातवें और अंतिम चरण के मतदान के दौरान गाजीपुर में कई स्थानों पर बवाल हुआ। गहमर और मुहम्मदाबाद में भाजपा और सपा समर्थक भिड़ गए। दोनों पक्षों में मारपीट के बाद पथराव भी हुआ। पुलिस ने लाठी भांजकर दोनों पक्षों को खदेड़ा।

वहीं जमानिया में भाजपा प्रत्याशी के बूथ में घुसने का विरोध करने पर हंगामा हो गया। विधायक ने पुलिस को बुला लिया और एजेंट को हिरासत में ले लिया गया। इसके अलावा जमानियां के रक्सहां और उसिया में भी हंगामा हुआ। प्रधान और बसपा प्रत्याशी परवेज खां के बीच नोकझोंक हुई।

गहमर में फर्जी वोटिंग पर हंगामा हुआ। सपा और भाजपा समर्थक भिड़ गए। प्राथमिक विद्यालय दक्षिणी पर सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच दो बार झड़प हुई। पुलिस ने लाठी भांजकर सभी को मतदान केंद्र से दूर किया। इसके बाद भी भाजपाई सड़क पर जुटे रहे। वहीं, मुहम्मदाबाद में भाजपा-सपा समर्थकों में वाद विवाद के बाद हाथापाई शुरू हो गई। देखते ही देखते पथरावभी होने लगा। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के नवली स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय पर हंगामा हुआ। सपा और भाजपा समर्थक के वोट करने जा रहे लोगों को अपने पक्ष में मतदान करने को लेकर बहस हुई।

बहस के बीच ही हाथापाई होने लगी। इसके बाद दोनों पक्षों में ईंट-पत्थर चलने लगे। सुरक्षा बलों ने लोगों को तितर-बितर किया। बवाल की खबर पर सपा प्रत्याशी सुहेब अंसारी मन्नू पहुंचे और एंजेटों से जानकारी लेने के बाद चुनाव आयोग से शिकायत की बात कही।

उधर, जमानियां के गोड़सरा में प्रत्याशी के बूथ के अंदर घुसने और कर्मचारियों से वार्ता करने पर सपा के एजेंट ने आपत्ति जताई। विधायक सुनीता सिंह को बूथ के अंदर बार-बार जाने से रोक दिया तो विधायक ने पुलिस बुला ली। एजेंट पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद बूथ पर हंगामा हुआ, माहौल बिगड़ता देखकर मतदाता कतार छोड़कर घरों में लौट गए।

हंगामे के बाद बूथ पर सन्नाटा छा गया। मामले की जानकारी के बाद सपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सिंह गोड़सरा पोलिंग स्टेशन पर पहुंचे और भाजपा प्रत्याशी पर सत्ता का दुरुपयोग करने की बात कही। आरोप लगाया कि जमानियां में तैनात अधिकारी सत्ता दल के एजेंट बनकर सपा के मतदान अभिकर्ताओं को हिरासत में ले रहे हैं। पूर्व सांसद ओपी सिंह ने गांव में लोगों से निर्भीक होकर वोट करने की अपील की जिसके कुछ देर बाद फिर मतदान अनवरत हुआ। हालांकि हंगामे के बाद बड़ी संख्या में लोग मतदान केंद्र पहुंचे और मताधिकार का प्रयोग किया। स्थानीय लोगों की माने तो हंगामे से लोग सहम गए और चल दिए। सीओ और एसडीएम समेत अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मतदाताओं को रोकने का प्रयास तक नहीं किया।

प्रियंका की अगुवाई में कांग्रेसी महिलायें करेंगी मार्च

एजेंसी

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को लखनऊ में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' महिला मार्च का आयोजन किया जाएगा।

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा ने सोमवार को यहां पत्रकारों को बताया कि आठ मार्च को दिन में 12 बजे यह मार्च 1090 चौराहे से शुरू होकर वीरांगना ऊदा देवी प्रतिमा, सिकंदरबाग़ पर ख़त्म होगा। मार्च में ''लड़की हूं लड़ सकती हूं'' की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की 159 महिला उम्मीदवार भी शामिल होंगी। इसके अलावा पूरे देश में कांग्रेस की निर्वाचित, महिला जनप्रतिनिधियों को भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने कहा कि 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' कांग्रेस के लिए सिर्फ चुनावी नारा नहीं बल्कि देश-प्रदेश में महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त और सक्षम बनाने के लिए शुरू किया गया आंदोलन है। इसका उद्देश्य भारतीय राजनीति में महिलाओं और उनकी आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाना है। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने वादा किया था कि पार्टी कुल उम्मीदवारों से 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देगी। पार्टी ने वह वादा पूरा किया और इस विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से 159 महिला उम्मीदवारों को पार्टी ने चुनाव लड़ने का मौका दिया।

उन्होंने बताया कि यह महिला मार्च एकजुटता का संदेश देने और राजनीति को अधिक समावेशी बनाने के साथ-साथ राजनीति में महिलाओं की भागीदारी का भी प्रतीक है। नारी शक्ति के राजनीतिक पुनरोत्थान को अब कोई ताकत नहीं रोक सकती है और उत्तर प्रदेश से इसकी शुरुआत हो चुकी है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित इस मार्च में डॉक्टर्स, सेविकाओं, शिक्षिकाओं के साथ खेल और सिने जगत से जुड़ी महिलाओं के अलावा कांग्रेस पार्टी की महिला पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगी।

गोरखपुर में शुरू हुई कोरोना की टार्गेट टेस्टिंग, दफ्तरों में कर्मचारियों, ठेले-पटरी वालों की जांच

गोरखपुर। गोरखपुर में कोरोना की तीसरी लहर खत्म होने को है। रोजाना इक्का-दुक्का संक्रमित मिल रहे हैं। किसी भी समूह में संक्रमण शेष न रह जाए, इसके लिए लोगों की समूहों में जांच की जाएगी। सोमवार से यह अभियान शुरू किया जाएगा। पहले चरण में पटरी व्यापारी और ठेले वालों के नमूने लिए जाएंगे।

कोरोना संक्रमण जिले से पूरी तरह समाप्त करने की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए लोगों को जागरूक करने के साथ ही जांच की संख्या बढ़ाई जाएगी। संक्रमण कम होने के साथ ही कोविड जांच बूथों पर अब जांच कराने वाले लोग कम संख्या में आ रहे हैं। विभाग ने अभियान चलाकर समूह में लोगों की जांच करने का फैसला किया है।

इसमें सरकारी दफ्तर के कर्मचारी, पटरी व्यापारी और ठेले वाले शामिल हैं। इनका नमूना लेकर एंटीजन जांच मौके पर ही की जाएगी। जिसमें लक्षण होंगे, उसकी एंटीजन जांच निगेटिव आने के बाद रीयल टाइम पालीमरेज चेन रियेक्शन (आरटी-पीसीआर) जांच के लिए उनके नमूने लिए जाएंगे। होली में बाहर से आने वालों की होगी जांच जिले में कोरोना संक्रमण लगभग समाप्त है। केवल 232 सक्रिय रोगी हैं। रविवार को 24 घंटे में एक भी रिपोर्ट पाजिटिव नहीं आई। बचा-खुचा संक्रमण अभियान के दौरान समाप्त हो जाएगा। लेकिन बाहर से संक्रमण जिले में न आए, इसके लिए विभाग होली के त्योहार पर विशेष सतर्कता बरत रहा है। बाहर से आने वाले हर व्यक्ति की कोरोना जांच कराई जाएगी। लोगों को भी जागरूक की जाएगी कि जिनके घर दिल्ली, मुंबई या अन्य प्रांतों से कोई आ रहा है तो उसकी कोविड जांच जरूर कराएं।

गोरखपुर में दारोगा से राइफल लूटने की कोशिश, केस दर्ज, छह आरोपी फरार

गोरखपुर। गोरखपुर के तिनकोनिया रेंज के वन दरोगा पर हमला कर वन तस्करों ने राइफल लूटने की कोशिश की। वन दारोगा की तहरीर पर पिपराइच पुलिस ने पांच नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी आरोपित फरार हैं।

वन दारोगा आकाश कुमार कन्नौजिया ने पुलिस को दी तहरीर में मनु व रामफल पुत्र दरबारी, गुन्ना पुत्र धूपई, बुढ़वा पुत्र कांता और राममिलन पुत्र रामजतन निवासी जंगल तिनकोनियां नम्बर तीन, बनटांगिया थाना पिपराइच तथा एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध यह आरोप लगाया है कि उक्त लोग तीनों मोटरसाइकिल से शनिवार की देर शाम साढ़े सात बजे जंगल के रास्ते सागौन का बोटा लाद कर ले जा रहे थे।

रोककर बोटे के बारे पूछताछ करने पर वे सभी उलझ गए और गाली देते हुए मारपीट करने लगे। इसी बीच मनु ने दरोगा के सिर पर डंडे से प्रहार कर दिया और असलहे लहराने लगे तथा रायफल छीनने का प्रयास किया। अंत में अपने को घिरता देख बोटा गिरा कर बाइक से सभी भाग गए जबकि। दरोगा ने बताया कि उक्त लोग पेशेवर वन अपराधी है और सरकारी काम में बाधा पहुंचाना तथा अपराध करना मुख्य पेशा है।

पिपराइच पुलिस ने तहरीर के आधार पर उक्त सहित एक अज्ञात के खिलाफ आईपीसी की धारा 147,148,149,323, 504, 353, 393, 379, 411 और भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

आला अधिकारियों ने मतगणना तैयारियों का लिया जायज़ा

झांसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 10 मार्च को होने जा रहे मतगणना से पहले सभी व्यवस्थाएं चाकचौबंद करने के लिए झांसी प्रशासन पूरी तत्परता से जुटा है और इसी क्रम में सोमवार को वीरांगना नगरी झांसी के सभी आला अधिकारियों ने मतगणना स्थल पर तैयारियों का जायजा लिया और ज़रूरी दिशा निर्देश दिये।

जिला निर्वाचन अधिकारी सह जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने मंडल आयुक्त अजय शंकर पाण्डेय और डीआईजी जोगेंद्र कुमार के साथ यहां भोजल मंडी स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया और 10 मार्च को आयोजित होने वाली विधानसभा सामान्य निर्वाचन- 2022 की मतगणना की बिंदुवार जानकारी दी। चुनाव को लेकर जहां एक ओर विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों के बीच ऊहापोह की स्थिति है, वहीं दूसरी ओर जिला प्रशासन निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के तहत पूरी निष्पक्षता से मतगणना की तैयारियों में और व्यवस्थाएं करने में जुटा है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना पूर्णतया पारदर्शी और सीसीटीवी कैमरे की नजर में संपन्न होगी, इसकी तैयारी कर ली गई है। उन्होंने मौके पर कहा कि सीसीटीवी कैमरे इस तरह से लगाए जा रहे हैं ,ताकि सभी विधानसभाओं की टेबल पर मतगणना की कार्यवाही को कवर किया जा सके। इसके अतिरिक्त प्रत्येक आरओ के साथ एक वीडियो ग्राफर भी साथ रहेगा जो पल-पल की रिकॉर्डिंग करेगा।

मतगणना 10 मार्च को प्रात: आठ बजे से विशिष्ट मण्डी स्थल, भोजला के निर्दिष्ट मतगणना पण्डाल में की जायेगी।

विधानसभा क्षेत्र 222 बबीना भोजला गण्डी ब्लाक-सी की दुकान नं0 14-20 के सामने नीलामी चबूतरे पर संपन्न होगी, चबूतरा नं0-2 विधानसभा क्षेत्र 223-झांसी नगर भोजला मण्डी ब्लाक-सी की दुकान नं0 07- 13 के सामने चबूतरा नं0-1 व विधानसभा क्षेत्र 224-मऊरानीपुर भोजला मण्डी ब्लाक-ए की दुकान नं0 25 - 28 के सामने नीलामी चबूतरा नं0-1 एवं 225-गरौठा भोजला मण्डी ब्लाक-ए की दुकान नं0 29- 32 के सामने नीलामी चबूतरा नं0-2 पर होगी।

उन्होंने कहा कि प्रत्याशी या उनके निर्वाचन अभिकर्ता या मतगणना अभिकर्ता मतगणना प्रारम्भ के दो घंटा पहले मतगणना हाल के निर्धारित टेबिल पर पहुंचेगें। उन्होंने भोजला मंडी मतगणना परिसर में प्रवेश करने के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी या उनके निर्वाचन अभिकर्ता या मतगणना अभिकर्ता स्थल भोजला मण्डी के गेट नं0-2 के मुख्य द्वार पर बने बैरियर से सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश करेंगे और गेट नं0-2 के अन्दर प्रवेश करते ही बांयी ओर निर्धारित स्थान पर अपने वाहन खड़े करेंगे। दूसरे बैरियर से पुन: तलाशी के बाद निर्धारित विधानसभा क्षेत्र के मतगणना हॉल के पास बने बैरियर पर तलाशी देते हुए निर्धारित मतगणना पण्डाल पर पहुंचेंगे और पुन: मतगणना पण्डाल के मुख्य द्वार पर सघन तलाशी के उपरान्त ही मतगणना हॉल में निर्धारित टेबिल पर उपस्थित होंगे।

बुलंदशहर में रसोई गैस का सिलेंडर फटा, दस झुलसे

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के डिबाई क्षेत्र में सोमवार को रसोई गैस का सिलेंडर फटने से दस इंजीनियरिंग छात्र गंभीर रूप से झुलस गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजकीय पॉलिटेक्निक के हॉस्टल की रसोई में आज सुबह यह हादसा उस समय हुआ जब रसोईया गैस के सिलेंडर पर खाना बना बना रहा था। उस समय कई छात्र वहां मौजूद थे कि अचानक गैस के सिलेंडर में आग लग गई और वह जोरदार धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज आसपास के क्षेत्र में भी सुनी गई। धमाके से रसोई की दीवार और छत से गिरे मलबे से 10 छात्र घायल हो गए। उन्होने बताया कि घायलों को राजकीय चिकित्सालय अलीगढ़ में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। छात्रों के घायल होने की सूचना पर जिला मजिस्ट्रेट चंद्रप्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होने बताया कि 10 छात्र घायल हुए हैं जिन को इलाज के लिए अलीगढ़ के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

आजमगढ़ में ईवीएम खराब होने की सपा ने की शिकायत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में सोमवार को मतदान प्रारंभ होने के कुछ समय बाद ही आजमगढ़ जिले की निजामाबाद सीट के एक मतदान केन्द्र पर ईवीएम में खराबी आने की चुनाव आयोग से शिकायत की है। सपा ने सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव आयोग को सूचित करते हुए कहा कि आजमगढ़ जिले में निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 1 पर ईवीएम खराब होने से मतदान बाधित हुआ है। पार्टी ने पोलिंग एजेंट द्वारा मिली जानकारी का हवाला देते हुए आयोग इस मतदान केन्द्र पर मतदान शुरु होने के आधा घंटे के भीतर ही ईवीएम में आई गड़बड़ी पर तत्काल संज्ञान लेकर मशीन बदलवाने की अपील की है जिससे सुचारू एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराया जा सके। आजमगढ़ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का संसदीय क्षेत्र भी है। गौरतलब है कि राज्य के नौ जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के बीच सुबह सात बजे से मतदान प्रारंभ हो गया है। इस चरण के चुनाव में 51 सीटों पर सायं छह बजे तक मतदान होगा।

चंदौली में मतदान केन्द्र पर मधुमक्खियों के झुंड से मची भगदड़

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में सैयदराजा विधानसभा क्षेत्र के नेशनल इंटर कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्र पर अचानक मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया। इससे वहां काफी देर तक भगदड़ की स्थिति मची रही।

मधुमक्खियों के हमले से वोट देने के लिए खड़े मतदाता और पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र पर तैनात बीएलओ को छोड़कर भाग निकले। कहा जा रहा है कि चार बूथों पर करीब एक घंटे तक मतदान प्रभावित रहा है। मिली जानकारी के अनुसार सैयदराजा नेशनल इंटर कॉलेज परिसर में एक पेड़ पर मधुमक्खियों ने छत्ता लगा रखा था। वहां पर किसी पक्षी ने अचानक से मधुमक्खी के छत्ते में चोंच मार दी। इससे मधुमक्खियां भड़क उठीं और मतदान केंद्रों पर कतार वोट देने के लिए खड़े मतदाताओं के ऊपर हमला कर दिया। कुछ ही देर में बीएलओ समेत तमाम लोग अपना बस्ता छोड़कर मेन गेट की तरफ भाग निकले।

ललितपुर : किशोरी ने लगायी फांसी

ललितपुर। उत्तर प्रदेश में ललितपुर के जाखलौन थाना क्षेत्र में सोमवार को 13 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगा ली। पुलिस ने बताया कि थाना जाखलौन क्षेत्र के जाखलौन गांव निवासी सोनू अहिरवार की 13 वर्षीय साली ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आज सुबह सोनू और उसका छोटा भाई काम पर चले गए। उसकी पत्नी और बहु फसल काटने के लिए मजदूरी करने चली गई। घर पर 13 वर्षीय किशोरी अपनी तीन वर्ष की भतीजी और डेढ़ वर्ष के भतीजे के साथ थी। मोहल्ले के एक युवक ने दोपहर में उसे घर में फांसी के फंदे पर लटका देखा, जिसकी सूचना सोनू को दी। सोनू घर पहुंचा और किशोरी को फांसी के फंदे से उतारकर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया, जहां परीक्षणोपरान्त चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के जीजा सोनू अहिरवार ने बताया कि जिला सागर के ग्राम बसारी निवासी 13 साल की उसकी साली पांच साल से उसके पास रह रही थी, उसने क्यों फांसी लगाई उसका कारण उसे नहीं पता।

ललितपुर : अपने खोये मोबाइल पाकर 72 लोगों के खिले चेहरे

ललितपुर। ललितपुर में पुलिस ने विभिन्न जगहों पर खोये 72 मोबाइल खोजकर सोमवार को उनके मालिकों को वितरित किये, जिसके बाद लोगों ने खुशी का इजहार किया। बांटे गये मोबाइलों की कीमत सात लाख 53 हजार 270 रुपये आंकी गई। पुलिस अधीक्षक ने मोबाइल वितरण से पहले पत्रकारों को बताया कि जिले में विभिन्न स्थानों पर खोये कीमती मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए पीड़ितों ने प्रार्थना पत्र पुलिस को दिये थे। इस पर पुलिस अधीक्षक निखिल पाठक ने सर्विलांस सेल को गुम हुये मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए निर्देश दिये। उक्त आदेश के तहत सर्विलांस टीम की ओर से की गयी कार्रवाई में नागरिकों के गुम हुये विभिन्न कम्पनियों के कीमती 72 मोबाइल फोन बरामद किये गये। पुलिस अधीक्षक ने सर्विलांस सेल द्वारा बरामद किये गये मोबाइल फोन संबंधितों को वितरित किये।

विस चुनाव में भाजपा ने भाषा के स्तर को गिराया : अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सोमवार को संपन्न हुये सात चरणों के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) गठबंधन को 300 से ज्यादा सीटें मिलने का दावा करते हुये सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि परिवादवाद का झूठा आरोप लगाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भाषा के स्तर को गिराया और राजनैतिक मर्यादा को तार तार किया। यादव ने जारी एक बयान में कहा कि मौजूदा चुनाव में मतदाताओं ने बुनियादी समस्याओं बेकारी, महंगाई के खिलाफ और विकास के लिए मतदान किया। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने जनता को निराश किया है। नौजवानों को अपमानित किया गया। प्रदेश में नौकरी-रोजगार का संकट है। भाजपा ने किसानों-नौजवानों को धोखा दिया। किसानों के साथ भाजपा शासन में अन्याय हुआ है। शिक्षा व्यवस्था चौपट हो गयी।

उन्होने कहा कि भाजपा ने भाषा के स्तर को गिराया और राजनैतिक मर्यादा को तार-तार किया। भाजपा ने परिवारवाद का झूठा आरोप लगाया। भाजपा सरकार में जनता संकट में है। पलायन और रोजगार की समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। राशन ओर नमक जनता के पैसे का ही है। गरीबों को धोखा नहीं देना चाहिए। महंगाई-बेरोजगारी की समस्या बढ़ती जा रही है। भाजपा ने दिल्ली से झूठ का प्रसार किया। लोकतंत्र में झूठ नहीं चल सकता। भाजपा बुनियादी मुद्दों से मुंह चुराती है। बीजेपी ने अपना घोषणा पत्र लागू नहीं किया। एक भी वायदा पूरा नहीं हुआ। यह धोखे की राजनीति है। भाजपा सरकार में माचिस की एक तीली भी नहीं बनी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने सबका साथ लेकर सबका विनाश किया। प्रशासनिक स्तर पर प्रदेश में 11 लाख पद खाली हैं। बीजेपी उद्योगपतियों से मिली हुई है। भाजपा समाज को बांटकर राजनीति करती है। उन्होने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता से किया वादा पूरा करती है। सपा की प्रतिबद्धता विकास से है। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे से परिचय सपा ने ही कराया।

उप्र में मतदान संपन्न होने पर योगी ने व्यक्त किया मतदाताओं का आभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के सभी सात चरण में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न होने पर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे लोकतंत्र और सुशासन को मजबूती मिलेगी। योगी ने सोमवार को सातवें और अंतिम चरण का मतदान शाम छह बजे पूरा होने पर कहा, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2022 का अंतिम चरण शांतिपूर्वक संपन्न हो गया है। लोकतंत्र के महोत्सव में अपने मतदान के कर्तव्य का निर्वहन करने वाले प्रत्येक सम्मानित मतदाता का हार्दिक अभिनंदन। आपका एक वोट प्रदेश में लोकतंत्र और सुशासन को मजबूत करेगा। भारत माता की जय।

गौरतलब है कि राज्य में विधानसभा की 403 सीटों के लिये 10 फरवरी से 07 मार्च तक सात चरण में हुए मतदान के बाद कुल 4406 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो गया। निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व निर्धारित चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक 10 मार्च को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किया जायेगा।

शार्ट न्यूज

जेएसडब्ल्यू वेंचर्स के नेतृत्व में क्योरस्किन ने जुटाये 50 लाख डॉलर

नयी दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - संचालित ब्यूटी और पर्सनल केयर ब्रांड क्योरस्किन ने जेएसडब्ल्यू वेंचर्स के नेतृत्व में शार्प वेंचर्स, सेंसआल और अन्य मौजूदा निवेशकों की भागीदारी में सीरीज ए राउंड में 50 लाख डॉलर की राशि जुटायी है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि क्योरस्किन ने इस राशि से अपने समग्र ग्राहक आधार को विकसित करने, आसन्न श्रेणियों में विस्तार करने तथा प्रौद्योगिकी में निवेश करने की योजना बनाई है। क्योरस्किन अपने प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म के माध्यम से विशेष रूप से तैयार किये गये रहन-सहन एवं आहार संबंधी नियमों के जरिए व्यक्तिगत परामर्श पेश करके इन चिंताओं को दूर करने का कार्य कर रहा है। क्योरस्कि ने भारत के सभी राज्यों के दूरस्थ क्षेत्रों में उपयोगकर्ताओं को सेवाएं प्रदान की हैं। क्योरस्किन ऐप के जरिए इसके उपयोगकर्ताओं मुँहासे, काले धब्बे, रंजकता, झुर्रियों आदि की फोटो लेकर विशेषज्ञों से तुरंत विश्लेषण एवं परामर्स प्राप्त कर सकते हैं। इसकी तकनीक लाखों फोटो एकत्रित करके बनाई गई है जो विभिन्न प्रकार की त्वचा में उच्च स्तर की सटीकता के साथ त्वचा की स्थिति का पता लगाती है। एक बार विश्लेषण पूरा हो जाने के बाद, क्योरस्किन एक व्यक्तिगत सुरक्षित और प्रभावी उपचार तैयार करता है जिसे इन-ऐप लेनदेन के माध्यम से खरीदा जा सकता है। इस योजना में आहार और जीवन शैली मार्गदर्शन मुफ्त दिया जाता है। इस ऐप के जरिए अच्छी त्वचा वाले लोग भी त्वचा विशेषज्ञों द्वारा डिज़ाइन की गई योजना के तहत सुझाव हासिल करके अपनी त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

एक्सिस बैंक और एयरटेल की साझेदारी

नयी दिल्ली। देश के तीसरे निजी बैंक एक्सिस बैंक और दूरसंचार सेवायें प्रदान करने वाली कंपनी भारती एयरटेल ने आज वित्तीय समाधानों की एक श्रृंखला के माध्यम से भारत के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की। देश में डिजिटल भुगतान को अपनाने में तेजी लाने के लिए, आगामी महीनों में, एक्सिस बैंक और एयरटेल विशेष रूप से एयरटेल के 34करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए कई नये-नये वित्तीय पेशकश और डिजिटल सेवाओं को बाजार में लाएंगे। इनमें उद्योग के अग्रणी लाभों के साथ पूर्व-अनुमोदित तुरंत लाभ, बाय नाउ पे लैटर आदि लाभों वाला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड शामिल होगा। यह गठबंधन, देश भर में अपनी महत्वपूर्ण पहुंच के साथ, डिजिटलीकृत भुगतानों के प्रयोग को बढ़ाकर टियर 2 और टियर 3 बाजारों में प्रवेश करने में मदद करेगा। इस साझेदारी को आज अपनी तरह के पहले 'एयरटेल एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड के लॉन्च के साथ शुरू किया गया, जो एयरटेल ग्राहकों को कैशबैक, विशेष छूट, डिजिटल वाउचर और मानार्थ सेवाओं जैसे कई आकर्षक लाभ प्रदान करेगा। यह क्रेडिट कार्ड विशेष रूप से एयरटेल थैंक्स ऐप पर निर्बाध डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से पात्र एयरटेल ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त, एक्सिस बैंक एयरटेल के सी-पास प्लेटफॉर्म - एयरटेल आईक्यू जैसी विभिन्न डिजिटल सेवाओं का उपयोग करेगा, जिनमें वॉयस, मैसेजिंग, वीडियो, स्ट्रीमिंग, कॉल मास्किंग और वर्चुअल संपर्क केंद्र समाधान शामिल हैं ताकि डिजिटल क्षमताओं का विस्तार किया जा सके। एक्सिस बैंक एयरटेल की विभिन्न साइबर सुरक्षा सेवाओं का भी उपयोग करेगा। आगे, कंपनियां क्लाउड और डेटा सेंटर सेवाओं में सहयोग करने के अन्य अवसरों का पता लगाएंगी।

बिस्किट बनाने वाली ब्रिटानिया ने बढ़ाई मुसीबत

नई दिल्ली। बिस्किट बनाने वाली कंपनी ब्रिटानिया ने निवेशकों की मुसीबत बढ़ा दी है। दरअसल, शेयर बाजार में लिस्टेड इस कंपनी के स्टॉक में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। गिरावट के इस सिलसिले की वजह से सोमवार को कंपनी का शेयर भाव अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर पर आ गया। पहले कारोबारी दिन ब्रिटानिया का शेयर भाव 3,190.10 रुपए के लो लेवल पर आ गया। वहीं, मार्केट कैपिटल भी 77 हजार करोड़ रुपए के स्तर पर है। बीते साल 14 सितंबर को शेयर का भाव 4,152.05 रुपए तक गया था, जो 52 सप्ताह का हाई लेवल है। इस लिहाज से देखें तो निवेशकों को सिर्फ 6 माह में 1 हजार रुपए प्रति शेयर का नुकसान हुआ है। फिलहाल, शेयर का भाव 3200 रुपए है। एक कारोबारी दिन पहले के मुकाबले शेयर में 5 फीसदी का नुकसान हो चुका है। दरअसल, इनपुट लागत दबाव के कारण बीते कुछ दिनों से ब्रिटानिया के शेयर में गिरावट देखने को मिल रही है। उपभोक्ता सामान कंपनियों यानी एफएमसीजी ने अपने अधिकांश कच्चे माल में महंगाई का सामना किया है। इसका उपभोक्ता सामान कंपनियों के मार्जिन पर काफी प्रभाव पड़ने की आशंका है। बता दें कि ब्रिटानिया भारत के बिस्किट और बेकरी सामानों के बाजार में अग्रणी है। इसका देश में बड़ा डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क है।

टमाटर और भिंडी के लिए नया कीटनाशक पेश

नयी दिल्ली। कृषि विज्ञान कंपनी एफएमसी इंडिया ने आज नये कीटनाशक कोरप्राइमा को लॉन्च करने की घोषणा की है जो टमाटर और भिंडी के लिए उपयोग है। एफएमसी की विश्व-अग्रणी कीट नियंत्रक टेक्नोलॉजी राइनाक्जीपिर से युक्त कोरप्राइमा देशभर में टमाटर और भिंडी के किसानों की फसलों को फ्रूट बोरर्स के विरूद्ध उन्नत सुरक्षा प्रदान करेगा। गौरतलब है कि फ्रूट बोरर्स भारतीय किसानों की बड़ी परेशानियों में से एक हैं। कीटनाशक कोरप्राइमा ने साबित किया है कि वह ज्यादा लंबे समय कीटों पर नियंत्रण रखकर और फूल तथा फल को बनाये रखकर किसानों को उनके निवेश का बेहतर प्रतिफल देता है, जिससे बेहतर गुणवत्ता की ज्यादा फसल मिलती है।

फिनटेक स्टार्टअप जूनियो ने जुटायी 60 लाख डॉलर

नयी दिल्ली। बच्चों पर केंद्रित डिजिटल भुगतान और पॉकेट मनी ऐप जूनियो ने राजीव ददलानी की महत्वपूर्ण भागीदारी के साथ संयुक्त अरब अमीरात स्थित कंपनी एनबी वेंचर्स के नेतृत्व में प्री-सीरीज ए फंडिंग राउंड में 60 लाख डॉलर की पूंजी जुटाई है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि फिनटेक स्टार्टअप जुटाई गई इस पूंजी का इस्तेमाल अपनी टीम को मजबूत करने, नई उत्पाद सुविधाओं का विस्तार करने और ग्राहक अधिग्रहण की पहलों का दायरा बढ़ाने में करेगा। शंकर नाथ और अंकित गेरा के दिमाग की उपज, जूनियो का उद्देश्य बच्चों के लिए पॉकेट मनी का डिजीटलीकरण करना और उसे पसंदीदा डिजिटल भुगतान विकल्प बनाना है। यह प्लेटफॉर्म एक स्मार्ट कार्ड प्रदान करता है, जो बच्चों को ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीदारी करने में सक्षम बनाता है। नई दिल्ली स्थित स्टार्टअप का लक्ष्य बच्चों में अनुशासन और जागरूकता का निर्माण करना है कि कैसे पैसे का प्रबंधन मज़ेदार और व्यावहारिक तरीके से किया जाए। माता-पिता के पास अपने बच्चों के खर्च करने तरीकों के बारे में साफ-साफ पता होता है, और वे धन प्रबंधन में शुरुआती सीख के जरिए उनका मार्गदर्शन कर सकते हैं।

श्री चैतन्य ग्रुप का अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ नया अभियान

नयी दिल्ली। देशभर में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य के साथ श्री चैतन्य एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन ने दक्षिण भारतीय अभिनेता अल्लू अर्जुन को अपना पहला ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। संस्थान ने आज यहां जारी बयान में कहा कि टॉलीवुड अभिनेता अल्लू अर्जुन अब श्री चैतन्य का मुख्य चेहरा होंगे जोकि भारतीय बाजारों में संस्थान की मजबूत उपस्थिति को और सदृढ़ बनाने में अहम भूमिका निभायेंगे। अल्लू अर्जुन 'सफलता से कोई समझौता नहीं' (नो कम्प्रोमाइज़ ऑन सक्सेस) के नये अभियान में नजर आयेंगे। यह कैम्पेन सफलता से कोई समझौता नहीं के कॉन्सेप्ट पर तैयार किया गया है। इस अभियान की पंच लाइन उनकी हालिया ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा' के डायलॉग थग्गेधे ले से प्रेरित है जिसका अर्थ कुछ इस तरह होगा, 'मैं झुकेगा नहीं'। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि उनकी सफलता के पीछे यही राज है। उनके व्यक्तित्व में शुमार है, कड़ी मेहनत, अनुशासन और विविधता और कभी भी हार ना मानने वाली सोच। उन्होंने यह साबित किया है कि हर किसी की तरह ही उनके भी अपने डर हैं और अनिश्चितता के ऐसे समय में, उन्होंने हिम्मत को चुना और कदम आगे बढ़ाया, इसमें वे असफल भी हो सकते थे।

रूस यूक्रेन संकट में शेयर बाजार में कोहराम, निवेशकों के डूबे 5.68 लाख करोड़

मुंबई। रूस यूक्रेन के बीच जारी जंग का समाधान नहीं होने से कच्चे में आये उबाल के कारण वैश्विक स्तर पर शेयर बाजार में हुयी भारी गिरावट का असर घरेलू शेयर बाजार पर भी दिखा जहां आज ढाई फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी जिससे निवेशकों के 5.68 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गये।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1492.06 अंकों की गिरावट लेकर 57842.75 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 382.20 अंक उतरकर 15683.15 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की साथ ही छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली हुयी जिससे बीएसई का मिडकैप 2.25 प्रतिशत टूटकर 22108.94 अंक पर और स्मॉलकैप 2.30 प्रतिशत उतरकर 25681.12 अंक पर रहा।

बीएसई में हुयी इस बिकवाली से उसका बाजारपूंजीकरण पिछले कारोबार दिवस के 24679421.38 करोड़ रुपये की तुलना में 568590.34 करोड़ रुपये घटकर 24110831.04 करोड़ रुपये पर रहा। इस तरह से निवेशकों को 5.68 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

बीएसई में शामिल सभी समूह गिरावट में जिसमें रियलटी में सबसे अधिक 5.31 प्रतिशत, बैंकिंग 4.59 प्रतिशत और वित्त 4.35 प्रतिशत प्रमुख हैं।

बीएसई में कुल 3595 कंपनियों में कुल कारोबार हुआ जिसमें से 2608 लाल निशान में जबकि 849 हरे निशान में रही। 138 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ ही खुले।

यूरोपीय बाजार और एशियाई बाजार भी लाल निशान में दिखे। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई1.64 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 3.35 प्रतिशत, जापान का निक्केई 2.94 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 3.87प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 2.17 प्रतिशत की गिरावट में रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स करीब 1160 अंकों की गिरावट लेकर 53172.51 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 53203.87 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन बिकवाली के दबाव में यह 52367.10 अंक के निचले स्तर तक उतरा।

अंत में यह पिछले दिवस के 54333.81 अंक की तुलना में 2.74 प्रतिशत अर्थात 1491.06 अंक गिरकर 52842.75 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से मात्र चार कंपनियां एयरटेल 3.46 प्रतिशत, एचसीएलटेक 1.38 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.12 प्रतिशत और इंफोसिस 0.93 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष सभी गिरावट में रहे।

एनएसई में 378 अंकों की गिरावट लेकर 15867.95 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 15944.60 अंक के उच्चतम और 15711.45 अंक के निचले स्तर के बीच रहा।

अंत में यह पिछले दिवस के 17245.35 अंक की तुलना में 2.35 प्रतिशत अर्थात 382.20 अंक गिरकर 15863.15 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल कंपनियों में से 38 लाल निशान में और 12 हरे निशान में रही।

यूक्रेन संकट से तेल 13 वर्षों के उच्चतम स्तर पर

लंदन। अमेरिका के अपने सहयोगियों के साथ रूसी आपूर्ति पर संभावित प्रतिबंध पर चर्चा करने के बयान के बाद कच्चे तेल के दाम वर्ष 2008 के बाद से उच्चतम स्तर पर139 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गये। हालाँकि बाद में इसमें कुछ नरमी आयी और अभी यह 130 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा है।

लंदन ब्रेंट क्रूड आज शुरूआती कारोबार में 139 डॉलर प्रति बैरल से पार पहुंच गया है लेकिन इसके बाद इसमें तीव्र गिरावट आयी लेकिन अभी भी यह 7.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 127.43 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 7.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 124.30 डॉलर प्रति बैरल पर है। यूक्रेन पर रूस द्वारा हमले शुरू करने के बाद से ही कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेजी बनी हुयी है। इस हमले के बाद से ही वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंका जतायी जा रही है और अब इसका असर उपभोक्ताओं पर होने लगा है।

रूस यूक्रेन जंग के कारण वैश्विक स्तर पर शेयर बाजार पर भारी दबाव दिख रहा है। सोमवार को भी इसका असर वैश्विक स्तर पर दिखा है। जापान का निक्केई और हांगकांग के हैंगसेंग के साथ ही ब्रिटेन का एफटीएसई, चीन का शंघाई कंपोजिट और जर्मनी का डेक्स के साथ ही बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी भी गिरावट में ही रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कहा कि जो बाइडेन प्रशासन और उसके सहयोगी रूसी तेल आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाने पर चर्चा कर रहे हैं।

बीबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने कहा कि सदन रूसी तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाने पर विचार रहा है। अमेरिकी सरकार का इरादा रूस के हमले से प्रभावित यूक्रेन के लिए 10 अरब डॉलर की सहायता देने पर का है। पेलोसी ने एक पत्र मे कहा, वर्तमान स्थिति में सदन ठोस कानून की तलाश कर रहा है, जिससे रूस को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग थलग किया जा सके। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में 20 फीसदी से अधिक की बढोतरी हो चुकी है।

अमेरिकी ऑटोमोबाइल संध ने रविवार को कहा कि पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की कीमतें पिछले एक हफ्ते में 11 प्रतिशत उछलकर जुलाई 2008 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी हैं। तेल कंपनी शेल ने रविवार को यूक्रेन पर हमले के बीच रूस से खरीदे गए कच्चे तेल के फैसले का बचाव किया और एक बयान में कहा कि सस्ते दामों पर तेल को खरीदने का फैसला बेहद मुश्किल भरा था। कंपनी ने पुष्टि की है कि उसने शुक्रवार को रूसी कच्चे तेल की खेप खरीदी थी, क्योंकि उसके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था।

कांदिमा मालदीव बना सर्वश्रेष्ठ वैलनेस एवं एक्टिव लाईफस्टाईल केन्द्र

नयी दिल्ली। कांदिमा मालदीव उस क्षेत्र का सबसे लोकप्रिय वैलनेस और एक्टिव लाईफस्टाईल पर्यटन केन्द्र के रूप में उभरा है। टूर ऑपरेटरों का कहना है कि डिटॉक्स, एक्टिव फिटनेस रूटीन या अवार्ड-विनिंग स्पा के अनुभव, वॉटर एक्टिविटीज़, 3 किलोमीटर लंबे द्वीप पर सुकूनभरी बाईसिकल राईड्स जैसी अनेक गतिविधियां लेकर मालदीव का सबसे कूल एक्टिव लाईफस्टाईल रिज़ॉर्ट है। कांदिमा मालदीव में 'लॉंग स्टे ऑफर' के साथ ढेर सारी गतिविधियां शुरू की गयी है। आधुनिक जीवन के तनावों से दूर शांतिपूर्ण कांदिमा मालदीव सेहत व ताजगी पर केंद्रित है और मानसिक, भावनात्मक एवं शारीरिक रूप से तरोताजा होने में मदद करता है। यह 3 किलोमीटर लंबा आईलैंड मेहमानों को अद्भुत आईलैंड पैराडाईज़ का अनुभव प्रदान करता है।

यह रिज़ॉर्ट मेहमानों को फिटनेस पर केंद्रित गतिविधियों के साथ शरीर व मन को तरोताजा करने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

पूरे द्वीप पर आयोजित होने वाली इन गतिविधियों के साथ यहां पर मालदीव का सबसे लंबा आउटडोर स्विमिंग पूल है, और अनेक खूबसूरत बीच देखे जा सकते हैं।

क्रूड ऑयल रिकॉर्ड 130 डॉलर के करीब पहुंचा

नई दिल्ली। ईरान की न्यूक्लियर डील के क्लाइमैक्स पर पहुंचने की खबरों की वजह से क्रूड ऑयल के दामों में मामूली गिरावट आई थी। उम्मीद की जा रही थी कि 2015 की डील के रिवाइव होने से ईरान पर लगे प्रतिबंध हट जाएंगे और वो दोबारा क्रूड ऑयल की सप्लाई कर सकेगा। लेकिन अब खबर आ रही है कि ईरान के तेल को मार्केट में आने में टाइम लग सकता है। ऐसे में सोमवार को क्रूड ऑयल 130 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को दिन में क्रूड 120 डॉलर तक पहुंच गया था, लेकिन शाम को न्यूक्लियर डील की खबरों के कारण ये 110 के करीब आ गया। एनालिस्ट का कहना है कि अगर इस हफ्ते भी डील फाइनल हो जाती है तब भी ईरान के ऑयल को मार्केट तक आने में मई से जून तक का समय लग सकता है। इसके बाद क्रूड सस्ता हो सकता है। जब 2015 में प्रमुख वर्ल्ड पावर्स और तेहरान के बीच पहली डील हुई थी, उस समय प्रतिबंधों को पूरी तरह से हटाने में छह महीने का समय लग गया था।

यूनाइटेड नेशन के वैरिफिकेशन के बाद ही पाबंदिया हटी थी। वहीं एनालिस्ट का यह भी कहना है कि दुनिया भर के ज्यादातर रिफाइनर कई सालों से ईरानी ऑयल नहीं ले रहे हैं और ईरान से इंपोर्ट को फिर से शुरू में 2-3 महीनों की जरूरत होगी। इसका मतलब है कि अगर भारत भी ईरान से तेल खरीद दोबारा शुरू करता है तो उसे सस्ता तेल मिलने में महीनों का समय लगेगा। 2018 तक भारत ईरान से ऑयल इंपोर्ट में नंबर दो पर था।

123 वें दिन भी स्थिर रहे पेट्रोल और डीजल के दाम, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी

नयी दिल्ली। रूस यूक्रेन संकट से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 129.50 डॉलर प्रति बैरल पहुंच जाने के बावजूद घरेलू स्तर पर आज लगातार 123वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रहे। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल रूस यूक्रेन संकट के बाद ही शुरू हो गया था। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: पांच और 10 रुपये घटाने की घोषणा के बाद 04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी। इसके बाद राज्य सरकार के मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करने के फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में भी वैट को कम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद राजधानी में 02

दिसंबर 2021 को पेट्रोल लगभग आठ रुपये सस्ता हुआ था। डीजल की भी कीमतें हालांकि जस की तस बनी रहीं। केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद अधिकांश राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भी पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) कम कर दिया था, जिससे आम आदमी को काफी राहत मिली थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयार्क में ब्रेंट क्रूड में कीमत 9.64 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 129.50 डॉलर प्रति बैरल पर थी, जबकि अमेरिकी क्रूड 8.93 प्रतिशत बढ़कर 126.00 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे :

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	95.41	86.67
कोलकाता	104.67	89.79
मुंबई	109.98	94.14
चेन्नई	101.40	91.43

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर रुपया

एक डॉलर के मुकाबले 76.92 पर पंहुचा

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से आयातित मुद्रास्फीति, व्यापार और चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका के बीच भारतीय रुपया आज शुरुआती कारोबार में अब तक के निचले स्तर पर पहुंच गया। आंशिक रूप से परिवर्तनीय रुपया 76.96 को छूने के बाद 76.92 पर कारोबार कर रहा है, यह अब तक का सबसे कमजोर स्तर है। शुक्रवार को यह 76.16 बजे बंद हुआ था। बेंचमार्क 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 6.86 प्रतिशत पर कारोबार कर रहा था।

भारत कच्चे तेल का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है, और बढ़ती

कीमतों से रुपये को भी नुकसान होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों द्वारा रूसी तेल आयात प्रतिबंध पर विचार करने के बाद सोमवार को 2008 के बाद से तेल की कीमतों में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। भारतीय शेयरों में आज 2.5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, निवेशकों ने जोखिम भरी संपत्ति को डंप किया है।

रुपए में अस्थिरता अधिक रहने की संभावना

सीआर फॉरेक्स सलाहकारों ने एक नोट में कहा है कि रुपए में अस्थिरता अधिक रहने की संभावना है। वैश्विक बिकवाली के कारण FII ने रुपये से अधिक की निकासी की है, इस कारण स्थानीय इक्विटी में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। एफआईआई मार्च में अब तक 16,800 करोड़ रुपये का स्टॉक निकाल चुके हैं।

नोट में कहा गया हैं, बैंकर का बैंक-आरबीआई ऋणदाता के अंतिम उपाय के रूप में कार्य करता है और उनका हस्तक्षेप केवल दुबते को तिनके का सहारा हो सकता है। कुल मिलाकर, सुनामी पहले ही आ चुकी है और पांच प्रमुख कारक- तेल, इक्विटी में बिकवाली, भू-राजनीतिक तनाव, मजबूत डॉलर और राज्य के चुनाव परिणाम रुपये में बड़ी उलटफेर कर सकते हैं।

ग्रोथ पर पड़ेगा असर

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना हैं, युद्ध से उत्पन्न असाधारण अनिश्चितता ने कमोडिटी बाजारों को उथल-पुथल में धकेल दिया है। 128 डॉलर पर क्रूड एक बड़ा झटका है। यह वैश्विक विकास को प्रभावित कर सकता है और मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ा सकता है।

हैदराबाद में बनेगा देश का सबसे बड़ा सेंटर, 2025 तक होगा तैयार

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में अपने नए क्लाउड डेटा सेंटर का अनाउंसमेंट किया है। इस सेंटर हैदराबाद में तैयार किया जाएगा। ये भारतीय रीजन का सबसे बड़ा डेटा सेंटर भी होगा। यहां पर क्लाउड सर्विसेज, इंटरनेट ऑफ थिंक्स, गेमिंग, सिक्योरिटी जैसी कई चीजों पर काम किया जाएगा। माइक्रोसॉफ्ट के इस इवेंट में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और राज्य के यूनियन मिनिस्टर राजीव चंद्रशेखर मौजूद रहे।

माइक्रोसॉफ्ट अपने नए डेटा सेंटर को 2 लाख 18 हजार (54 एकड़) स्क्वायर फीट में तैयार किया जाएगा। इस तैयार करने में कितने खर्च आएगा इस बारे में कंपनी ने अभी जानकारी नहीं दी है। कंपनी ने बताया कि कोविड-19 महामारी के बाद डेटा सेंटर की जरूरत महसूस हुई है। ऐसे में इस सेंटर के लिए तय बजट नहीं है। इसमें लगातार निवेश होता रहेगा। कंपनी ने ये साफ किया है कि इसे हैदराबाद रीजन में ही तैयार किया जाएगा। इसे 2025 तक तैयार किया जाएगा।

रीजन में 60 से ज्यादा डेटा सेंटर

इवेंट के दौरान माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के प्रेसिडेंट अनंत माहेश्वरी ने बताया कि रीजन में माइक्रोसॉफ्ट के 60 से ज्यादा डेटा सेंटर हैं।

जो डेली 24 ट्रिलियन से ज्यादा सिक्योरिटी सिग्नल को देखते हैं। कंपनी ने 2015 में भारत में तीन डेटा सेंटर शुरू किए थे। जिसके बाद इसकी संख्या लगातार बढ़ रही है। भारत में माइक्रोसॉफ्ट के डेटा सेंटर अब दिल्ली/एनसीआर अहमदाबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, चेन्नई में है। वहीं, इन सभी से बड़ा डेटा सेंटर हैदराबाद में शुरू होगा।

इंडिया लीड डिजिटल को एक्सप्लेन किया

अनंत माहेश्वरी ने इंडिया लीड डिजिटल के तीन वर्ड को तीन अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ एक्सप्लेन किया। उन्होंने बताया कि भारत कैसे डिजिटलाइजेशन की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इंडिया लीडिंग डिजिटल : देश में 624 मिलियन इंटरनेट यूजर्स हैं। इसमें 448 मिलियन सोशल मीडिया यूजर्स हैं। 150 मिलियन ऑनलाइन कंज्यूमर हैं। भारत में दुनिया के सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम है और यहां पर सबसे बड़ा डिजिटल आइडेंटिटी ईकोसिस्टम है।

डिजिटल लीडिंग इंडिया : भारत में 194 बिलियन डॉलर की आईटी इंडस्ट्रीज हैं। 12 बिलियन ऐप्स डाउनलोड हुए हैं। स्टार्टअप ईकोसिस्टम के लिए भारत दुनिया की तीसरा सबसे बड़ा देश है। यूनिकॉर्न ईकोसिस्टम में तेजी से ग्रोथ हो रही है। ढ्ढ में लीडर बन चुका है।

माइक्रोसॉफ्ट की 14 हजार पार्टनर कंपनीज

इवेंट के दौरान कंपनी ने बताया कि देशभर में उसकी 3.40 लाख कंज्यूमर ऑर्गनाइजेशन हैं। इसके लिए वो 14 हजार पार्टनर कंपनीज के साथ काम करती है। माइक्रोसॉफ्ट के पास देश में 18 हजार एम्प्लॉई हैं।

दक्षिण अफ्रीका को भारतीय पर्यटकों की संख्या में इस वर्ष 64 फीसदी वृद्धि की उम्मीद

नयी दिल्ली। भारत में यात्राओं को फिर से वापस पटरी पर लाने के लिए दक्षिण अफ्रीकी पर्यटन भारत में अपनी सबसे बड़ी यात्रा व्यापार पहल के जरिए अपने वार्षिक रोड शो के साथ देश में मौजूद मजबूत उपभोक्ता मांग का लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है। पर्यटन बोर्ड ने भारतीय बाजार में लंबी अवधि के निवेश और रुचि का प्रदर्शन करते हुए 2022 में भारतीय आगंतुकों की संख्या में सालाना 64 प्रतिशत वृद्धि हासिल करने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप की रूपरेखा तैयार की है।

इस साल मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और अहमदाबाद के भारतीय शहरों की यात्रा करते हुए, 36-सदस्यीय दक्षिण अफ्रीकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने गंतव्य और उत्पाद की पेशकश के विस्तार पर पर्यटन बोर्ड ने फिर से जोर दिया ताकि भारतीय उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक की पेशकश की जा सके। अनुभवों के अलावा, आवास प्रतिष्ठानों, गंतव्य प्रबंधन कंपनियों, दक्षिण अफ्रीकी प्रांतों, एसएमएमई और महिलाओं के स्वामित्व वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भारतीय यात्रा और व्यापार सहयोगियों को शामिल करते हुए अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रदर्शन किया।

भारत दक्षिण अफ्रीकी पर्यटन के लिए शीर्ष 3 फोकस बाजारों में अपना स्थान बरकरार रखे हुए है। यह इस तथ्य से समर्थित है कि महामारी से पहले, भारत दक्षिण अफ्रीका के लिए 8वें सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय स्रोत बाजार के रूप में कार्य करता था। देश के इस साल भी टॉप-10 में अपनी स्थिति बनाए रखने की उम्मीद है। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई और पुणे दक्षिण अफ्रीका के लिए शीर्ष भारतीय स्रोत बाजार बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीकी पर्यटन में एमईआईएसईए के हब हेड नेलिस्वा नकानी ने आज कहा, हमने पिछले दो साल इस सटीक क्षण की उम्मीद और तैयारी में बिताए हैं, जो है, यात्रा की वापसी! दक्षिण अफ्रीकी व्यवसायों के भारतीय तटों पर उतरने के साथ ही हम अपने भागीदारों और उपभोक्ताओं को मूल्य-संचालित और सोच-समझकर तैयार किए गए रोमांच की मेजबानी करने के लिए उत्साहित हैं।

कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी

मुंबई। रूस यूक्रेन के बीच जारी जंग से कच्चे तेल में आये उबाल के बीच शेयर बाजार में जारी गिरावट के कारण निवेशकों के कारण निवेशकों के कीमती धातुओं की ओर रूख करने से आज सोना और चाँदी में जबरदस्त तेजी रही। इस दौरान घरेलू स्तर पर सोना करीब 900 रुपये की बढ़त के साथ ही 53 हजार रुपये प्रति दस ग्राम के पार और चाँदी भी करीब 1300 रुपये की उछाल लेकर 70 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गयी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 1.09 प्रतिशत बढ़कर दो हजार डॉलर प्रति औंस की ओर लपकते हुये 1989.92 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिकी सोना वायदा 1.34 प्रतिशत उछलकर 1991.50 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

शार्ट न्यूज

'यह अब नॉर्मल है' अभियान की नई प्रोमो फिल्म में नए अवतार में धोनी

मुंबई। आईपीएल के आधिकारिक प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने आईपीएल को भारत में वापसी के उत्साह का जश्न मनाने के लिए 'यह अब नॉर्मल है' अभियान के तहत दूसरी प्रोमो फिल्म लॉन्च की है, जिसमें पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी नए अवतार में नजर आ रहे हैं। स्टार स्पोर्ट्स द्वारा लॉन्च की गई नई अभियान फिल्म में धोनी को एक विशिष्ट भारतीय घर के बड़े-बुजुर्ग के रूप में दिखाया गया है, जहां पूरा परिवार आईपीएल के रोमांचक मैच को देखने के लिए टेलीविजन सेट से जुड़ा हुआ है। इसी बीच फोन की घंटी बजती है और मैच का रोमांच और मूड बिगड़ जाता है। फिर स्थिति को संभालने के लिए धोनी और उनका परिवार यह सुनिश्चित करने के लिए कि उन्हें उनका पसंदीदा टूर्नामेंट देखने से कोई परेशान न करे, सबसे बड़ा मृत्यु का कारण बताते हैं, यह दोहराते हुए कि आईपीएल सीजन 'यह अब नॉर्मल है' के दौरान ऐसे कारण सामान्य हैं। इससे पहले वाली प्रोमो फिल्म में धोनी बस ड्राइवर के लुक में नजर आए थे। उल्लेखनीय है कि 2022 टाटा आईपीएल 26 मार्च से शुरू हो रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबले के साथ टूर्नामेंट का आगाज होगा।

अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ ने पुतिन को मानद अध्यक्ष पद से हटाया

बुडापेस्ट। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी बिजनसमैन अर्कडी रोटेनबर्ग को अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ (आईजेएफ) के सभी पदों से हटा दिया गया है। आईजेएफ ने रविवार को एक बयान में कहा, व्लादिमीर पुतिन और अर्कडी रोटेनबर्ग को अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ के सभी मानद पदों से हटाया जाता है। उल्लेखनीय है कि पुतिन आईजेएफ के अध्यक्ष, जबकि रोटेनबर्ग आईजेएफ कार्यकारी समिति में बतौर विकास प्रबंधक कार्यरत थे।

भारतीय पुरुष टीम ने 25 मीटर रैपिड फायर में जीता रजत

काहिरा। अनीश भानवाला, गुरप्रीत सिंह और भावेश शेखावत की भारतीय पुरुष 25 मीटर पिस्टल टीम ने सोमवार को आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में रैपिड फायर पिस्टल टीम स्पर्धा में जर्मनी से स्वर्ण पदक मैच 7-17 से हार कर रजत पदक जीता। स्पर्धा में चेक गणराज्य ने इंडोनेशिया को 16-0 से हराकर कांस्य पदक जीता। दूसरे क्वालिफिकेशन चरण में भारत 568 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि जर्मनी 567 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं पहले क्वालिफिकेशन चरण में जर्मनी 881 अंकों के साथ शीर्ष पर था, जबकि भारत ने 862 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था। भारत अब प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं नॉर्वे तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

बीसीसीआई ने बायजूस के साथ जर्सी प्रायोजन को एक साल और बढ़ाया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और बायजूस ने भारतीय क्रिकेट टीम के जर्सी प्रायोजन के समझौते को और एक साल तक आगे बढ़ाने का फैसला किया है। क्रिकबज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई की शीर्ष परिषद (एपेक्स काउंसिल) ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित बहुराष्ट्रीय शैक्षिक तकनीक कंपनी बायजूस के साथ विस्तार को मंजूरी दी थी। वैसे यह समझौता श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा सीरीज के बाद समाप्त होना था। एपेक्स काउंसिल की हालिया बैठक के फैसलों से परिचित बीसीसीआई के कई सदस्यों ने सोमवार को क्रिकबज को बताया, समझौते को एक साल तक के लिए रिन्यू (नवीनीकृत) किया गया है। वैसे यह समझौता मौजूदा श्रृंखला सीरीज के बाद समाप्त होने वाला था। उल्लेखनीय है कि बायजूस 2019 में चीनी मोबाइल फोन कंपनी ओप्पो की जगह भारतीय क्रिकेट टीम का जर्सी प्रायोजक बना था। यह समझौता आधिकारिक रूप से सितंबर 2019 से शुरू हुआ था। बीसीसीआई ने मई 2019 में एक बयान में कहा, बायजूस वर्तमान टीम प्रायोजक ओप्पो मोबाइल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सभी दायित्वों को संभालेगा। बीसीसीआई भारत के अग्रणी शिक्षा एवं शिक्षण ऐप बायजूस का पांच सितंबर, 2019 से 31 मार्च, 2022 तक भारतीय क्रिकेट टीम का आधिकारिक जर्सी प्रायोजक के रूप में स्वागत करते हुए प्रसन्न है। क्रिकबज के मुताबिक ओप्पो से प्रायोजन अधिकारों के हस्तांतरण के बाद बायजूस एक द्विपक्षीय सीरीज के लिए 4.61 करोड़ और एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के मैच के लिए बीसीसीआई को 1.56 करोड़ रुपये का भुगतान कर रहा है।

आईसीसी ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में गार्डनर के रिप्लेसमेंट को दी मंजूरी

क्राइस्टचर्च। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला क्रिकेट विश्व कप इवेंट तकनीकी समिति ने कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गईं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एशले गार्डनर के अस्थायी रिप्लेसमेंट (प्रतिस्थापन) के रूप में हीथर ग्राहम को ऑस्ट्रेलिया टीम में शामिल किए जाने की मंजूरी दे दी है। आईसीसी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि कोविड रिप्लेसमेंट केवल अस्थायी हो सकता है। एक बार खिलाड़ी के ठीक हो जाने के बाद उसे यात्रा रिजर्व के स्थान पर टीम में लौटना होगा, जिसे रिप्लेस किया गया है। गार्डनर तीन मार्च को कोरोना से संक्रमित पाई गई थीं। वह वर्तमान में आईसीसी और न्यूजीलैंड सरकार के स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों के तहत 10 दिनों के अनिवार्य क्वारंटीन से गुजर रही हैं। उल्लेखनीय है कि ग्राहम ने 2019 में श्रीलंका के खिलाफ अपना एकमात्र अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था, जहां उन्होंने आठ ओवर में 29 रन देकर एक विकेट लिया था।

न्यूजीलैंड ने बंगलादेश को नौ विकेट से रौंद कर महिला विश्व कप 2022 में दर्ज की पहली जीत

डुनेडिन। एमी सैटरथवेट (25 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी तथा सूजी बेट्स (79) और अमेलिया केर (47) की शानदार पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने यहां सोमवार को बंगलादेश को एकतरफा अंदाज में नौ विकेट से हरा कर महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 में पहली जीत दर्ज की। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की टीम बारिश के कारण निर्धारित 27 ओवर में न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के चलते आठ विकेट पर 140 रन ही बना सकी। जवाब में न्यूजीलैंड ने बेट्स के शानदार अर्धशतक और अमेलिया की बेहतरीन पारी से 20 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 144 रन बना कर आसानी से मैच जीत लिया। बेट्स ने आठ चौकों की मदद से 68 गेंदों पर 79, जबकि अमेलिया ने पांच चौकों के सहारे 37 गेंदों पर 47 रन बनाए। इससे पहले गेंदबाजी में सैटरथवेट ने पांच ओवर में 25 रन पर सर्वाधिक तीन तथा हेले जेन्सेन और फ्रांसिस मैके ने एक-एक विकेट लिया। बेट्स को मैच विजयी अर्धशतक के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वहीं बंगलादेश की ओर से अनुभवी सलामी बल्लेबाज फरगना होक ने एक चौके की मदद से 63 गेंदों पर 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उनके अलावा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज शमीमा सुल्ताना ने चार चौकों के सहारे 36 गेंदों पर 33 रन बनाए। गेंदबाजी में केवल सलमा खातून को एक विकेट मिला। न्यूजीलैंड की टीम इस जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर आ गई है। बड़ी जीत के साथ उसे नेट रन रेट में भी काफी फायदा हुआ है। उल्लेखनीय है कि वेस्ट इंडीज के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में न्यूजीलैंड जीत के बहुत करीब आकर हार गया था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक चाहते हैं शाकिब

मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि हमारे पास हर चीज के बारे में स्पष्टता हो। बोर्ड को लिखे मेरे पत्र में छह महीने का जिक्र नहीं था। मैंने बोर्ड से कहा कि मैं इस साल 22 नवंबर तक टेस्ट से बाहर रहना चाहता हूं। मैं पूरी तरह से सफेद गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान देना चाहता था, क्योंकि अगले दो वर्षों में हमारे सामने दो विश्व कप हैं। शाकिब ने कहा, मैं टेस्ट को पूरी तरह से छोड़ना नहीं चाहता था, लेकिन क्योंकि हम टेस्ट टीम में थोड़ा संतुलन ढूंढ रहे हैं, इसलिए मुझे लगा कि अगर मैं अपनी उम्र और शारीरिक फिटनेस को देखते हुए सफेद गेंद पर ध्यान केंद्रित करता तो मैं एकदिवसीय और टी-20 मैचों में बेहतर कर सकता था

ढाका। बंगलादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कहा है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक लेने की जरूरत है। अपने इस बयान से उन्होंने बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस को संकेत दिया है कि वह इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं, ताकि वह इसी दौरे पर टेस्ट सीरीज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा होकर वापसी कर सकें।

उल्लेखनीय है कि शाकिब को पिछले हफ्ते वनडे और टेस्ट दोनों टीमों में चुना गया था, जब बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने शाकिब के टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भी सहमत होने का दावा किया था। शाकिब ने रविवार को व्यक्तिगत काम से ढाका से दुबई रवाना होने से पहले कहा कि वह हाल ही में समाप्त हुई अफगानिस्तान श्रृंखला में एक यात्री की तरह महसूस कर रहे थे, जहां उन्होंने वनडे और टी-20 दोनों सीरीज में 74 रन बनाए थे और सात विकेट लिए थे।

स्टार ऑलराउंडर ने कहा था, मेरी मानसिक और शारीरिक स्थिति को देखते हुए मुझे नहीं लगता कि मैं इतना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकता हूं। अगर मुझे ब्रेक मिलता है और रुचि वापस आ जाती है तो मैं और आसानी से खेल सकता हूं। मैं अफगानिस्तान सीरीज में एक यात्री की तरह था, जो कभी वांछनीय नहीं होता। मैंने वनडे और टी-20 का लुत्फ नहीं उठाया। मुझे नहीं लगता कि मुझे इस तरह की मानसिकता के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर होना चाहिए। जब मैं खेल रहा होता हूं तो मैं सभी की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहता हूं। मेरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोई गारंटी नहीं है, लेकिन कम से कम मुझे पता चल जाएगा कि मैंने देश के लिए सबसे कठिन प्रयास किया। मैं समय या किसी की जगह बर्बाद नहीं करना चाहता। इस तरह एक यात्री के तौर पर खेलना मेरे साथियों और देश को धोखा देने जैसा होगा। शाकिब ने कहा कि उन्होंने बीसीबी प्रमुख हसन से कहा था कि वह दक्षिण अफ्रीका में दोनों प्रारूपों के लिए दौरा करेंगे, लेकिन अफगानिस्तान श्रृंखला के दौरान उनके विचार दूसरे थे। उन्होंने कहा, मैंने जलाल भाई को सूचित किया है जिन्होंने मुझे कुछ दिनों के लिए इसके बारे में सोचने के लिए कहा है। मैं इसके बाद एक निर्णय लूंगा। मैंने पहले पापोन भाई से बात की थी कि मैं दोनों श्रृंखला खेलूंगा, लेकिन मैंने कल मैच के बाद काफी सोचा। मेरी मानसिक और शारीरिक स्थिति को देखते हुए मुझे थोड़ा समय चाहिए। मैं बेहतर शारीरिक स्थिति में टेस्ट खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका टेस्ट से बाहर हो सकता हूं। शाकिब ने कहा कि वह चाहते हैं कि बीसीबी उनके करियर के उन्नत चरण को ध्यान में रखते हुए उनके लिए एक साल की योजना तैयार करे। उन्होंने कहा कि उन्होंने बीसीबी से नवंबर के मध्य तक सभी टेस्ट सीरीज से ब्रेक के लिए कहा था, न कि केवल छह महीने के लिए जैसा कि हसन ने पिछले हफ्ते कहा था।

भारतीय फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री बहरीन में मैत्री मैचों से चूकेंगे

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री बहरीन और बेलारूस के खिलाफ एक के बाद एक होने वाले दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से चूकेंगे।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की ओर से सोमवार को मैत्री मैचों के लिए चुने गए 38 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की सूची में छेत्री का नाम नहीं है। एआईएफएफ द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में सुनील ने कहा, मैं सच में बहरीन और बेलारूस के खिलाफ दो मैत्री मैचों का इंतजार कर रहा था और यह अफसोस की बात है कि मैं इससे चूक रहा हूं। यह एक लंबा और मुश्किल सीजन रहा है तथा मुझे कुछ छोटी चोटें आई हैं, जिन्हें ठीक होने के लिए समय चाहिए। मैं मई में गहन तैयारी शिविर के लिए समय पर ठीक होने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।

भारतीय फुटबॉल कप्तान ने कहा, इस टीम में अपार संभावनाएं हैं और लीग सीजन में अच्छे प्रदर्शन के दम पर बहुत सारे खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। मुझे यकीन है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। मैं टीम को शुभकामनाएं देता हूं। इसके अलावा युवा खिलाड़ी आशिक कुरुनियान भी तैयारी शिविर के लिए रिहैबिलिएटेशन (पुनर्वास) कर रहे हैं। मंगलवार से शुरू होने वाले अभ्यास शिविर के लिए खिलाड़ी मुख्य कोच और सपोर्ट स्टाफ के साथ मंगलवार को पुणे में इकट्ठा होंगे।

जिन खिलाड़ियों के क्लब मौजूदा हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सेमीफाइनल खेलेंगे, वे क्लब की प्रतिबद्धताओं के समाप्त होने पर शिविर में शामिल होंगे। भारतीय टीम 21 मार्च को बहरीन के लिए उड़ान भरेगी और यहां 23 मार्च को बहरीन और 26 मार्च को बेलारूस के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी।

डनेडिन में गीले मैदान पर खेल जारी रखने से बांग्लादेश की कप्तान निगर सुल्ताना नाराज

डुनेडिन। बांग्लादेश की कप्तान निगर सुल्ताना ने डनेडिन की परिस्थितियों की आलोचना की, जहां उनकी टीम ने बारिश से प्रभावित मैच में मेज़बान न्यूज़ीलैंड के हाथों महिला विश्व कप 2022 का अपना दूसरा मैच गंवा दिया। उन्होंने गीली आउटफ़ील्ड को नहीं खेलने लायक बताया और कहा कि वह अपने खिलाड़ियों की 'सुरक्षा' को लेकर चिंतित थीं। चार घंटे से अधिक की बारिश की देरी ने मैच को प्रति पारी 27 ओवर कर दिया, और दूसरी पारी में बूंदाबांदी लौट आई, जब बांग्लादेश 140 के बचाव में क्षेत्ररक्षण कर रहा था।

निगर सुल्ताना ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, %%सबसे पहले मैं कहना चाहूंगी कि खेलने योग्य परिस्थितियां नहीं थी। क्योंकि वहां बहुत बारिश हुई थी, लेकिन फिर भी हम वहां खेले। कभी-कभी गेंदबाज़ गेंद को सही से पकड़ नहीं पा रहे थे, और सीमारेखा के पास फ़ील्डिंग कर रहे फ़ील्डर गेंद को अच्छी तरह से नहीं देख पा रहे थे। मैं अपने फ़ील्डरों की सुरक्षा को लेकर थोड़ा चिंतित थी, क्योंकि हमें अभी पांच मैच और खेलने हैं। इसलिए इस तरह की परिस्थितियों में खेलना हमारे लिए मुश्किल था।%% न्यूज़ीलैंड की टीम जब लक्ष्य का पीछा कर रही थी, मौसम बिगड़ना शुरू हो गया। ड्रिंक्स ब्रेक होने से पहले न्यूज़ीलैंड 13 ओवर के बाद 1 विकेट के नुक़सान पर 73 रन बना चुकी थी। बांग्लादेश की टीम डगआउट की ओर जा रही थी जब अंपायरों ने ड्रिंक्स वापस भेज दिया और खेल जारी रखने के लिए कहा। शेष 68 रन बनाने के लिए न्यूज़ीलैंड ने केवल सात ओवर लिए।

हालांकि बांग्लादेश ने खेल जारी रखने के लिए ऑनफ़ील्ड निर्देशों को मान लिया। सुल्ताना ने 15 ओवर के बाद फिर से अंपायरों से बात की लेकिन हल्की बारिश के साथ खेल फिर से जारी रहा। बाद में उन्होंने संकेत दिया कि वह चाहती थीं कि खेल को रोका जाए लेकिन अधिकारियों को मना नहीं सकीं। सुल्ताना ने कहा, जब हम मैदान पर थे, हमने अंपायरों से पूछा कि क्या हम इन परिस्थितियों में खेल जारी रखेंगे, और वे कहते रहे कि हमें जारी रखना चाहिए। मैदान पर मैं और कुछ नहीं कर सकती थी। लेकिन हम चिंतित थे, इसलिए मैदान के बाहर हम वहीं कर सकते हैं जो हम कर सकते हैं, जो भी हम कर सकते हैं उससे बात करें और देखें कि हम जोखि़म को कैसे कम कर सकते हैं। हम मैच रेफरी को बताएंगे कि स्थितियां ऐसी थीं। अगली बार इसे बेहतर बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए। देखिए हम विश्व कप में कुछ खिलाड़ियों को ही लाते हैं। इसलिए हमारे लिए मुश्किल हो जाता है अगर कोई अचानक चोटिल हो जाता है। हम बांग्लादेश से हैं, जो यहां से बहुत दूर है। इसलिए घर से एक नये खिलाड़ी को लाने पर उसे दस दिनों के क्वारंटीन से गुजरना पड़ता, और जबतक वो मैदान पर आएगी तब तक टूर्नामेंट ख़त्म हो जाएगा।

टूर्नामेंट में बांग्लादेश के पांच मैच शेष थे, सुल्ताना को चिंता थी कि अगर उनके किसी भी खिलाड़ी को चोट लगती है, तो इससे बांग्लादेश को संसाधनों की कमी हो जाती और वे कड़ी टक्कर नहीं दे पाते। उन्होंने अधिकारियों से खिलाड़ियों की भलाई पर विचार करने के लिए कहा है, ख़ासकर अगर नम मौसम जारी रहता है। सुल्ताना ने कहा, %%हम बचे हुए मैच तभी खेल सकते हैं जब मेरे खिलाड़ी सुरक्षित हों। उन खिलाड़ियों की सुरक्षा जिनके सहयोग से मैं चुनौतियों का सामना करने जा रही हूं, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है।

सुल्ताना ने किसी भी संकेत को खारिज कर दिया कि वह बांग्लादेश के प्रदर्शन के लिए बहाना बना रही थीं और तुलनात्मक रूप से शुष्क परिस्थितियों की ओर इशारा किया जिसमें न्यूज़ीलैंड ने गेंदबाज़ी की। उन्होंने कहा, अगर आपको लगता है कि यह एक बहाना है, तो ऐसा नहीं है। पहली पारी के दौरान भी बारिश हुई थी, लेकिन परिस्थितियां ऐसी नहीं थी।

यूक्रेन में खोले गये बेलारूस-रूस के लिए गलियारे

मॉस्को। यूक्रेन में बड़ी संख्या में फंसे हुए भारतीय छात्रों के लिए रूस ने यूक्रेन के विभिन्न शहरों में नए मानवीय गलियारों को खोल दिया है, जिससे छात्र बेलारूस और रूस की ओर जा सकते हैं।

रूस की समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने निकलने के मार्गों की जानकारी देते हुए बताया कि नागरिक इस गलियारे का इस्तेमाल कर रूस और बेलारूस के लिए निकल सकते हैं, जो यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में एक साथ हैं। कीव से निकलने वाले गलियारे से नागरिक बेलारूस की ओर जा सकते हैं, जबकि खारकिव के गलियारे से रूस जाया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि मारियुपोल और सुमी शहर से निकलने वाले गलियारे यूक्रेन के विभिन्न शहर और रूस की ओर जाते हैं। यहां बड़ी संख्या में भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। फ्रांस के समाचार चैनल 'बीएफएमटीवी' ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों रूस की ओर जाने वाले गलियारों के लिए किए गए अपने आग्रह को नकार चुके हैं। एलिसी राष्ट्रपति भवन ने बीएफएमटीवी को बताया कि राष्ट्रपति ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी बातचीत में रूस की ओर जाने वाले गलियारे का कोई आग्रह प्राप्त नहीं किया है।

रूस ने यूक्रेन से नागरिकों को निकलने के लिए युद्धविराम की घोषणा की थी। बीबीसी ने बताया की राजधानी कीव के साथ-साथ खारकिव, मारियुपोल और सुमी में निकलने के रास्ते स्थापित किए जाएंगे। इन सभी शहरों में इस वक्त रूसी सैन्य अभियान जारी है। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह युद्धविराम स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे (भारतीय समय 12:30 बजे) से होगा, हालांकि यूक्रेन के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। सप्ताहांत में, देश के दक्षिण-पूर्व में मारियुपोल से नागरिकों को निकालने के लिए एक मार्ग खोलने के दो प्रयास विफल हो गए। सोमवार को एक परिवार के तीन लोग जिनमें एक मां और उसके दो बच्चों समेत चार लोगों को मौत हो गयी, जब वह इरपिन शहर से भागने का प्रयास कर रहे थे।

यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि यह युद्धविराम के समय के बावजूद रूस द्वारा की गयी बमबारी के कारण हुआ।

न्यूयॉर्क से विशेष विमान से 50 लोग रूस के लिए रवाना

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एक विशेष विमान 50 लोगों को लेकर मॉस्को के लिए रवाना हुआ जिनमें ज्यादातर रूसी राजनयिक और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र में रूसी मिशन ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र से निष्कासित रूस के राजनयिक रविवार को अपने परिवारों के साथ न्यूयॉर्क से मॉस्को के लिए रवाना हुए। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी सदस्य वसीली नेबेंजिया ने कहा कि अमेरिका ने रूस के स्थायी मिशन से संयुक्त राष्ट्र में 12 राजनयिकों को गैर ग्रेटा घोषित किया था और सात मार्च तक देश छोड़ने के लिए कहा गया था। सीएनएन ने राजदूत रिचर्ड मिल्स के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि इन्हें राजनयिकों के रूप में उनकी जिम्मेदारियों और दायित्वों के अनुरुप नहीं, बल्कि उनकी कार्रवाई के कारण हटा दिया गया।

यूक्रेन से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए रूस युद्ध रोकने को हुआ तैयार

मास्को। युद्धग्रस्त यूक्रेन के विभिन्न शहरों में हो रही गोलाबारी के बीच फंसे भारतीय छात्रों समेत सैंकडों लोगों की सुरक्षित निकासी के परिप्रेक्ष्य में मानवीय गलियारा बनाने के वास्ते रूस युद्धविराम के लिए तैयार हो गया है। मीडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।

बीबीसी ने कहा यूक्रेन के राजधानी शहर के साथ साथ खारकीव, मारियूपॉल और सुमी में रूसी सेनाओं को सबसे जबरदस्त हमला हुआ है और इन्हीं शहरों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सुरक्षित गलियारे बनाये जायेंगे।

रूस के रक्षा मंत्रालय के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह दस बजे से और भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े बारह बजे से युद्धविराम किया जायेगा हालांकि यूक्रेनी प्रशासन की ओर से इसकी पुष्टि होना बाकी है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और यूक्रेन के नेतृत्व से होने जा रही बातचीत से पहले जारी युद्ध के बीच यह बदलाव सामने आया है।

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों के अनुरोध के बाद रूस ने सोमवार को यूक्रेन में फंसे विदेशियों के लिए मानवीय गलियारे खोलने के लिए भारतीय समयानुसार दोपहर 12.30 बजे से संघर्ष विराम की घोषणा की है। बयान मे कहा गया कि युद्धविराम के दौरान रूस ड्रोन की मदद से नागरिकों को सुरक्षित निकलने में भी मदद करेगा।

रूस अब यूक्रेन से किसी निश्चित कार्रवाई का इंतजार कर रहा है।

बयान में कहा गया हम मानवीय गलियारा बनाये जाने के लिए और विदेशी लोगों के साथ नागरिकों के सुरक्षित निकलने की व्यवस्था करने की यूक्रेन से अपील करते हैं।

यूक्रेन : धमाकों और हर पल मौत की आशंका के बीच गूंजी किलकारी

एजेंसी

कीव। यूक्रेन में रूसी हमले से थर्रा रहे विभिन्न शहरों में जबरदस्त धमाकों और हर पल मौत की आशंका के बीच एक महिला ने जीवन की संभावनाओं को उजागर करते हुए एक बच्चे को जन्म दिया है।

राजधानी कीव के एक स्वतंत्र समाचार पत्र ने भीषण युद्ध के हालातों के बीच एक मासूम को जन्म देने वाली 25 वर्षीय मारिया शोस्ताक के हवाले से बताया कि उनके देश पर रूसी हमले के दूसरे दिन एक बेहद ठंडे बेसमेंट में भयावह हालात में उन्होंने शिशु (बेटे) को जन्म दिया।

मारिया ने कहा, मैंने किसी तरह की चिकित्सीय जानकारी में नहीं पडूंगी लेकिन संभवत- पिछले भयावह सप्ताह के बीच प्रसव का समय मेरे लिए ऐसा समय था जब मैं ऊपर बरस रहे बमों के खतरे को भूल गयी थी। दिल दहलादेने वाले धमाकों के बीच मारिया ने बच्चे को सामान्य रूप से जन्म देने के लिए पांच घंटे तक इंतजार किया लेकिन बिगड़ती हालत के कारण अंतत- ऑपरेशन ककी तैयारी की गयी। जिस समय मारिया प्रसव पीड़ा से गुजर रहीं थी उस दौरान हवाई हमले की आशंका में सायरन का शोर गूंज रहा था और अस्पताल के बंकर में उनके पति एक नर्स के साथ उनके बच्चे को लेकर आये। बेहोशी की हालत में ही उन्होंने सुना कि उनके बच्चे का वजन 4 09 किलोग्राम है।

प्रसव के बाद अगले तीन दिन मारिया और उसके परिवार ने एक शरणस्थल में बिताये। मारिया ने बताया कि ऑपरेशन के बाद वह इतना अधिक दर्द में थीं कि न तो बोल पा रहीं थीं और न ही अकेले सीढ़िया चढ़ पाने में समर्थ थीं। मैं और मेरे पति शरणस्थल के दालान में बैठे रहे। यह मेरे जीवन का सबसे अधिक खराब समय था जब प्रसव के बाद मेरे पैरों में जबरदस्त सूजन आ गयी थी और मैं जल्द से जल्द बिस्तर पर आराम करने के लिए तरस रही थी।

जेलेंस्की ने की रूस पर अधिक प्रतिबंध लगाने की मांग

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस से आयात-निर्यात का बहिष्कार करने के लिए सोमवार को उस पर नए प्रतिंबध लगाने की मांग की। स्पूतनिक ने श्री जेलेंस्की के वीडियो संबोधन के हवाले से कहा, यदि आक्रमण जारी रहा और रूस ने यूक्रेन के विरूद्ध योजनाओं को नहीं रोका, तो नए प्रतिबंधों की आवश्यकता है। नए प्रतिबंध शांति के लिए युद्ध के विरूद्ध उठाए जाने वाले कदम हैं। रूसी निर्यात का बहिष्कार, विशेष रूप से रूस के तेल और इससे जुड़े उत्पादों की अस्वीकृति, इसे एक प्रतिबंध कहा जा सकता है ... रूस में आयात का बहिष्कार। यूक्रेनी आपातकाल सेवा ने सोमवार को बताया कि खारकिव के रिहायशी इलाकों में रूसी बमबारी में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी है। सीएनएन ने एजेंसी के हवाले से बताया कि रूसी बमबारी में शनिवार को रिहायशी इमारत, प्रशासनिक इमारत, मेडिकल अनुसंधान, शिक्षण संस्थान और छात्रावास पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। बयान में आगे कहा गया कि शहर के मध्य भाग की 21 इमारतों पर गोलाबारी की गयी और वहां तकरीबन 200 लोगों को बचाया गया है।

रूस-यूक्रेन विवाद पर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में सुनवाई शुरू

हेग। नीदरलैंड के हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में सोमवार को रूस और यूक्रेन में जारी युद्ध के मुद्दे पर सुनवाई शुरू हुई। यूक्रेन ने कहा है कि रूस एक 'अस्तित्वहीन नरसंहार' को रोकने के लिए किसी संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण नहीं कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक इस मुद्दे पर मंगलवार को भी सुनवाई होगी। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख न्यायिक इकाई के रूप में विवादों के शांतिपूर्ण समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यूक्रेन ने 26 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में याचिका दायर कर नरसंहार के अपराध की रोकथाम और सजा से संबंधित संधि के तहत रूस के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने तथा रूस को यूक्रेन में सभी सैन्य कार्रवाइयों को तुरंत रोकने का निर्देश देने की अपील की थी। यूक्रेन ने अपनी याचिका में कहा, आक्रामकता को सही ठहराने के लिए नरसंहार की धारणा में हेरफेर करने के लिए रूस को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यूक्रेन ने लुहान्स्क और डोनेट्स्क प्रांत में नरसंहार की घटना के रूस के दावे को खारिज किया है।

नतालिया ने की यूक्रेन के शरणार्थियों की मदद करने की अपील

चिशिनाउ। माल्दोवा की प्रधानमंत्री नतालिया ग्वरिलिटा ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यूक्रेन के शरणार्थियों की मदद करने की अपील की। सीएनएन न्यूज चैनल को दिए साक्षात्कार में सुश्री नतालिया ने कहा, हम भयंकर मानवीय संकट झेल रहे हैं। करीब 2.30 लाख लोग यूक्रेन से मोल्दोवन की सीमा में प्रवेश कर चुके हैं और लगभग 1.20 लाख लोग यहां रहना चाहते हैं और 96 हजार यूक्रेन के नागरिक हैं। उन्होंने कहा,माल्दोवा में प्रत्येक आठ में से एक बच्चा शरणार्थी है। उन्होंने बताया कि देश में शरणार्थियों की संख्या देश की कुल आबादी 20.60 लाख का चार प्रतिशत है। उन्होंने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करते हुए यूक्रेनी निवासियों की सहायता करने के लिए अपने देश के लोगों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा, रूस और यूक्रेन युद्ध के महज 10 दिन बाद हमारे लोगों को शरण देने की क्षमता पूरी हो चुकी है। मेरा मानना है कि पूर्वानुमानों की तुलना में शरणार्थियों की संख्या ज्यादा है। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थियों के लिए आयुक्त फिलिपो ग्रांडी ने कहा, पिछले 10 दिनों में यूक्रेन से 10.50 लाख से अधिक लोग पड़ोसी मुल्कों में पलायन कर चुके हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप में सबसे तेजी गति से बढ़ रहा शरणार्थी संकट है।

जापान ने नागरिकों को रूस की यात्रा से बचने की दी सलाह

टोक्यो। जापान के विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों को यूक्रेन के किसी कार्यक्रम में शामिल न होने और ताजा प्रतिबंधों को लेकर रूस की यात्रा से बचने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि जापान ने रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। जिसके मद्देनजर जापान ने अपने नागरिकों को रूस की यात्रा से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। यूक्रेन की सीमा से सटे रूसी क्षेत्रों के लिए शीर्ष 'लेबल-4' चेतावनी जारी की गई है।

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किय जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग। उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नही है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते है। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था -

'कीर्तिः श्री वाक्च नारीणां
स्मृति मेधा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाव, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती है -

'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'

अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती है, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले है, अधूरे है। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नही पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नही है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नही। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नही चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मीअनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे-खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

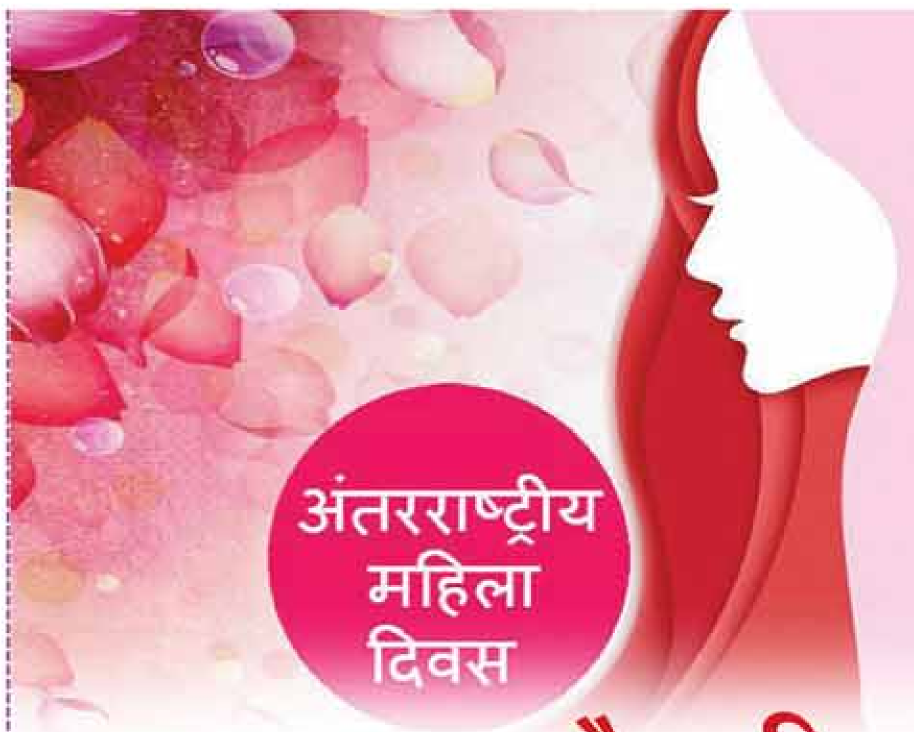

कब शुरू हुआ और आखिर क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुडे इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास।

दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरुआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था।

सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। गरीब महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अपनी सोच से समाज में सकारात्मकता का निर्माण कर सकती है स्त्री

घर से लेकर ऑफिस तक। राजनीति से लेकर समाज तक। यह वह दौर है जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम कर रही हैं। कई मामलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ठीक इसी तरह सांप्रदायिकता और अराजकता के इस माहौल में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, दरअसल, महिलाएं अपने बच्चों, पति और घर के अन्य पुरुषों को अपनी सकारात्मक सोच और विचार से प्रभावित कर सकती हैं। इसमें कोई संशय नही कि किसी भी पुरुष और बच्चे में सकारात्मक सोच की शुरुआत घर से ही होती है। बच्चा घर में जैसा माहौल देखेगा या उसके परिजन खासतौर से मां जो उसे सिखाएगी, जिन विषयों पर उससे चर्चा करेगी, वही आगे चलकर उसके विचारों में शामिल होगा। ठीक इसी तरह पुरुषों की सोच, विचार और मानसिकता को भी घर की महिलाएं बहुत हद तक नियंत्रित या यूं कहें कि प्रभावित कर सकती है। महिलाओं की भूमिका को इस सकारात्मक परिपेक्ष्य में इसलिए भी देखा जाना चाहिए क्योंकि शारीरिक तौर के साथ ही मानसिक तौर पर भी उन्हें 'सॉफ्ट' माना जाता है। वे कई विषयों को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं। ऐसे में जब समाज में कोई अराजक स्थिति पैदा होती है तो सबसे पहले महिलाओं से उनकी संवेदनशीलता के पैमाने पर ही अपेक्षा की जाती है। हालांकि शाहीन बाग इस मामले में अपवाद है। यहां महिलाओं की तय छवि से अलग तस्वीर नजर आई। यह सही है कि यहां महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए प्रदर्शन में शामिल हुई हैं, लेकिन अपने मासूम बच्चों को इसमें शामिल करना, उन्हें ऐसे आंदोलनों का हिस्सा बनाना महिलाओं की छवि से अलग छवि को गढ़ता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है, लेकिन सामाजिक जागरुकता के परिपेक्ष्य में भी महिलाओं के लिए जरुरी है कि वे अपनी ताकत को फिर से पहचाने, अपने स्त्री पक्ष से घर में, समाज में और अपने कार्यक्षेत्र में अपनी सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

नए युग की नई नारी ने प्रगति की, पर सम्मान नहीं बढ़ा

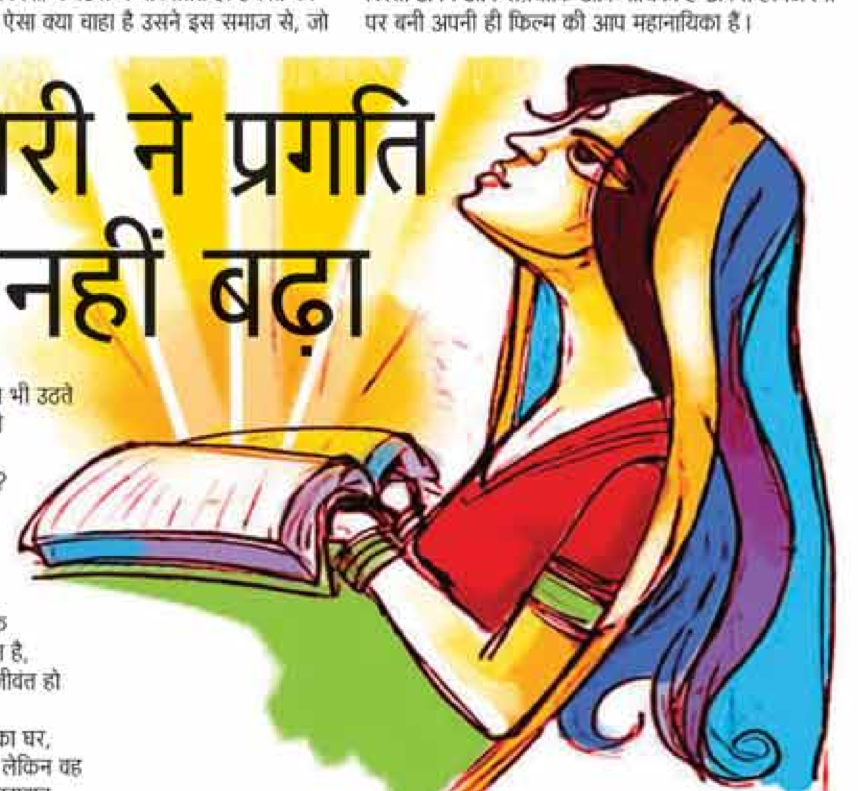

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी है। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं।

इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है।

'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है।

नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है। हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में 'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है।

इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।